खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 11 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-68

दाल रोटी खाओ!

होटलों में गैस सिर्फ दो दिन की, अब घरों के चौके ही चलेंगे

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद और पूरे तेलंगाना में लगभग 90 प्रतिशत होटल और रेस्तरां अगले दो दिनों के भीतर बंद होने के कगार पर हैं। वाणिज्यिक एलपीजी की अभूतपूर्व भारी कमी ने शहर के विशाल खाद्य उद्योग को ठप करने का खतरा पैदा कर दिया है, जिससे एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

इस गंभीर स्थिति पर बात करते हुए, तेलंगाना स्टेट होटल एसोसिएशन (टीए-सएचए) के कोषाध्यक्ष एस. राम मूर्ति ने कहा कि बड़े प्रतिष्ठानों के पास कुछ भंडार हो सकता है, लेकिन हजारों छोटे और मध्यम आकार के होटल, जो शहर की दैनिक भोजन आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, आमतौर पर केवल 24 से 48 घंटों का ईंधन स्टॉक रखते हैं। उन्होंने बताया, सोमवार से हमें वाणिज्यिक गैस आपूर्ति में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। छोटे होटलों के पास केवल एक या दो दिन का स्टॉक बचा है। दो दिनों के बाद, हैदराबाद का 90 प्रतिशत खाद्य उद्योग बंद हो जाएगा। हमने इस तरह के संकट की योजना नहीं बनाई थी और हमें नहीं पता कि यह कब तक चलेगा।

वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि होटल उद्योग रेलवे के बाद देश में दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है। हैदराबाद जैसे शहर में, एक मध्यम आकार का होटल लगभग 500 लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आजीविका प्रदान करता है। उद्योग के पूरी तरह ठप होने से रसोइयों और सर्वरों से लेकर डिलीवरी कर्मियों और आपूर्तिकर्ताओं तक, लाखों श्रमिकों के लिए तत्काल बेरोजगारी की स्थिति पैदा हो जाएगी।

यह संकट ऐसे समय में आया है जब स्कूल और प्रतियोगी परीक्षाएं समाप्त हो रही हैं और शहर अपने पीक समर टूरिज्म सीजन की तैयारी कर रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि भोजन सेवाओं की कमी से तेलंगाना की पर्यटन छवि को नुकसान पहुंचेगा। इसके अलावा, पीजी और हॉस्टल में रहने वाले छात्र, जो अपने दैनिक भोजन के लिए पूरी तरह से स्थानीय भोजनालयों पर निर्भर हैं, उन्हें खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

टीएसएचए ने तत्काल राहत के लिए राज्य और केंद्र दोनों सरकारों से अपील की है। वे पूर्ण बंदी को रोकने के लिए नियमित कोटे की कम से कम 50 प्रतिशत आपूर्ति का अनुरोध कर रहे हैं। राम मूर्ति ने कहा, अगर हमें हमारी आवश्यकता का 50 प्रतिशत भी दिया जाता है, तो हम अपने श्रमिकों को भोजन देने और उद्योग को जीवित रखने के लिए बिजली और जलाऊ लकड़ी जैसे अस्थायी इंतजामों के साथ प्रबंधन करने की कोशिश करेंगे।

तेल-गैस आपूर्ति पर एस्मा

मोदी ने कहा, घबराने की जरूरत नहीं है, पर्याप्त भंडार, वैकल्पिक उपाय तैयार

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच चल रही जंग ने दुनिया भर में एनर्जी संकट की आशंका बढ़ा दी है। खासकर एलपीजी सप्लाई की स्थिति को लेकर चिंता जताई जा रही है। भारत भी इसे लेकर पूरी तरह सतर्क है। फिलहाल देश में एलपीजी की कमी नहीं है, लेकिन भविष्य की संभावनाओं के कारण बाजार में पैनिक सिचुएशन देखने को मिल रही है। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार सिलेंडर की जमाखोरी के कारण एलपीजी अधिक कीमत पर बेचे जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई।कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रालयों को निर्देश दिया कि मिडिल ईस्ट संकट के बावजूद भारत में एलपीजी, सीएनजी और पीएनजी की आपूर्ति पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित मंत्रालयों को संभावित चुनौतियों के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए।प्रधानमंत्री ने कहा कि फिलहाल देश में ईंधन और गैस को लेकर किसी प्रकार की कमी नहीं है। एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।इससे पहले केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी कहा था कि एलएनजी और ऊर्जा भंडार को लेकर भारत की स्थिति मजबूत और सुरक्षित है। भारत के पास पर्याप्त रिजर्व मौजूद है और ईंधन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि कतर सहित अन्य देशों से एलएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य के अलावा अन्य वैकल्पिक मार्गों पर भी विचार किया जा रहा है। लंबे समय तक युद्ध की स्थिति बनने पर भी ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित न हो, इसके लिए सरकार ने कई एहतियाती कदम उठाए हैं। इनमें आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत नियंत्रण, गैस उत्पादन बढ़ाना और एलपीजी बुकिंग नियमों में बदलाव जैसे उपाय शामिल हैं।

आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) के तहत नया आदेश

तनावपूर्ण वैश्विक स्थिति को देखते हुए सरकार ने एलपीजी सप्लाई बनाए रखने के लिए एक अहम कदम उठाया है। आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत नेचुरल गैस सप्लाई को नियंत्रित करने के लिए नए निर्देश जारी किए गए हैं। ▶10 पर

इंडिगो के सीईओ पीटर एलबर्स का इस्तीफा

नयी दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पीटर एलबर्स ने पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने आज 10 मार्च को रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। एलबर्स के जाने के बाद अब कंपनी के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया अंतरिम तौर पर एयरलाइन के कामकाज की जिम्मेदारी संभालेंगे।

3 महीने पहले इंडिगो को भारी फ्लाइट ऑपरेशंस संकट का सामना करना पड़ा था। उस दौरान करीब 3 लाख यात्री फंसे रह गए थे, जिसके बाद एविएशन रेगुलेटर ने एयरलाइन पर 22.20 करोड़ का भारी जुर्माना भी लगाया था।

इंडिगो ने स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया, कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आज हुई मीटिंग में पीटर एलबर्स के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया गया है। उन्हें आज बिजनेस ऑवर्स खत्म होने के बाद जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। उनकी जगह राहुल भाटिया कंपनी के मामलों का मैनेजमेंट देखेंगे।

राहुल भाटिया को लिखे अपने इस्तीफे में पीटर एलबर्स ने पद छोड़ने के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है। ▶10 पर

शरियत छोड़ो-यूसीसी लाओ

सुप्रीम कोर्ट ने माना समान नागरिक संहिता का सही समय आ गया

नयी दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का समय आ गया है। इस पर फैसला करना कोर्ट के बजाय संसद का काम है।

कोर्ट शरियत कानून 1937 की कुछ धाराओं को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इन धाराओं से मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव का आरोप था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- शरियत कानून की धाराएं रद्द कर दी गईं तो मुस्लिम समुदाय में संपत्ति के बंटवारे को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं बचेगा। इससे कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है। सीजेआई सूर्यकांत का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई बार सरकार से समान नागरिक संहिता लागू करने को कह चुका है। अलग-अलग समुदायों के लिए अलग नियम हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सीधे किसी कानून को असंवैधानिक घोषित कर दें।

जस्टिस बागची का मानना है कि याचिका में भेदभाव का मुद्दा मजबूत है, लेकिन यह बेहतर होगा कि इस मामले को संसद (विधायिका) पर छोड़ दिया जाए, क्योंकि वही समान नागरिक संहिता बना सकती है। याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि कोर्ट यह घोषित कर सकती है कि मुस्लिम महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर संपत्ति में अधिकार मिलना चाहिए। अगर शरियत कानून की कुछ धाराएं रद्द होती हैं, तो ऐसे मामलों में भारतीय उत्तराधिकार कानून लागू किया जा सकता है।

संपत्ति में हिस्सा धार्मिक अधिकार नहीं बल्कि नागरिक अधिकार है। इसलिए इसे धर्म की स्वतंत्रता के तहत संरक्षित नहीं माना जाना चाहिए। बेंच ने स्पष्ट राय दी कि इस मुद्दे का स्थायी समाधान समान नागरिक संहिता ही है। लेकिन इसे लागू करने का फैसला संसद को लेना होगा। यह नीतिगत मामला है, और कानून बनाना संसद का अधिकार है।

बापू के नाम पर विस्थापन स्वीकार्य नहीं : तुषार

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए मधु पार्क रिज अपार्टमेंट परिसर को गिराए जाने के प्रस्ताव पर विवाद गहरा गया है। इस बीच, महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से इस गलतफहमी को दूर करने के लिए बयान जारी करने की अपील की है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी बात रखते हुए तुषार गांधी ने कहा: मैं मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से पूरी ईमानदारी से अपील करता हूं कि वे इस गलतफहमी को दूर करने के लिए एक बयान जारी करें कि हैदराबाद में नागरिकों का विस्थापन बापू की प्रतिमा बनाने के लिए किया जा रहा है। यह धारणा कि गांधी जी की मूर्ति के कारण लोग अपने घर खो रहे हैं, संघ के गांधी को बदनाम करो अभियान को बढ़ावा दे रही है। तुषार गांधी की यह अपील मुख्यमंत्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के दौरान दिए गए बयान के बाद आई है। अपार्टमेंट का नाम लिए बिना, मुख्यमंत्री ने कहा था कि यह संरचना ईसा नदी के 50 मीटर के बफर जोन के भीतर स्थित है। नियमों के अनुसार, बफर जोन में निर्मित किसी भी ढांचे को हटाया जाना अनिवार्य है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 21°

कोख का सौदा-डॉ. नम्रता पर शिकंजा

सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर की 50 अचल संपत्तियां ईडी द्वारा कुर्क

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रवर्तन निदेशालय के हैदराबाद जोनल कार्यालय ने यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी एंड रिसर्च सेंटर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत 50 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। कुर्क की गई संपत्तियों में डॉ. नम्रता और उनके बेटों के नाम पर जमीन के टुकड़े, फ्लैट और एक अस्पताल शामिल हैं। इन संपत्तियों का वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 50 करोड़ रुपये आंका गया है।ईडी ने यह जांच हैदराबाद के गोपालपुरम पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, अवैध सरोगेसी और बच्चा तस्करी के लिए दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। जांच में सामने आया कि यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी एंड रिसर्च सेंटर चलाने वाली डॉ. नम्रता अपने कर्मचारियों और एजेंटों के साथ मिलकर एक रैकेट चलाती थीं, जिसके माध्यम से वे बेऔलाद दंपत्तियों को नवजात बच्चे उपलब्ध कराती थीं। अधिकारियों ने बताया कि डॉ. नम्रता सरोगेट मदर के जरिए बच्चा दिलाने के नाम पर दंपत्तियों से मोटी रकम वसूलती थीं। प्रक्रिया को असली दिखाने के लिए दंपत्तियों के युग्मक भी एकत्र किए जाते थे, लेकिन असल में बच्चे उन गरीब और लाचार माता-पिता से लिए जाते थे जो बच्चे को पालने में असमर्थ थे या गर्भपात कराना चाहते थे।

जांच में खुलासा हुआ कि इस रैकेट में एजेंटों और सब-एजेंटों का एक पूरा नेटवर्क शामिल था, जो गरीब गर्भवती महिलाओं को पैसे का लालच देकर बच्चा पैदा होते ही छोड़ने के लिए राजी करते थे।

बेटियों के लिए डॉ. नम्रता लगभग 3.5 लाख रुपये का भुगतान करती थीं। बेटों के लिए:लगभग 4.5 लाख रुपये दिए जाते थे। यह पूरा खेल विशाखापत्तनम स्थित उनके अस्पताल में चल रहा था, क्योंकि अधिकारियों ने उनके सिकंदराबाद स्थित अस्पताल का लाइसेंस पहले ही रद्द कर दिया था। नगर निगम अधिकारियों को भेजे जाने वाले जन्म रिकॉर्ड भी कथित तौर पर जाली होते थे, जिनमें जैविक माता-पिता के बजाय बेऔलाद दंपत्तियों का नाम माता-पिता के रूप में दर्ज किया जाता था। ईडी की जांच के अनुसार, डॉ. नम्रता 2014 से इस रैकेट में शामिल थीं और कई मामले दर्ज होने व मेडिकल लाइसेंस निलंबित होने के बाद भी उन्होंने यह फर्जीवाड़ा जारी रखा।

बैंक खातों के विश्लेषण से पुष्टि हुई है कि दंपत्तियों से लिया गया पैसा एजेंटों को कमीशन देने और तस्करी किए गए बच्चों के जैविक माता-पिता को भुगतान करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। ईडी ने डॉ. नम्रता को इसी साल 12 फरवरी को गिरफ्तार किया था और वह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

कयामत की रात आज

होगा सबसे बड़ा हमला

नयी दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध मंगलवार को 11वें दिन और भी भीषण हो गया। अमेरिका और इजरायल ने ईरान के भीतर नए सिरे से बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि मंगलवार को ईरान के भीतर अब तक का सबसे भीषण हवाई हमला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दिन सबसे ज्यादा लड़ाकू विमान, बमवर्षक और सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर हमले किए जाएंगे।

अमेरिकी सेना के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने बताया कि युद्ध के पहले दस दिनों में अमेरिकी सेना ने ईरान के 5000 से अधिक सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। इन हमलों में ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन क्षमता को निशाना बनाया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी नौसेना ने अब तक ईरान के 50 से ज्यादा नौसैनिक जहाजों और नौकाओं को नष्ट किया है और होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंग बिछाने वाले जहाजों को भी निशाना बनाया जा रहा है। इजरायली सेना ने भी ईरान की राजधानी तेहरान में कई सैन्य और अनुसंधान ठिकानों पर नए हवाई हमले किए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शहर के कई इलाकों में जोरदार धमाके सुने गए।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इजरायल का लक्ष्य ईरान की सैन्य क्षमता को पूरी तरह तोड़ना है। ▶10 पर

इजराइल की ब्लू स्पैरो मिसाइल बनी डिफेंस सिस्टम्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती

यरूशलम, 10 मार्च (एजेंसियां)। आधुनिक युद्ध कौशल के क्षेत्र में इजराइल की ब्लू स्पैरो मिसाइल इस वक्त दुनिया भर के सैन्य विशेषज्ञों और रणनीतिकारों के लिए चर्चा का केंद्र बनी हुई है। राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स द्वारा विकसित यह मिसाइल तकनीक इतनी उन्नत है कि यह दुनिया के सबसे मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम्स को भी नाकाम करने की क्षमता रखती है। हालिया सैन्य घटनाक्रमों में इस मिसाइल का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है, जब अंतरिक्ष की ऊंचाइयों से गिरते हुए इसने अपने लक्ष्य को पूरी तरह राख में तब्दील कर दिया। इस मिसाइल की सबसे बड़ी खूबी इसका वह मार्ग है, जो इसे रडार की पकड़ से बाहर रखता है। सामान्यतः मिसाइलें जमीन के समानांतर या एक निश्चित ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं, जिन्हें रडार आसानी से ट्रैक कर लेते हैं। इसके विपरीत, ब्लू स्पैरो लान्च होने के बाद सीधे एक्सो- एटमास्फेरिक फेज यानी अंतरिक्ष की दहलीज तक चली जाती है। इतनी अत्यधिक ऊंचाई पर होने के कारण जमीन पर स्थित रडार इसे देख पाने में असमर्थ रहते हैं। दुनिया के अधिकांश एंटी-एयरक्राफ्ट रडार क्षितिज को स्कैन करते हैं और सामने से आने वाले खतरों को भांपते हैं, लेकिन ब्लू स्पैरो अंतरिक्ष से 90 डिग्री के कोण पर सीधे नीचे गिरती है। रडार के ठीक ऊपर एक ब्लाइंड स्पाट होता है, जहां उसकी निगरानी क्षमता शून्य हो जाती है। जब तक दुश्मन के सिस्टम को खतरे का आभास होता है, तब तक यह मिसाइल लक्ष्य के बिल्कुल करीब पहुंच चुकी होती है। इस मिसाइल की मारक क्षमता को इसकी हाइपरसोनिक रफ्तार और भी घातक बना देती है। जब यह अंतरिक्ष से नीचे की ओर आती है, तो गुरुत्वाकर्षण और इसके शक्तिशाली इंजन की संयुक्त ऊर्जा इसे ध्वनि की गति से कई गुना तेज रफ्तार प्रदान करती है। इतनी प्रचंड गति के कारण दुश्मन के डिफेंस सिस्टम को प्रतिक्रिया देने का समय ही नहीं मिलता। करीब 1,900 किलो वजनी यह मिसाइल किसी उड़ते हुए मौत के पहाड़ की तरह व्यवहार करती है। इसे जमीन के बजाय ईगल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों से हवा में लान्च किया जाता है, जिससे पायलट दुश्मन की सीमा में प्रवेश किए बिना लगभग 2,000 किलोमीटर की सुरक्षित दूरी से सटीक निशाना साध सकता है।

न्यूज ब्रीफ

खार्ग आइलैंड को छूआ तो मुश्किल में पड़ जाएंगे अमेरिका-इजराइल

तेहरान। इजराइल-अमेरिका के ईरान पर हमले से शुरू हुआ युद्ध दूसरे हफ्ते में प्रवेश कर गया है। इसे अमेरिका का 2003 के बाद से क्षेत्र में सबसे भीषण हमला माना जा रहा है। ईरान की राजधानी तेहरान समेत बड़े शहरों में लगातार सैन्य और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया है। अमेरिका-इजराइल के हवाई हमले में ईरान के खार्ग आइलैंड को छुआ तक नहीं है। यह आईलैंड ईरान के शासन के लिए बेहद अहम है। इस पर हमले से तेहरान शासन गिर सकता है लेकिन इसके बावजूद अमेरिका और इजराइल गठबंधन इससे दूर हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्सपर्ट का कहना है कि खार्ग ईरान के दक्षिणी तट से 25 किलोमीटर दूर एक चट्टानी आइलैंड है। यह हर दिन करीब 20 लाख बैरल तेल हैंडल करता है। ईरान का 90 फीसदी कच्चा तेल एक्सपोर्ट इसकी लोडिंग जेटी से जाता है। इससे होने वाली आमदनी ईरानी सरकार के बजट का 40 फीसदी है। इसमें आईआरजीसी को बड़ा हिस्सा मिलता है, जो 31 प्रोविंशियल कमांड को आपरेशनल रखता है। रिपोर्ट के मुताबि अमेरिका और इजरायल की हवाई ताकत ऐसी है कि अगर वह लोडिंग जेटी पर स्ट्राइक करें तो एक रात में इसे तबाह कर देंगे और ईरान सरकार का रेवेन्यू खत्म हो जाएगा। ईरान के 80 फीसदी एयर डिफेंस तबाह हो चुके हैं। तेहरान में शाहरान फ्यूल डिपो और मेहराबाद एयरपोर्ट पर हमला हो चुका है। खार्ग आइलैंड की सुरक्षा पुरानी हाक सरफेस टू एयर मिसाइल बैटरी और कोस्टल एंटी-शिप मिसाइलों से होती है। आइलैंड पर मार्डन एस-300 एयर डिफेंस सिस्टम की तैनाती नहीं है। साफ है कि खार्ग ऐसी जगह नहीं है, जहां पहुंचा नहीं जा सकता है। यह इसलिए अछूती है क्योंकि वहां अटैक के ऐसे नतीजे होंगे, जिन्हें गठबंधन संभाल नहीं पाएगा।

ईरान के हमलों से प्रभावित देशों की रक्षा करेगा फ्रांस, मैक्रों ने बढ़ाई नौसैनिक तैनाती

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने कहा है कि उनका देश ईरान के हमलों का सामना कर रहे

देशों की सुरक्षा में सहयोग करेगा। इसके लिए फ्रांस ने पूर्वी भूमध्यसागर और लाल सागर क्षेत्र में अपनी नौसैनिक तैनाती बढ़ाने का फैसला किया है। मैक्रों के अनुसार फ्रांस आठ फ्रिगेट, दो एम्फीबियस हेलीकाप्टर कैरियर और अपने प्रमुख विमानवाहक पोत चार्ल्स डी गाल को तैनात करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम पूरी तरह रक्षात्मक उद्देश्य से उठाया जा रहा है और इसका लक्ष्य क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि फ्रांस उन देशों के साथ खड़ा रहेगा जो ईरान की संभावित जवाबी कार्रवाई का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस की कोशिश क्षेत्र में तनाव कम करने और सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की है। मैक्रों ने यह भी कहा कि फ्रांस अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए काम करेगा। जरूरत पड़ने पर स्ट्रेट आफ होरमुज में जहाजों की आवाजाही सामान्य बनाए रखने के लिए भी कदम उठाए जा सकते हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि फ्रांस किसी मौजूदा युद्ध में सीधे शामिल नहीं है, बल्कि अपने सहयोगियों के साथ मिलकर क्षेत्र में संतुलन और शांति बनाए रखने की दिशा में काम कर रहा है।

ईरान के हमले रक्षात्मक कार्रवाई, आम अमेरिकियों को नुकसान पहुंचाने का इरादा नहीं: अराघची

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान की सैन्य कार्रवाई रक्षात्मक है और

इसका उद्देश्य पड़ोसी देशों को निशाना बनाना नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेहरान केवल उन अमेरिकी सैन्य ठिकानों को लक्ष्य बना रहा है, जहां से ईरान पर हमले किए जा रहे हैं। अराघची के अनुसार पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिका के सैन्य ठिकानों से ईरान के खिलाफ अभियान चलाए जा रहे हैं, जिन्हें रोकना ईरान की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ईरान क्षेत्रीय देशों की संप्रभुता और उनके साथ अपने संबंधों का सम्मान करता है, लेकिन यदि किसी देश की जमीन या हवाई क्षेत्र से ईरान पर हमला किया जाता है, तो वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य सुविधाओं को लक्ष्य बनाया जा सकता है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर किए गए एक पोस्ट में अराघची ने कहा कि ईरान आम अमेरिकी नागरिकों को नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के अधिकांश नागरिक महंगे विदेशी युद्धों में शामिल होने के खिलाफ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि तेल की बढ़ती कीमतों, महंगे कर्ज और आर्थिक दबाव के लिए इजराइल और वाशिंगटन के कुछ सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

अमेरिका ने कहा- होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ तो ईरान पर कहर बरपेगा

वाशिंगटन, 10 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से छिड़ी जंग के बीच सोमवार रात बड़ी घोषणा की। उन्होंने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने के खिलाफ कहर बरपाने की चेतावनी दी। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के तेल उद्योग के लिए एक जरूरी आवागमन का माध्यम है। इस युद्ध से तेल की निकासी लगभग ठप हो चुकी है। इससे युद्ध शुरू होने के बाद से तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने ट्रुथ सोशल पर कहा, अगर ईरान की वजह से होर्मुज स्ट्रेट के अंदर तेल की निकासी रुक जाती है तो अमेरिका अब तक हुए हमलों से बीस गुना शक्तिशाली हमला करेगा। इससे ईरान का देश के तौर पर फिर से बनना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। वहां सिर्फ आग होगी। बावजूद इसके मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा न हो। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले शुरू करने के बाद सोमवार रात अपने पहले आधिकारिक संवाददाता सम्मेलन में मियामी-एरिया गोल्फ क्लब में कई बार ईरान को धमकी दी कि अगर वह होर्मुज स्ट्रेट को अवरुद्ध करता है तो वह उस पर हमले बढ़ा देंगे। उन्होंने सीबीएस न्यूज से कहा कि वह इस जलमार्ग पर नियंत्रण करने पर विचार कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, मैं लड़कियों के स्कूल पर बमबारी की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रहा हूं। उस पर हमला कर दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, मुझे बताया गया कि इसकी जांच चल रही है, लेकिन टामहाक्स का इस्तेमाल दूसरे देश और लोग भी करते हैं। कई देशों के पास टामहाक्स हैं। वे हमसे खरीदते हैं। अंतिम जांच रिपोर्ट को वह स्वीकार करेंगे। इससे पहले शनिवार को ट्रंप ने कहा था कि उन्हें लगता है कि यह लड़कियों के स्कूल पर बमबारी ईरान ने खुद की थी।

उन्होंने कहा कि वह ईरान के नए नेता के रूप में मोजतबा खामेनेई के चयन से निराश हैं। मगर यह ईरान का अंदरूनी मसला है। ट्रंप का कहना है कि यह युद्ध इस हफ्ते खत्म नहीं होगा, लेकिन जल्द होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इस युद्ध में ईरान पर 5,000 से ज्यादा स्थानों पर सटीक हमले किए हैं। अमेरिका चाहे तो वह कभी ईरान की विद्युत उत्पादन इकाइयों को तबाह कर सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध में अमेरिकी दखल के बिना इजराइल खत्म हो जाता।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान की सेना तेल टैंकरों को रोकती है तो उसे इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। ट्रंप ने कहा कि इस लड़ाई में अमेरिका के खड़े होने पर उन्हें गर्व है। हमारा सैन्य अभियान अपने मकसद को पूरा करने की दिशा के अहम पड़ाव पर पहुंच चुका है

होर्मुज स्ट्रेट का महत्व

यह फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित अत्यंत संकरा और रणनीतिक समुद्री जलडमरूमध्य है। यह ईरान (उत्तर में) और ओमान/यूएई (दक्षिण में) को अलग करता है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल निकासी का माध्यम है। यहां से वैश्विक समुद्री तेल का लगभग 20-30 प्रतिशत हिस्सा हर दिन गुजरता है। यह ओमान के मुसन्दम प्रायद्वीप और ईरान के बीच लगभग 39 किलोमीटर (24 मील) चौड़ा जलमार्ग है। सऊदी अरब, ईरान, कुवैत, इराक और संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी देशों से कच्चा तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) का निर्यात इसी रास्ते से होता है। यह विश्व अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस मार्ग में किसी भी तरह की रुकावट से वैश्विक तेल कीमतों में भारी उछाल आने की संभावना रहती है। भारत के लिए अहम: भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा (लगभग दो-तिहाई तेल) इसी रास्ते से आयात करता है। इसलिए यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम है। यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र रहा है, जहां ईरानी और अमेरिकी नौसेना के बीच अकसर आमना-सामना होता रहता है।

विएलिचका साल्ट माइन: धरती के 1000 फीट नीचे बसा नमक का अनोखा जादुई शहर

क्राको,पोलैंड, 10 मार्च (एजेंसियां)। कल्पना कीजिए एक ऐसे शहर की जहां की दीवारें कंक्रीट की नहीं बल्कि नमक के क्रिस्टल की बनी हैं, जहां के गिरजाघरों में झूमर कांच के नहीं बल्कि पारदर्शी नमक के पत्थरों से तराशे गए हैं। पोलैंड के क्राको शहर के पास स्थित विएलिचका साल्ट माइन कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि मानव श्रम और प्रकृति के अद्भुत मिलन की एक जीती-जागती मिसाल है। नमक का शहर के नाम से मशहूर यह स्थान 13वीं शताब्दी से अस्तित्व में है, जब नमक को सफेद सोना माना जाता था। धरती की सतह से लगभग 1000 फीट नीचे बसी यह समानांतर दुनिया 287 किलोमीटर लंबी सुरंगों के जाल में फैली है। लकड़ी की करीब 800 सीढ़ियां उतरने के बाद पर्यटक एक ऐसे साम्राज्य में कदम रखते हैं जो नौ स्तरों में बंटा है। इस विशाल भूमिगत शहर का वैभव इतना अधिक है कि एक सामान्य पर्यटक अपनी पूरी जिंदगी में इसका केवल दो प्रतिशत हिस्सा ही देख पाता है। यहाँ का सबसे मुख्य आकर्षण चैपल आफ सेंट किंग है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा भूमिगत पूजा स्थल माना जाता है। इस गिरजाघर की फर्श की टाइल्स से लेकर वेदी तक, सब कुछ नमक की चट्टानों को काटकर बनाया गया है। यहाँ तक कि दीवारों पर लियोनार्डो दा विंची की प्रसिद्ध पेंटिंग द लास्ट सपर को भी नमक पर उकेरा गया है। इस शहर के भीतर मौजूद खारी झीलें डेड सी की याद दिलाती हैं, जहाँ पानी का घनत्व इतना अधिक है कि कोई भी आसानी से तैर सकता है। विएलिचका केवल पर्यटन स्थल ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी एक संजीवनी है। यहाँ की हवा सूक्ष्म नमक के कणों से युक्त और बैक्टीरिया मुक्त होती है, जिसे हैलोथैरेपी कहा जाता है। अस्थमा और श्वसन रोगों से जूझ रहे मरीजों के लिए यहाँ एक भूमिगत सेनेटोरियम बनाया गया है, जहाँ लोग फेफड़ों की सफाई के लिए घंटों बिताते हैं। हैरानी की बात यह है कि इस अद्भुत कलाकृति का निर्माण किसी बड़े इंजीनियर ने नहीं, बल्कि सदियों पहले यहाँ काम करने वाले साधारण खनिकों ने अपनी आस्था और खाली समय में किया था। उन्होंने नमक के पत्थरों से संतों, बौनों और दानवों की ऐसी मूर्तियां बनाईं कि यह यूनेस्को की विश्व धरोहर का हिस्सा है।

ट्रम्प बोले- आस्ट्रेलिया ईरान की महिला खिलाड़ियों को दे शरण

वाशिंगटन/कैनबरा। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आस्ट्रेलिया से अपील की है कि वह ईरान की महिला फुटबाल खिलाड़ियों को शरण दे। ट्रम्प का कहना है कि यदि इन खिलाड़ियों को वापस इरान भेजा गया तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। यह मामला उस समय सामने आया जब आस्ट्रेलिया में महिला एशियन कप के दौरान ईरानी टीम से जुड़ा विवाद सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद ईरानी महिला टीम ने मैच से पहले राष्ट्रगान नहीं गाया था, जिसे सरकार के खिलाफ विरोध के रूप में देखा गया। इसके बाद ईरान के कुछ मीडिया मंचों पर खिलाड़ियों की आलोचना की गई और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि यदि खिलाड़ियों को ईरान लौटाया गया तो उन्हें कड़ी सजा का सामना करना पड़ सकता है और उनकी जान को भी खतरा हो सकता है। उन्होंने इसे एक संभावित मानवीय संकट बताते हुए आस्ट्रेलिया से खिलाड़ियों को शरण देने का आग्रह किया। ट्रम्प ने यह भी कहा कि यदि आस्ट्रेलिया इन खिलाड़ियों को आश्रय देने के लिए तैयार नहीं होता है तो अमेरिका उन्हें शरण देने के लिए तैयार है। इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है।

नेपाल में प्रतिनिधि सभा की सभी 165 सीटों का परिणाम घोषित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने 125 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज की

काठमांडू, 10 मार्च (एजेंसियां)।

निर्वाचन आयोग ने प्रतिनिधि सभा के सभी 165 निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम घोषित कर दिया। चुनाव में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को सर्वाधिक 125 सीटों पर जीत हासिल हुई है। मंगलवार सुबह निर्वाचन आयोग ने पत्रकार सम्मेलन में प्रतिनिधि सभा के प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित हुए सभी 165 निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा कर दी।

आयोग के मुताबिक सबसे अंत में संखुवासभा का परिणाम सोमवार रात जारी किया गया। वहां नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के अर्जुन कुमार कार्की ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के मिंगमा शेर्पा को पराजित किया। आयोग ने बताया कि उम्मीदवारी खारिज होने के कारण विवादों में रहे धनुषा-1 निर्वाचन क्षेत्र में आयोग ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) के मातृका प्रसाद यादव को विजयी होने का प्रमाणपत्र दिया है। हालांकि, उम्मीदवारी खारिज किए जाने के बाद आरएसपी के उम्मीदवार इस मामले को लेकर अदालत पहुंच गए हैं।

प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली के तहत सीटों का परिणाम

- राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी – 125 सीट
- नेपाली कांग्रेस – 18 सीट
- नेकपा (एमाले) – 9 सीट
- नेकपा (पूर्व में माओवादी नाम) – 8 सीट
- श्रम संस्कृति पार्टी – 3 सीट
- राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी – 1 सीट

म्याग्दी से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले महावीर पुन भी निर्वाचित हुए हैं। प्रतिनिधि सभा के 275 सदस्यों के चुनाव के लिए 5 मार्च को पूरे देश में को मतदान कराया गया था। वहीं समानुपातिक प्रणाली के तहत अब तक एक करोड़ मतों की गिनती पूरी हो चुकी है।

गाजा में लोगों को रमजान में इफ्तार-सहरी का खर्च उठाना पड़ रहा भारी

प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 1,250 डालर से घटकर महज 161 डालर रह गई

गाजा, 10 मार्च (एजेंसियां)। दो साल से जारी भीषण युद्ध और इजराइली प्रतिबंधों के बीच गाजा पट्टी में रह रहे फिलिस्तीनी इस साल एक अभूतपूर्व आर्थिक तबाही के बीच रमजान का पवित्र महीना बिता रहे हैं। एक ताजा विश्लेषण के मुताबिक गाजा में बुनियादी खाद्य पदार्थों की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है, जिससे आम परिवारों के लिए इफ्तार का इंतजाम करना एक बड़ी चुनौती है। बता दें अक्टूबर 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी उछाल आया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक चिकन 14 शेकेल से बढ़कर 25 शेकेल प्रति किलो हो गया है। 30 अंडों की ट्रे 13 शेकेल से बढ़कर 35 शेकेल हो गई। टमाटर की कीमतें

दोगुनी हो गई हैं, जबकि खीरा 300फीसदी तक महंगा हो गया है। छह सदस्यों के एक मध्यम वर्गीय परिवार के लिए बुनियादी इफ्तार का खर्च अब करीब 150 शेकेल (यानी 48 डालर) तक पहुंच गया है, जो युद्ध से पहले केवल 79 शेकेल था। वहीं, सहरी के साधारण भोजन का खर्च भी 18.6 शेकेल से बढ़कर 31.5 शेकेल हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक कीमतें बढ़ने के साथ-साथ लोगों की कमाई का जरिया पूरी तरह खत्म हो चुका है।

अभिनेता बेन स्टिलर ने की ट्रापिक थंडर का क्लिप हटाने की मांग

लास एंजिल्स। व्हाइट हाउस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किए गए एक वीडियो को लेकर हालीवुड अभिनेता बेन स्टिलर ने कड़ी आपत्ति जताई है। अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए व्हाइट हाउस से तुरंत उस क्लिप को हटाने की मांग की। स्टिलर ने कहा कि उन्होंने इसके इस्तेमाल की कोई अनुमति नहीं दी है। इस वीडियो में उनकी फिल्म ट्रापिक थंडर का एक क्लिप इस्तेमाल किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक व्हाइट हाउस ने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें कई लोकप्रिय फिल्मों और टीवी शोज के दृश्य एक साथ जोड़े गए थे। इन क्लिप्स में टाप गन, सुपरमेन, ट्रांसफार्मर्स, ब्रेकिंग बेड और आयरन मेन जैसी मशहूर फिल्मों व शोज के दृश्य शामिल थे। इन सभी को अमेरिकी सैन्य अभियानों से जुड़े वास्तविक दृश्यों के साथ जोड़ा गया था। पोस्ट के कैप्शन में जस्टिस द अमेरिकन वे लिखा गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बेन स्टिलर ने लिखा कि व्हाइट हाउस को उनकी फिल्म का क्लिप तुरंत हटा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस तरह के प्रचार अभियान का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है और युद्ध जैसी गंभीर चीज को फिल्मी अंदाज में पेश करना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि युद्ध कोई फिल्म नहीं है और इस तरह की सामग्री के लिए उनकी फिल्म के दृश्य का इस्तेमाल गलत है। रिपोर्ट के अनुसार, बेन स्टिलर अकेले ऐसे कलाकार नहीं हैं जिन्होंने व्हाइट हाउस द्वारा अपने कंटेंट के उपयोग पर आपत्ति जताई है। इससे पहले भी कई मशहूर कलाकारों ने इस तरह के इस्तेमाल को लेकर नाराजगी जाहिर की है। इनमें सेलीन डियोन, ब्रुस स्प्रींगस्टीन, लीनकिन पार्क, नेल यंग, ओलिविया रोड्रिगो और रेडियोहेड जैसे नाम शामिल हैं। इसी सप्ताह पाप सिंगर केशा ने भी इस मुद्दे पर विरोध जताया था।

संसद की मर्यादा और गरिमा को बनाये रखने के लिए बिरला के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव : विपक्ष

नयी दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां) । लोक सभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने मंगलवार को कहा कि सदन में सदस्यों के साथ समान व्यवहार न किये जाने की वजह से और संसद की मर्यादा एवं गरिमा को बचाने की मंशा से विपक्ष की ओर से अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है।

श्री गोगोई ने कहा कि विपक्ष की ओर से सदन में पेश अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला का व्यक्तिगत रिश्ता सभी के साथ अच्छा है, लेकिन सदन में सभी सदस्यों के साथ समान व्यवहार नहीं होता। उन्होंने कहा कि सदन के संचालन में अध्यक्ष का कर्तव्य बहुत महत्वपूर्ण है, अध्यक्ष सदन के संरक्षक होते हैं, उन्हें सरकार की आवाज नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपनी बात नहीं रखने दी गयी। सत्ता पक्ष की ओर से उन्हें बीसों बार टोका गया। रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने भी उन्हें बार-बार टोका। श्री गोगोई ने कहा कि श्री गांधी बहुत महत्व-पूर्ण मुद्दे सदन में उठाना चाहते थे। वह बता रहे थे कि चीन की सेना जब भारतीय सीमा की ओर चली आ रही थी, तो तत्कालीन सेना प्रमुख मनोज नरवणे ने रक्षा मंत्री से कार्रवाई के लिए आदेश मांगा, लेकिन बार-बार फोन कॉल करने के कई घंटे के बाद उन्हें प्रधानमंत्री की तरफ से कहलवाया गया कि 'जो उचित समझो करो।'इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आपत्ति करते हुए कहा कि अविश्वास प्रस्ताव में लाये गये विषयों से हटकर चर्चा की जा रही है। इसके बाद श्री गोगोई ने कहा कि जब संसद में टोका-टाकी की गणना की जायेगी, तो स्पष्ट रूप से सामने आयेगा कि श्री रिजिजू सबसे अधिक टोका-टाकी करने वाले संसदीय कार्य मंत्री रहे हैं। इस बीच गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि श्री रिजिजू की ओर से टोका-टाकी इसलिए की जा रही है, क्योंकि इतना गैर जिम्मेदार विपक्ष कभी नहीं रहा। इस पर श्री गोगोई ने कहा कि अच्छा ही हुआ, श्री शाह ने यह कहकर उनके वक्तव्य का दायरा बढ़ा दिया है। कांग्रेस के उप नेता ने कहा कि अमेरिका में न्याय विभाग की ओर से जारी दस्तावेजों में देश के एक व्यवसायी का नाम आया है। एक मंत्री का भी नाम आया है। इस पर पीठासीन जगदंबिका पाल ने कहा क अविश्वास प्रस्ताव में लगाये गये आरोपों पर ही श्री गोगोई बोल सकते हैं, तब श्री गोगोई ने कहा कि वह तो बता रहे हैं कि श्री गांधी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने वक्तव्य में क्या-क्या कहना चाहते थे, जिसे उन्हें कहने नहीं दिया गया।श्री गोगोई ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ ऐसे व्यापार समझौते पर सहमति दे दी है, जिससे देश का व्यवसाय और कृषि क्षेत्र चौपट हो जायेगा। उन्होंने पूछा कि ऐसा क्या दबाव है कि प्रधानमंत्री देश के हितों के खिलाफ जाकर ऐसे घातक समझौते पर रजामंदी दे रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या इसका कारण अमेरिकी में जांच , या इप्सटीन फाइल में और भी नाम हैं। उन्होंने कहा, देश जानना चाहता है जनरल नरवणे ने जो बातें अपनी किताब में कही हैं, क्या वे खोखली हैं, या जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं, यह बातें देश की जनता के सामने आनी चाहिए। इससे पहले कांग्रेस के मोहम्मद जावेद ने श्री बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिसका 50 से अधिक सदस्यों ने खड़े होकर समर्थन किया। इस पर आल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन के असदुद्दीन ओवैसी ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि श्री बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाये जाने के बाद उनके द्वारा नियुक्त पैनल के सदस्य पीठासीन नहीं हो सकते। इस समय लोक सभा का कोई उपाध्यक्ष नहीं है, अत: सदन की राय लेने के बाद कोई सदस्य इस प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पीठासीन हो सकता है। कांग्रेस के के सी वेणुगोपाल और तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने भी इसी तरह की राय जाहिर की, लेकिन श्री पाल ने उनके 'व्यवस्था के प्रश्न' को अस्वीकार कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सीआईएसएफ स्थापना दिवस पर जवानों को बधाई दी

नयी दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के स्थापना दिवस के अवसर पर बल के जवानों को हार्दिक बधाई देते हुए देश के महत्वपूर्ण ढांचों की सुरक्षा में उनके अनुशासन, समर्पण और अहम भूमिका की जमकर सराहना की है। श्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए एक संदेश में देश भर के महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सीआईएसएफ जवानों की प्रतिबद्धता की सराहना की। प्रधानमंत्री ने लिखा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सभी जवानों को उनके स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। अपने दृढ़ संकल्प, अनुशासन और समर्पण के लिए पहचाने जाने वाले सीआईएसएफ के जवान देश भर के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कर्तव्य के प्रति उनका अटूट समर्पण भारत की सुरक्षा और प्रगति में बहुत बड़ा योगदान देता है।

सीआईएसएफ गृह मंत्रालय के तहत भारत के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से एक है, जिसकी स्थापना 1969 में महत्वपूर्ण औद्योगिक इकाइयों और सरकारी बुनियादी ढांचे को सुरक्षा प्रदान करने के लिए की गई थी। पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसकी जिम्मेदारी काफी बढ़ गई है। आज यह बल हवाई अड्डों, बंदरगाहों, परमाणु और अंतरिक्ष प्रतिष्ठानों, मेट्रो नेटवर्क और प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित कई रणनीतिक केंद्रों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। सीआईएसएफ अपने 1,70,000 से अधिक जवानों की ताकत के साथ देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ बन गया है। इसके जवान बड़े हवाई अड्डों और संवेदनशील ठिकानों पर तैनात हैं, जहां वे निगरानी से लेकर तोड़फोड़ रोकने और आपदा के समय मदद पहुंचाने जैसे काम संभालते हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे भारत के बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और सुरक्षा चुनौतियां बदली हैं, सीआईएसएफ की भूमिका लगातार बढ़ी है। सरकारी सुविधाओं की सुरक्षा के अतिरिक्त इस बल को अब उन निजी क्षेत्र के संस्थानों को भी सुरक्षा देने का काम सौंपा जा रहा है जो राष्ट्रीय हित के लिए जरूरी माने जाते हैं।

स्थापना दिवस उन जवानों की सेवा और बलिदान को सम्मान देने का अवसर है, जो देश भर में जरूरी सेवाओं की सुरक्षा और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए अक्सर जोखिम भरे और कठिन माहौल में काम करते हैं।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के मुद्दे पर राज्यसभा में हंगामा, विपक्ष का बहिर्गमन

नयी दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। विपक्षी दलों ने राज्यसभा में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अनियमितताओं का मुद्दा एक बार फिर उठाते हुए मंगलवार को जोरदार हंगामा किया और इस पर चर्चा करने की मांग नहीं माने जाने पर सदन से बहिर्गमन किया।

तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ'ब्रायन ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए कहा कि नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को विपक्ष का नाम लेकर सदन में एसआईआर का मुद्दा उठाया था। तृणमूल सदस्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अभी जो एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है वह सही नहीं है और इसमें हो रही अनियमितताओं पर सदन में चर्चा कराई जानी चाहिए।

नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी श्री ओ'ब्रायन का समर्थन करते हुए कहा कि सदस्य ने महत्वपूर्ण विषय उठाया है और राज्यों में एसआईआर की जो प्रक्रिया चल रही है वह सही नहीं है। उन्होंने भी इस मुद्दे पर सदन में चर्चा करने की मांग की।

सभापति ने कहा कि वह विपक्ष के सदस्यों को कई बार इस विषय पर बात करने का अवसर दे चुके हैं लेकिन विपक्ष के सदस्यों ने इसका फायदा नहीं उठाया है। सदस्यों के नियम 267 के तहत उठाए गए मुद्दों पर उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में कई बार आसन की ओर से व्यवस्था पहले ही दी जा चुकी है।

इस बीच कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्ष के अनेक सदस्य आसन के निकट आकर एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा के लिए नारेबाजी करते रहे। सभापति ने हालांकि उनसे सदन को शांतिपूर्वक चलने देने का आग्रह किया लेकिन विपक्षी सदस्य आसन के निकट नारेबाजी करते रहे और उनकी मांग नहीं माने जाने के बाद सदन से बहिर्गमन कर गए।

नेता सदन नड्डा ने कहा कि उन्होंने कल भी विपक्ष के बहिर्गमन के बाद कहा था कि विपक्ष की मंशा चर्चा की नहीं है और वह निरंकुशता तथा सदन की कार्यवाही में व्यवधान पहुंचाने में विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि जब सदन में एसआईआर के मुद्दे पर लंबी चर्चा हुई और जब सरकार की ओर से इसका जवाब दिया गया तो विपक्ष ने उसमें हिस्सा लेने के बजाय सदन से बहिर्गमन करना सही समझा उन्होंने कहा कि वह विपक्ष के इस रवैए की कड़ी निंदा करते हैं।

पश्चिम बंगाल के कुछ क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था में समस्याएं

लेकिन समग्र स्थिति चुनाव के अनुकूल

कोलकाता, 10 मार्च (एजेंसियां) । चुनाव आयोग की पूरी टीम ने पश्चिम बंगाल की अपनी यात्रा के पहले दिन राजनीतिक दलों, पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठकें करने के बाद सोमवार को स्वीकार किया कि कुछ क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था की समस्याएँ थीं, लेकिन समग्र स्थिति चुनाव कराने के लिए अनुकूल बनी हुई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ ने वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठकें करने के बाद राज्य की कानून-व्यवस्था के ध्वस्त होने के विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया। पीठ का विचार था कि हालांकि कुछ स्थानीय समस्याएं मौजूद थीं, लेकिन वे चुनाव के संचालन में बाधा डालने के लिए महत्वपूर्ण नहीं थीं।

बैठक के बाद आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कुछ जगहों पर समस्याएं हो सकती हैं, जो कई राज्यों में आम है। लेकिन यह नहीं कहा जा सकता है कि स्थिति इतनी खराब है कि चुनाव नहीं कराए जा सकते।

रविवार रात पश्चिम बंगाल पहुंची आयोग की पूर्ण पीठ ने सोमवार को राज्य के सभी 23 जिलों के जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ-साथ राज्य और केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। चर्चा विधानसभा चुनावों की तैयारी और शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उपायों पर केंद्रित थी।

आयोग ने इससे पहले राज्य के आठ मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। बातचीत के दौरान, विपक्षी दलों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जतायी और सवाल किया कि क्या आयोग केवल आश्वासन देने के बजाय हिंसा मुक्त चुनाव सुनिश्चित कर पाएगा।

आयोग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। सूत्रों ने कहा कि राज्य के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा 15 या 16 मार्च के आसपास की जा सकती है।

चर्चा के दौरान मतदाता सूची के चल रहे पुनरीक्षण का मुद्दा भी सामने आया। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के हिस्से के रूप में मतदाता सूची के मसौदे में लगभग 60.6 लाख प्रविष्टियां वर्तमान में विचाराधीन हैं। इस बात पर सवाल उठाए गए कि क्या चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले इन मामलों का सत्यापन और निपटान पूरा किया जा सकता है।

आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि प्रक्रिया पूरी करने के लिए अभी भी पर्याप्त समय है। अधिकारी ने कहा, हर दिन लगभग एक लाख मामलों का निपटान किया जा रहा है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद भी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि तक पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा जा सकता है।

अधिकारी ने यह भी बताया कि मामला वर्तमान में उच्चतम न्यायालय की जांच के अधीन है और उन्होंने उन मुद्दों पर आगे टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। फिर भी, आयोग का मानना है कि भले ही चुनावों की घोषणा जल्द हो जाए, प्रक्रिया को पूरा करने के लिए लगभग एक महीने का समय बचेगा।

सोमवार की बैठक के दौरान, आयोग ने कथित तौर पर प्रशासनिक खामियों को लेकर कई अधिकारियों को फटकार भी लगाई। भारतीय रिजर्व बैंक, विमानपत्तन प्राधिकरण, उत्पाद शुल्क विभाग और नारकोटिक्स कंट्रोल एजेंसियों सहित विभिन्न एजेंसियों के अधिकारियों को भी चुनाव संबंधी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आगाह किया गया।

सूत्रों ने कहा कि आयोग ने प्रशासनिक अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों से कहा गया कि चाहे वह जिलाधिकारी हो या पुलिस आयुक्त, खामियां पाए जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

इसके साथ ही आयोग ने यह भी संकेत दिया कि ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जहां पश्चिम बंगाल सरकार ने उसके निर्देशों का पूरी तरह से सहयोग नहीं किया था। हालांकि अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि एक बार आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद, पूरा राज्य प्रशासन चुनाव आयोग के अधिकार में आ जाएगा। एक अधिकारी ने कहा, उस स्थिति में, सरकार आयोग के निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य होगी। इसलिए, चुनाव के दौरान प्रशासनिक मशीनरी की तटस्थता के बारे में कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

राज्य में केंद्रीय बलों की जल्द तैनाती पर प्रतिक्रिया देते हुए आयोग के अधिकारियों ने कहा कि यह कदम असामान्य नहीं है और अतीत में कई राज्यों में ऐसा किया जा चुका है। उन्होंने कहा, ऐसी तैनाती मतदाताओं का विश्वास बढ़ाने और मतदाताओं के बीच सुरक्षा की भावना सुनिश्चित करने के लिए की जाती है।

आयोग की पूर्ण पीठ मंगलवार को मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और पुलिस महानिदेशक पीयूष पांडे, मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल और राज्य पुलिस तथा केंद्रीय बलों के नोडल अधिकारियों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और आयोग के अन्य सदस्यों द्वारा मंगलवार को ही नयी दिल्ली रवाना होने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल के अलावा असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

पश्चिम बंगाल के वोटरों को राहत! सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब Tribunal करेगा खारिज आवेदनों की सुनवाई

नयी दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)

सर्वोच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के अन्य सांसदों द्वारा पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने भारत निर्वाचन आयोग को कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श करके एक अपीलीय न्यायाधिकरण गठित करने के लिए अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया।

इस न्यायाधिकरण में एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीश शामिल होंगे और यह उन मामलों में अपील की सुनवाई करेगा जहां न्यायिक अधिकारियों द्वारा आवेदन खारिज कर दिए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यदि न्यायिक अधिकारी किसी आवेदन को अस्वीकार करते हैं, तो उन्हें अस्वीकृति के स्पष्ट कारण बताने होंगे। न्यायाधिकरण के संचालन का खर्च चुनाव आयोग वहन करेगा।

राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने न्यायालय को सूचित किया कि कुल 63 लाख मामलों में से लगभग 7 लाख मामलों पर अब तक कार्यवाही हो चुकी है, जिससे लगभग 57 लाख मामले अभी भी लंबित हैं। मुख्य न्यायाधीश ने उल्लेख किया कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने न्यायालय को सूचित किया था कि लगभग 10 लाख आपत्तियों का निपटारा पहले ही किया जा चुका है। न्यायालय ने अग्रिम याचिका दायर किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह गलत संदेश देता है और व्यवस्था में अविश्वास दर्शाता है।

पीठ ने प्रश्न किया कि याचिकाकर्ता न्यायिक अधिकारियों के कामकाज को कैसे चुनौती दे सकते हैं और इस संबंध में कड़ी चेतावनी जारी की।जवाब में मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि याचिकाकर्ताओं का न्यायिक अधिकारियों पर सवाल उठाने का कोई इरादा नहीं था और उन्होंने स्वीकार किया कि इस तरह के संदेह उठाना वाकई चौंकाने वाला होगा।

अदालत ने यह भी कहा कि वह इस आवेदन पर अवमानना नोटिस जारी करने पर विचार कर रही है और टिप्पणी की कि उसे याचिकाकर्ताओं के समान भाषा में जवाब देना पड़ सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि स्थिति ऐसी हो गई है कि अदालत को दोनों पक्षों के दावों पर संदेह होने लगा है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से 10 मार्च को प्राप्त सूचना के अनुसार, अब तक 10 लाख से अधिक आपत्तियों का निपटारा किया जा चुका है।

विवादित अध्याय पर एनसीईआरटी ने मांगी बिना शर्त माफी

सामाजिक विज्ञान की किताब वापस ली

नयी दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक और सदस्यों ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक समाज की खोज: भारत और उससे आगे के एक विवादित अध्याय को लेकर मंगलवार को बिना शर्त और बिना किसी योग्यता के सार्वजनिक माफी मांगी है।

विवाद पुस्तक के अध्याय-4 हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका को लेकर हुआ, जिसमें न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े संदर्भों का उल्लेख किया गया था। एनसीईआरटी ने कहा है कि यह पूरी पुस्तक अब वापस ले ली गई है और फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

सीएम योगी को प्रस्तुत किया गया नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का एयरोड्रम लाइसेंस

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर भारत सरकार की ओर से जारी एयरोड्रम लाइसेंस प्रस्तुत किया। इसके साथ ही जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम पूरा हो गया है। इस लाइसेंस के बाद अब एयरपोर्ट के उद्घाटन और वाणिज्यिक उड़ानों की शुरुआत की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन समेत वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को परियोजना की प्रगति और आगामी चरणों की जानकारी भी दी। अधिकारियों के अनुसार एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद अब नियामकीय स्वीकृतियों की अंतिम प्रक्रिया जारी है। एयरपोर्ट का एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम इस समय ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के पास समीक्षा के लिए लंबित है। सुरक्षा से जुड़ी यह मंजूरी मिलते ही एयरपोर्ट प्रबंधन सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर औपचारिक उद्घाटन और वाणिज्यिक संचालन की तिथि तय करेगा। गौतमबुद्ध नगर के जेवर में विकसित हो रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के प्रमुख शहरों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है।

इस एयरपोर्ट को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है, जहां स्विस दक्षता और भारतीय आतिथ्य का समन्वय देखने को मिलेगा। एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन हैं। एयरपोर्ट का विकास चार चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल भवन बनाया गया है, जिसकी क्षमता प्रतिवर्ष लगभग 1 करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी। दूसरे चरण में क्षमता बढ़ाकर 3 करोड़ यात्रियों तक पहुंचाई जाएगी। तीसरे और चौथे चरण में विस्तार के बाद कुल क्षमता 7 करोड़ यात्रियों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

पहले चरण में टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल लगभग 1.38 लाख वर्गमीटर है, जिसमें 48 चेक इन काउंटर, 9 सुरक्षा जांच लेन और 9 इमिग्रेशन काउंटर बनाए गए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लाउंज भी विकसित किए जा रहे हैं।

थलापति विजय और तृषा कृष्णन की पर्सनल लाइफ को लेकर हंगामा क्यों?

खुशबू सुंदर ने जताई नाराजगी

साउथ एक्टर थलापति विजय और तृषा कृष्णन इन दिनों सुर्खियों में हैं। दरअसल, पत्नी संगीता सोरनलिंगम संग तलाक की खबरों के बीच विजय, तृषा के साथ एक वेडिंग रिसेप्शन में गए, जिसके बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। लोगों ने दोनों का नाम जोड़ना शुरू कर दिया। इस पूरे मामले पर अब साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री और राजनेता खुशबू सुंदर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, ''किसी भी कलाकार की निजी जिंदगी को लेकर इस तरह का हंगामा करना ठीक नहीं है। हर इंसान की अपनी निजी जिंदगी होती है और जब तक उस निजी जिंदगी से समाज या आम लोगों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ रहा, तब तक उसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए।''

जब खुशबू सुंदर से सवाल किया गया कि तमिलनाडु में इस समय चुनावी माहौल बन रहा है और इसी बीच अभिनेता विजय को तृषा कृष्णन के साथ एक कार्यक्रम में देखा गया है। ऐसे में क्या इस घटना का राजनीति या लोगों की सोच पर कोई असर पड़ सकता है।

इस सवाल के जवाब में खुशबू ने कहा, ''मुझे समझ नहीं आता कि लोगों को इस तरह की बातों में इतनी दिलचस्पी क्यों होती है। यह दोनों कलाकारों की निजी जिंदगी का मामला है और इसका आम लोगों से कोई लेना-देना नहीं है।''

खुशबू सुंदर ने आगे कहा, ''अगर किसी की निजी जिंदगी से समाज या जनता प्रभावित होती, तो उस पर चर्चा करना समझ में आता, लेकिन जब किसी की व्यक्तिगत जिंदगी से किसी को नुकसान नहीं हो रहा है, तो उसे बड़ा विवाद बनाने का कोई मतलब नहीं है। लोग अक्सर कलाकारों की निजी जिंदगी को लेकर बहुत ज्यादा उत्सुक हो जाते हैं, जबकि हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी जीने का अधिकार है।''

बातचीत के दौरान खुशबू सुंदर से एक और सवाल पूछा गया कि क्या इस तरह की चर्चाओं से विजय की लोकप्रियता पर असर पड़ सकता है, खासकर तब जब वह फिल्मों के साथ-साथ राजनीति में भी सक्रिय हैं। इस पर खुशबू ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इससे विजय की छवि या लोकप्रियता पर कोई असर पड़ेगा। जनता बहुत समझदार होती है और वोट देते समय सही फैसला करती है। लोग जानते हैं कि उन्हें कब और किसे वोट देना है, इसलिए किसी अभिनेता की निजी जिंदगी से उसकी राजनीतिक स्थिति जरूरी नहीं कि प्रभावित हो।''

उन्होंने आगे कहा, ''चाहे कोई व्यक्ति बड़ा अभिनेता हो या नेता, आखिरकार वह भी एक इंसान ही होता है। एक इंसान की अपनी निजी जिंदगी होती है और उसे भी उसी तरह जीने का अधिकार है जैसे किसी आम व्यक्ति को होता है। इसलिए किसी के निजी रिश्तों या व्यक्तिगत जीवन को लेकर ज्यादा चर्चा करना सही नहीं है।''

नेगेटिव रोल में दिखेंगे सुधांशु पांडे

अभिनेता ने अपने जटिल किरदार को लेकर किया बड़ा खुलासा

टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता सुधांशु पांडे इन दिनों लोकप्रिय शो 'दो दुनिया एक दिल' में नजर आ रहे हैं। इस सीरियल में वे एक निगेटिव किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने अपने रोल को लेकर बात की। अभिनेता ने बताया कि उनका किरदार काफी जटिल और लेयर्ड है। इसमें कई ऐसे पहलू दिए गए हैं, जो दर्शकों को चौंका सकते हैं। उन्होंने बताया, मैं हर रोल में कुछ नया करने की कोशिश करता हूं ताकि दर्शकों को अनएक्सपेक्टेड मोमेंट्स देखने को मिले और ये सब करना मुझे काफी अच्छा लगता है। सुधांशु पांडे ने बताया कि शो में उनका किरदार भले ही बाहर से निगेटिव है, लेकिन इसमें कई तरह के डायमेंशन हैं, जो कहानी को धीरे-धीरे सामने लाने का काम करेंगे। सुधांशु पांडे ने कहा, मेरी हमेशा से ऐसी किरदार बनाने की होती है जो दर्शकों के दिल में बस जाएं और लंबे समय तक याद रहें। अगर कोई कैरेक्टर दर्शकों से गहरा कनेक्शन बना ले, तो एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। शो में आप एक पिता की भूमिका भी निभा रहे हैं, लेकिन लोगों को लगता है कि आप अभी पिता के रोल के लिए काफी युवा हैं तो उन्होंने कहा, पिता बनने का मतलब यह नहीं कि बाल या दाढ़ी सफेद हो जाए। मैं असल जिंदगी में भी पिता हूं। मेरे बच्चे हैं, लेकिन मैं फिट और एक्टिव हूं। समाज में पिता के लुक को लेकर एक स्टीरियोटाइप है, जो गलत है।

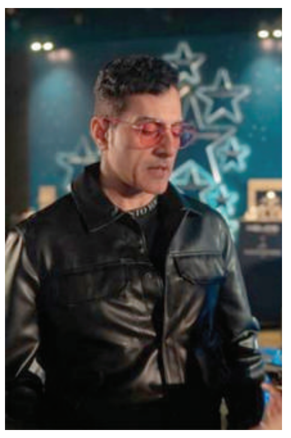

उन्होंने आगे कहा कि फिटनेस और एनर्जी हर उम्र के लोगों में होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर कोई शादीशुदा और बच्चों वाला व्यक्ति भी एनर्जेटिक हो सकता है, जबकि बिना परिवार वाला भी अनफिट दिख सकता है। इसलिए हमें ऐसे पुराने विचारों से दूर रहना चाहिए।शो में डिजिटल क्राइम और सोफिस्टिकेटेड स्कैम जैसे विषय दिखाए जा रहे हैं, जिसको लेकर सुधांशु ने कहा, एजुकेशन और अवेयरनेस दो अलग-अलग चीजें हैं। बहुत पढ़े-लिखे लोग भी स्कैम कर सकते हैं और वही पढ़े-लिखे लोग उनके शिकार भी बन सकते हैं। इसलिए असली जरूरत जागरूकता (अवेयरनेस) की है।

बीवी आती है तो घर में लक्ष्मी आती है, अक्षय कुमार ने शादी पर कही दिलचस्प बात

बॉलीवुड सितारे अक्सर अपने काम के साथ-साथ निजी जिंदगी से जुड़ी बातों को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। खासतौर पर जब वे परिवार, रिश्तों और शादी के अनुभवों के बारे में खुलकर बात करते हैं, तो फैंस के लिए यह और भी दिलचस्प हो जाता है। इस कड़ी में बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में कुछ ऐसा ही किया। उन्होंने बताया कि शादी इंसान की जिंदगी में कितना बड़ा बदलाव ला सकती है। शो के दौरान अक्षय ने कहा कि जब घर में पत्नी आती है तो आदमी की कई आदतें अपने-आप बदलने लगती हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि शादी के बाद आदमी क्या इस्तेमाल करता है, क्या खाता है, और उसकी दिनचर्या कैसी होती है- सब कुछ धीरे-धीरे बदल जाता है। उन्होंने शादीशुदा जीवन का एक दिलचस्प पहलू भी बताया।

अक्षय कुमार ने कहा, ''जब पत्नी घर में आती है, तो घर का माहौल भी बदल जाता है। घर में अच्छा खाना बनने लगता है और जिंदगी में एक तरह का संतुलन आ जाता है। लोग अक्सर कहते हैं कि जब पत्नी घर में आती है, तो इसका मतलब घर में लक्ष्मी आती है। इस कहावत में काफी सच्चाई भी है। पत्नी के आने से घर में खुशहाली और व्यवस्था दोनों बढ़ जाती हैं।''

यह बातचीत तब शुरू हुई जब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर विराज घेलानी ने हाल ही में हुई शादी के बाद जीवन में आए बदलावों के बारे में बताया। विराज ने कहा कि शादी के बाद उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में कई नई आदतें जुड़ गई हैं, खासकर ग्रूमिंग और पर्सनल केयर से जुड़ी चीजें बदल गईं। उन्होंने हंसते हुए बताया कि अब उनके पास शरीर के अलग-अलग हिस्सों के लिए अलग-अलग साबुन और प्रोडक्ट हैं। विराज ने कहा, अब मेरे पास माथे के लिए अलग साबुन है, बालों के लिए अलग शैंपू है, और यहां तक कि मैं कोहनी और घुटनों के लिए भी अलग साबुन इस्तेमाल करता हूं। शादी के बाद मेरी पत्नी ने मुझे कई नई आदतें सिखाई हैं, जैसे बाहर जाने से पहले सनस्क्रीन लगाना और सोने से पहले पैरों को धोना। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं बचपन से बिना पैर धोए सो जाता था, लेकिन अब मेरी पत्नी मुझे ऐसा नहीं करने देती।

निकिता दत्ता ने ऋषिकेश में ट्रेकिंग के लिए परिवार के साथ जाने की दी सलाह

ज्वेल थीफ' और 'कबीर सिंह' जैसी फिल्मों में काम कर मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री निकिता दत्ता हाल ही में उत्तराखंड के ऋषिकेश में एक रोमांचक ट्रेकिंग ट्रिप पर गई थीं। वहां पर उन्होंने ट्रेकिंग और खूबसूरत वादियों का जमकर आनंद लिया। अभिनेत्री ने अपने वेकेशन की कुछ झलक सोशल मीडिया पर शेयर की। वीडियो में वे ऋषिकेश के मनमोहक नजारों में ट्रेकिंग करती नजर आ रही हैं। निकिता ने आरामदायक ट्रेकिंग कपड़े पहने हैं। वे शांत और रिलैक्स अंदाज में पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता को एक्सप्लोर करती हुईं और बीच-बीच में आराम भी करती नजर आईं। वहीं, पोस्ट में उन्होंने सभी से परिवार के साथ ट्रेकिंग करने की सलाह दी, ताकि माता-पिता या घरवाले चिंता न करें और सब मिलकर मजा ले सकें। उन्होंने लिखा, प्रो टिप: जब आप एडवेंचर करना चाहें तो घरवालों को परेशान न करने का एक ही तरीका है। उन्हें साथ ले जाएं। अगर आप ऋषिकेश में हैं तो सिंगटाली हाइक जरूर करें, मैं इसकी सराहना करती हूं।

बता दें कि भले ही आज के समय में निकिता सिनेमा में सक्रिय हैं, लेकिन उन्होंने करियर की शुरुआत टेलीविजन इंडस्ट्री से की थी। उन्होंने साल 2014 में 'लेकर हम दीवाना दिल' फिल्म से डेब्यू किया। टीवी की दुनिया में उन्होंने 2015 में 'ड्रीम गर्ल' से शुरुआत की और 2016 में 'एक दूजे के वास्ते' से पहचान बनाई। बाद में उन्होंने 'गोल्ड' (2018), 'कबीर सिंह' (2019), 'द बिग बुल', और 'डिब्बुक' (2021) जैसी फिल्मों में काम किया। वह वेब सीरीज 'खाकी : द बिहार चैप्टर' (2022) में भी नजर आईं। निकिता दत्ता मराठी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। उन्होंने हाल ही में 'घरत गणपति' में शानदार काम किया था, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था। अभिनेत्री हाल ही में फिल्म 'ज्वेलथीफ' में नजर आई थीं। इसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। बताया जा रहा है आने वाले समय में अभिनेत्री 'गुलगुले बकावली' में भी नजर आ सकती हैं, जो 2026 में रिलीज हो सकती है।

कॉमेडी से विलेन तक हर रोल में छाए अनुपम खेर, 40 साल का शानदार फिल्मी सफर

भारतीय सिनेमा में कुछ ही ऐसे कलाकार हैं, जो हर बार नया रूप लेकर दर्शकों का दिल से मनोरंजन करते हैं। अनुपम खेर उन्हीं में से एक हैं। कॉमेडी हो या विलेन, बुजुर्ग पिता हो या पुलिस कमिश्नर... उन्होंने लगभग हर तरह के किरदार निभाए हैं। उन्हें चैलेंज पसंद है और यही वजह है कि उनका करियर 40 सालों से भी ज्यादा समय तक ऊंचाइयों पर बना हुआ है। उनकी फिल्मों में हर बार अलग अंदाज, अलग जज्बा और अलग रूप देखने को मिलता है। अनुपम खेर का जन्म 7 मार्च 1955 को हिमाचल प्रदेश के शिमला में हुआ था। वे एक कश्मीरी पंडित परिवार से हैं। उनके पिता पुष्कर नाथ खेर वन विभाग में क्लर्क थे और माता दुलारी खेर घर संभालती थीं। उन्हें बचपन से ही अभिनय में रुचि थी, इसलिए उन्होंने पढ़ाई बीच में छोड़ दी और चंडीगढ़ के पंजाबी विश्वविद्यालय में भारतीय नाटक की पढ़ाई की। बाद में उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में भी दाखिला लिया। अनुपम खेर की फिल्मी यात्रा की शुरुआत 1984 में महेश भट्ट की फिल्म 'सारांश' से हुई। इस फिल्म में उन्होंने 28 साल की उम्र में 65 साल के बुजुर्ग पिता का रोल निभाया। लोग हैरान थे कि इतनी कम उम्र में उन्होंने ये किरदार कैसे निभाया... जब कोई ये सवाल उनसे पूछता तो इस पर अनुपम बस मुस्कुरा कर कहते, 'फिल्म है, जादू है!' यही उनकी कला का कमाल था। इसके लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड भी मिला।

इसके बाद अनुपम खेर ने नेगेटिव रोल्स में भी अपनी छाप छोड़ी। 'कर्मा', 'तेजाब', और 'चालबाज' जैसी फिल्मों में उनका विलेन अंदाज लोगों को बहुत पसंद आया। इसके साथ ही, उन्होंने कॉमिक रोल्स में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। 'राम लखन' जैसी फिल्म में उनका कॉमिक किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट परफॉर्मेंस इन कॉमिक रोल अवॉर्ड से नवाजा गया।

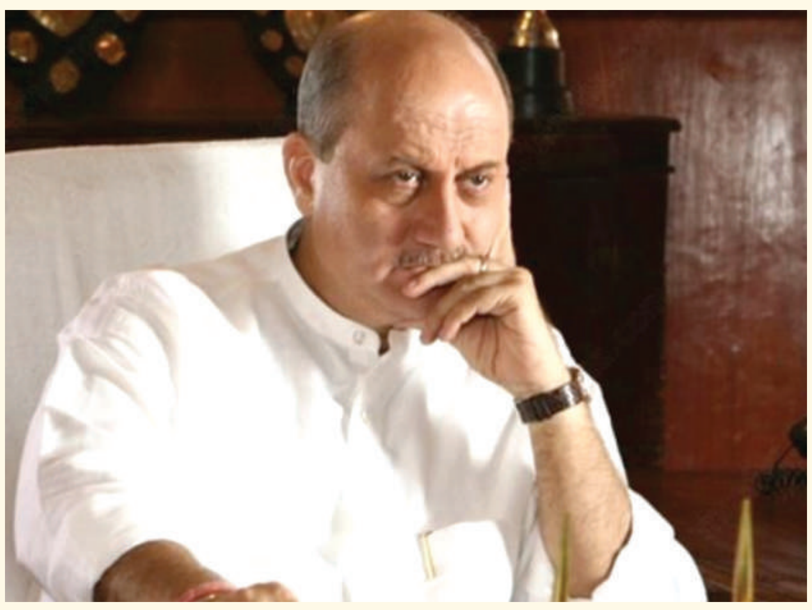

अनुपम खेर ने जीवन के हर दौर में चुनौतियों को अपनाया। 'डैडी' फिल्म में उनका किरदार बेहद जटिल था, इसके लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड स्पेशल जूरी और फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवॉर्ड मिला। वे हमेशा यही कहते हैं कि हर रोल में नया एक्सपेरिमेंट जरूरी है। इसी वजह से उनकी फिल्मों में हर किरदार में अलग जीवन दिखाई देता है। उन्होंने बॉलीवुड के अलावा अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में भी काम किया। 'बेंड इट लाइक बेकहम', 'लास्ट, 'काउंटिंग', और 'सिल्वर लाइनिंग्स प्लेबुक' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय लोगों को आज भी याद है। ब्रिटिश टीवी फिल्म 'द बॉय विद द टॉप कनॉट' में उनके काम के लिए उन्हें बाफ्टा में नामांकन भी मिला।अनुपम खेर ने सिर्फ अभिनय ही नहीं किया, बल्कि निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमाया। 'ओम जय जगदीश' और 'मैंने गांधी को नहीं मारा' जैसी फिल्मों को उन्होंने निर्देशित और प्रोड्यूस किया। वे एक्टिंग स्कूल 'एक्टर प्रिपेयर्स' के संस्थापक भी हैं। टीवी पर उन्होंने 'न्यू एम्स्टर्डम' और 'मिसेज विल्सन' जैसे शोज में भी काम किया।

उनकी कला और समाजसेवा को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें 2004 में पद्मश्री और 2016 में पद्मभूषण से सम्मानित किया। 2021 में उन्हें हिंदू यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका से ऑनररी डॉक्टरेट की डिग्री भी मिली।

2 अप्रैल तक रहेगा हिंदू कैलेंडर का पहला महीना चैत्र

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

चैत्र महीना 4 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक रहेगा। इस महीने के तीज-त्योहार बेहद खास होते हैं, क्योंकि चैत्र मास के शुक्ल पक्ष से ही हिंदू नववर्ष शुरू हो जाता है। इस महीने ही ब्रह्मा जी ने सृष्टि रची थी और भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार लिया था। चैत्र महीने में सूर्य अपनी उच्च राशि में होता है और इसी महीने में पहली ऋतु होती है यानी वसंत का मौसम होता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हिंदू कैलेंडर का पहला महीना चैत्र 4 मार्च से शुरू शुरू होगा। लेकिन 15 दिनों बाद यानी 19 मार्च को हिंदू नववर्ष शुरू होगा। इन 15 दिनों की गिनती नए साल में नहीं होती, क्योंकि इन दिनों चंद्रमा अंधेरे की ओर यानी अमावस्या की तरफ बढ़ता है। इन 15 दिनों में चंद्रमा लगातार घटता है और अंधेरा बढ़ता है, लेकिन सनातन धर्म तमसो मां ज्योतिर्गमय यानी अंधेरे से उजाले की तरफ जाने की बात करता है, इसलिए चैत्र महीने की अमावस्या के अगले दिन पहली तिथि को जब चंद्रमा बढ़ने लगता है तभी नववर्ष मनाते हैं।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस महीने में सूर्य अपनी उच्च राशि, मेष में प्रवेश करता है। इन दिनों वसंत ऋतु रहती है और मौसम भी बदलता है। जिससे सेहत संबंधी बदलाव भी होते हैं। इस महीने को भक्ति और संयम का महीना भी कहा जाता है। क्योंकि इन दिनों में कई व्रत और पर्व आते हैं।

सेहत को ध्यान में रखते हुए इस महीने में आने वाले व्रत-पर्व की परंपराएं बनाई गई हैं। इस महीने में सूर्योदय से पहले उठकर ठंडे पानी से नहाना चाहिए। इसके बाद उगते हुए सूरज को अर्घ्य देकर दिनभर में एक बार ही खाना खाना चाहिए। ऐसा करने से बीमारियों से बचे रहते हैं और उम्र भी बढ़ती है। ये बातें पुराणों के साथ ही आयुर्वेद ग्रंथों में कही गई है। पौराणिक मान्यता अनुसार ब्रह्माजी ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही सृष्टि की रचना शुरू की थी। इसी दिन भगवान विष्णु ने दशावतार में से पहला मत्स्य अवतार लेकर प्रलयकाल में जल में से मनु की नौका को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया था। प्रलयकाल खत्म होने पर मनु से ही नई सृष्टि की शुरुआत हुई।

चैत्र माह 2026

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह की कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 3 मार्च 2026 को शाम 05:07 बजे से शुरू होगी। यह तिथि 4 मार्च 2026 को शाम 04:48 बजे समाप्त होगी। उदयातिथि के नियम के अनुसार चैत्र माह की शुरुआत 4 मार्च 2026 से मानी जाएगी। इसी दिन से हिंदू नववर्ष का आरंभ भी माना जाएगा।

ब्रह्म और नारद पुराण: ब्रह्मा जी ने की सृष्टि की रचना

सनातन काल गणना में चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की पहली तिथि से ही नववर्ष शुरू होता है, क्योंकि ब्रह्म और नारद पुराण के मुताबिक इसी दिन ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी। सृष्टि की रचना के करीब दो अरब साल बाद सम्राट विक्रमादित्य ने नया संवत् चलाया। ये उसी दिन से शुरू होता है जिस दिन सृष्टि बनी थी। ब्रह्माण्ड पुराण में इस तिथि को नए संवत्सर की पूजा करने का विधान बताया गया है। तिथि और पर्व तय करने वाले ग्रंथ निर्णय सिन्धु, हेमाद्रि और धर्म सिन्धु में इस तिथि को पुण्यदायी कहा गया है। इस तिथि को युगादि कहा जाता है। यानी इस दिन से सतयुग की शुरुआत हुई थी। इस विक्रम संवत में दो तरह से महीनों की गिनती होती है। महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत में अमावस्या खत्म होने के बाद नए महीने की शुरुआत होती है। वहीं, उत्तर भारत सहित ज्यादातर जगहों पर पूर्णिमा के अगले दिन से नया महीना शुरू होता है। इसी कारण होली के अगले दिन नया महीना तो लग जाता है लेकिन हिंदू नववर्ष महीने के 15 दिन बीतने के बाद शुरू होता है।

चैत्र महीने में हुआ भगवान विष्णु का पहला अवतार

पौराणिक मान्यता अनुसार ब्रह्माजी ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही सृष्टि की रचना शुरू की थी। इसी दिन भगवान विष्णु ने दशावतार में से पहला मत्स्य अवतार लेकर प्रलयकाल में जल में से मनु की नौका को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया था। प्रलयकाल खत्म होने पर मनु से ही नई सृष्टि की शुरुआत हुई।

चैत्र महीने में क्या करें और क्या नहीं करें

महाभारत के मुताबिक इस महीने एक समय खाना-खाना चाहिए। नियमित रुप से भगवान विष्णु और सूर्य की पूजा करनी चाहिए और व्रत भी करने चाहिए। इस महीने सूर्योदय से पहले उठकर ध्यान और योग का विधान है। ऐसा करने से तनाव मुक्त और स्वस्थ्य रहते हैं। इस महीने में सूर्य और देवी की उपासना करना चाहिए। जिससे पद-प्रतिष्ठा के साथ ही शक्ति और ऊर्जा भी मिलती है। चैत्र महीने के दौरान नियम से पेड़-पौधों में जल डालना चाहिए और लाल फलों का दान करना चाहिए। चैत्र महीने में एक वक्त खाना खाने से बीमारियों से बचे रहते हैं। इस महीने में गुड़ खाने की मनाही है। वहीं, नीम के पत्ते खाने की बात आयुर्वेद कहता है। सोने से पहले हाथ-मुंह धोने चाहिए और पतले कपड़े पहनने चाहिए। हल्के कपड़े पहनने चाहिए। संतुलित श्रंगार करना चाहिए। इस महीने भोजन में अनाज का उपयोग कम से कम और फलों का इस्तेमाल ज्यादा करना चाहिए। इस महीने से बासी भोजन, खाना बंद कर देना चाहिए। आयुर्वेद के मुताबिक इस महीने में ठंडे जल से स्नान करना चाहिए। गर्म पानी से नहीं नहाना चाहिए।

न करें दूध का सेवन

चैत्र मास में पेट का पाचन थोड़ा सा कमजोर हो जाता है इसलिए इस महीने में दूध का सेवन करना बंद कर दें। इस महीने में दूध का सेवन करना नुकसानदेह हो सकता है। दूध की बजाए इस महीने में दही और मिसरी का सेवन करने से लाभ होगा।

कर दें नमक का त्याग

चैत्र मास में नमक का सेवन न करें। इस महीने में कम से कम 15 दिन नमक का सेवन न करें। अगर त्याग न कर सकें तो आप सेंधा नमक भी खाकर काम चला सकते हैं। इस महीने में जिन लोगों को हाई बीपी रहता है उनके लिए नमक छोड़ देना सबसे ज्यादा लाभ देने वाला होता है।

न करें अधिक तला भुना भोजन

चैत्र मास में तली भुनी चीजों का प्रयोग कम से कम करें। इस महीने में आपको अपच की समस्या रहती है। इस महीने में आपको अधिक से अधिक फलों का सेवन करना चाहिए। तरल चीजों का प्रयोग करें और पानी वाले फल अधिक खाएं।

चैत्र मास व्रत-त्योहार सूची

11 मार्च - शीतला अष्टमी
15 मार्च - पापमोचिनी एकादशी व्रत
16 मार्च - प्रदोष व्रत
17 मार्च - मासिक शिवरात्रि
18 मार्च - चैत्र अमावस्या
19 मार्च - चैत्र नवरात्रि प्रारंभ, गुड़ी पाड़वा, उगादी, हिंदू नववर्ष आरंभ
21 मार्च - गणगौर पूजा
24 मार्च - चैती छठ, यमुना छठ
26 मार्च - राम नवमी
27 मार्च - चैत्र नवरात्रि व्रत पारण
27 मार्च - नवरात्रि पारण
29 मार्च - कामदा एकादशी
31 मार्च - महावीर जयंती
2 अप्रैल - हनुमान जयंती, चैत्र पूर्णिमा

शीतला अष्टमी व्रत आज, जानें पूजा विधि, भोग और शुभ मुहूर्त

चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को शीतला अष्टमी का व्रत किया जाता है। शीतला अष्टमी को कई जगहों पर बसौड़े के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन माता शीतला की पूरे विधि विधान के साथ पूजा की जाती है। माता को बासी खाने को भोग लगाया जाता है। इस व्रत की तैयारी सप्तमी तिथि से ही शुरु हो जाती है। माता को जो भी भोग लगाना होता है वह सप्तमी तिथि को ही तैयार कर लिया जाता है। इस बार शीतला अष्टमी का व्रत 11 मार्च को किया जाएगा।

चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 11 मार्च को है। अष्टमी तिथि का आरंभ 10 मार्च को रात 1 बजकर 55 मिनट से शुरू होगा और अष्टमी तिथि समाप्त 12 मार्च को सुबह 4 बजकर 20 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, शीतला अष्टमी का व्रत 11 मार्च को ही किया जाएगा।

शीतला माता को लगाएं इन चीजों का भोग

शीतला अष्टमी पर माता शीतला को मीठे चावलों का भोग लगाया जाता है। इन चावलों को गुड़ या गन्ने के पस में ही बनाया जाता है। सप्तमी तिथि की रात को इस प्रसाद को तैयार किया जाता है। बता दें कि शीतला अष्टमी के दिन घर में चुल्हा नहीं जलाया जाता है एक दिन पहले की सारा खाना बनाकर रखा जाता है।

माता शीतला के मंत्र

शीतला अष्टमी के दिन माता शीतला के इन मंत्रों का जप करने से माता शीतला का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही घर परिवार में सुख समृद्धि मिलती है और माता शीतला परिवार के सभी सदस्यों को निरोगी रखती है।

शीतले त्वं जगन्माता शीतले त्वं जगत्पिता। शीतले त्वं जगद्धात्री शीतलायै नमो नमः।।

ओम ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः।।

शीतला अष्टमी पूजा विधि

शीतला अष्टमी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करें। इसके बाद अपने घर के मंदिर में बैठतक सबसे पहले ओम ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः मंत्र का जप कम से कम 108 बार करें।

इसके बाद सबसे पहले माता को कच्चे दूध और पानी को मिलाकर स्नान कराएं।

अब माता शीतला को पुड़े, दही, रोटी, मीठे चावल आदि का भोग लगाएं।

इसके बाद माता को सभी सामान बिना दीपक जलाएं अर्पित कर दें और हाथ जोड़कर बोले हे माता शीली ठंड़ी रहना।

ऐसे मित्र होते हैं विष के समान

आचार्य चाणक्य ने बताया इनसे दूर रहने में ही भलाई

आचार्य चाणक्य ने अपनी नीति में आम जन से जुड़ी छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी समस्याओं का सटीक समाधान बताया है। आज के समय में भी उनकी ये नीतियां सुख-समृद्धि और सफल जीवन के लिए प्रासंगिक हैं। अपनी नीति में आचार्य चाणक्य ने सच्चे मित्रों की पहचान करने का तरीका भी बताया है। उन्होंने कुछ मित्रों को घड़े में भरे हुए विष के समान बताया है, जिनसे बिना किसी देरी किए हुए दूरी बना लेनी चाहिए।

ऐसे मित्र होते हैं विष के समान

चाणक्य नीति के दूसरे अध्याय के पांचवें श्लोक में कहा गया है 'परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्। वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।' अर्थात जो मित्र आपकी पीठ के पीछे कार्यों को बिगाड़े और आपके सामने होने पर मीठी-मीठी बातें करें। ऐसे मित्र को उस घड़े के समान त्याग देना चाहिए जिसके मुंह पर तो दूध भरा हुआ है परंतु अंदर विष हो।

इन लोगों से बनाकर रखें दूरी?

जो मित्र आपके सामने होने पर चिकनी-चुपड़ी बातें बनाता हो और पीठ पीछे बुराई करके आपके बने बनाए कार्य को बिगाड़ देता हो ऐसे मित्र को त्याग देने में ही भलाई है। चाणक्य कहते हैं कि वह उस बर्तन के समान है, जिसके ऊपर के हिस्से में दूध भरा है परंतु अंदर विष भरा हुआ हो। ऊपर से मीठे और अंदर से दृष्ट व्यक्ति को मित्र नहीं कहा जा सकता। ऐसा मित्र आपके व्यक्तिगत और सामाजिक वातावरण को भी आपके प्रतिकूल बना देता है।

भरोसे के लायक नहीं होते ये लोग

वहीं, दूसरे अध्याय के छठे श्लोक में आचार्य चाणक्य कहते हैं,'न विश्वसेत् कुमित्रे च मित्रे चाऽपि न विश्वसेत्। कदाचित् कुपितं मित्रं सर्व गुह्यं प्रकाशयेत् ।।' अर्थात जो मित्र खोटा है उस पर बिलकुल भी विश्वास नहीं करना चाहिए और जो मित्र है उस पर भी आंख बंद कर विश्वास नहीं करना चाहिए। क्योंकि ऐसा हो सकता है कि वह मित्र कभी नाराज होकर आपकी सारी गुप्त बातें दूसरों के आगे प्रकट कर दे।

अच्छे मित्र पर भी न करें पूरी तरह विश्वास

जो व्यक्ति अच्छा मित्र नहीं है उस पर तो विश्वास करने का प्रश्न ही नहीं उठता। लेकिन उनका यह भी कहना है कि अच्छे मित्र पर भी पूरी तरह विश्वास नहीं करना चाहिए, क्योंकि किसी कारणवश अगर वह आपसे नाराज हो गया तो सारे भेद खोल देगा।

मित्र ही सबसे ज्यादा नुकसान देने वाला

चाणक्य के अनुसार, आज बड़े-बड़े नगरों में जो अपराध बढ़ रहे हैं उनके पीछे परिचित व्यक्ति ही अधिक पाए जाते हैं। जो बहुत अच्छा मित्र बन जाता है, वह घर के सदस्य जैसा हो जाता है। व्यक्ति भावुक होकर उसे अपने सारे भेद बता देता है, फिर जब कभी मन-मुटाव उत्पन्न होते हैं तो वह कथित मित्र ही सबसे ज्यादा नुकसान देने वाला सिद्ध होता है। ऐसा मित्र जानता है आपके मर्म स्थल कौन से हैं। घर में काम करने वाले कर्मचारी के बारे में भी इस प्रकार की सावधानी रखना आवश्यक है।

हथेली में चंद्र पर्वत बताता है मनुष्य का व्यक्तित्व और भविष्य

हस्तरेखा विज्ञान में चंद्र पर्वत को विशेष स्थान दिया गया है। शास्त्र के अनुसार, चंद्रमा मनुष्य का सबसे अधिक निकटतम ग्रह होता है। यही कारण है की इस ग्रह का प्रभाव भी व्यक्ति के जीवन पर अधिक पड़ता है। चंद्रमा को सुंदरता और कल्पना का ग्रह भी कहा गया है। हथेली में मौजूद चंद्र पर्वत मनुष्य के स्वभाव और जीवन के बारे में बहुत कुछ बताता है। हस्तरेखा विज्ञान में हथेली की रेख-ाओं, पर्वत आदि के बारे में कई खास बातें बताई गई हैं। जिन्हें समझकर हम अपने बारे में काफी कुछ समझ सकते हैं। आज हम विस्तार से जानेंगे की चंद्र पर्वत हथेली में कहां होता है और यह हमारे स्वभाव, जीवन व भविष्य के बारे में क्या-क्या बताता है।

हथेली में चंद्र पर्वत कहां होता है?

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, हथेली में आयु रेखा से बाईं तरफ और मणिबंध से ऊपर, नेपच्यून क्षेत्र से नीचे जो भाग्य रेखा से मिला हुआ होता है उसे ही चंद्र पर्वत कहा जाता है। सरल भाषा में समझें तो यह कनिष्ठा यानी सबसे छोटी उंगली के नीचे कलाई के ठीक ऊपर हथेली के बाहरी किनारे पर मौजूद होता है।

हथेली में चंद्र पर्वत का उभार न होना

अगर किसी व्यक्ति की हथेली में चंद्र पर्वत का अभाव हो यानी उसका उभार बिल्कुल भी न होना भी कई संकेत देता है। ये लोग जल्दी भावुक भी हो जाते हैं और कभी-कभी उनके स्वभाव में भी कठोरता भी देखने को मिलती है। ये अपने जीवन में सुख-सुविधाओं, धन, संपत्ति आदि पसंद करते हैं। अपनी तरक्की को ही ये ज्यादा महत्व देते हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, हथेली में चंद्र पर्वत का अभाव होना यह बताता है की ये कोई भी फैसला इमोशनल होने की बजाए सोच-समझकर लेते हैं।

चंद्र पर्वत मध्यम स्तर का विकसित होना

हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक, अगर हथेली में चंद्र पर्वत मध्य स्तर का विकसित हो तो ऐसे लोग बड़े सपने देखने वाले होते हैं। ये अपने मन में कई बड़े काम करने का विचार करते रहते हैं। और उन्हें पूरा करने का भी प्रयास करते हैं, जिसके लिए योजनाएं भी बनाते हैं। अपने विचारों को हकीकत में बदलने के लिए ये कई योजनाएं बनाते हैं। ये लोग भावुक भी अधिक होते हैं। कोई छोटी सी बात भी इन्हें जल्दी ही दिल पर लग जाती है। इसी के चलते कई बार ये निराशा महसूस करते हैं।

हथेली में पूर्ण विकसित चंद्र पर्वत

जिन लोगों की हथेली में चंद्र पर्वत पूरी तरह विकसित होता है। वे लोग प्रकृति से बेहद प्रेम करने वाले होते हैं। इनके जीवन में कल्पनाओं का अभाव नहीं होता है क्योंकि ये बहुत कल्पनावादी होते हैं। ये जातक आसपास के लोगों के मन के छल को नहीं पहचान पाते हैं। ऐसे में कई बार इनका मन दुखी हो जाता है। ऐसे व्यक्ति संसार के छल-कपट से बहुत दूर रहने वाले होते हैं। कई बार छोटी सी परेशानी आने पर भी ये काफी परेशान हो जाते हैं। ये लोग करियर में बहुत अच्छे कलाकार, संगीतज्ञ और साहित्यकार बन सकते हैं। ये किसी के दबाव में आकर कोई काम नहीं कर पाते हैं।

21 को गणगौर व्रत, जानें पूजा विधि और महत्व

गणगौर व्रत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रखा जाता है। गणगौर दो शब्दों से मिलकर बना है, गण यानी भगवान शिव और गौर यानी माता पार्वती। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। साथ ही, भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करती हैं। इस तिथि को गौरी तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है की गणगौर व्रत के दिन मां पार्वती और शिवजी की श्रद्धापूर्वक आराधना करने से दांपत्य जीवन मधुर बना रहता है और जीवन में सुख-शांति आती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें की गणगौर व्रत की तारीख, पूजा विधि और महत्व।

पंचांग के अनुसार, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि का आरंभ 20 मार्च,शुक्रवार के दिन मध्य रात्रि में 2 बजकर 31 मिनट से होगा। वहीं, इसका समापन 21 मार्च, शनिवार को रात में 11 बजकर 57 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, 21 मार्च के दिन ही गणगौर का व्रत करना शास्त्र सम्मत रहेगा।

गणगौर व्रत 2026 पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण कर लें।

गणगौर व्रत की पूजा करने के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति मिट्टी से बनाई जाती है।

पूजा घर में चारों ओर गंगाजल का छिड़काव करें और सबसे पहले माता पार्वती को रोली, कुमकुम से तिलक लगाएं।

भगवान शिव का चंदन से तिल करें और घी का दीपक अवश्य जलाएं।

माता पार्वती को वस्त्र व श्रृंगार का सामान अर्पित करें। इसके बाद, फल, मिठाई आदि का भोग लगाएं। साथ ही, दूर्वा भी अर्पित करें।

भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करने के साथ-साथ व्रत कथा का पाठ भी अवश्य करना चाहिए।

गणगौर व्रत का महत्व

मान्यता है की इस व्रत के दौरान केवल एक समय भोजन करने का विधान होता है। सुहागिन महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु के लिए यह व्रत विधि-विधान से करती हैं। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं और भगवान शिव व माता पार्वती से खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं। ऐसी मान्यता है की चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को व्रत व शिवजी-पार्वती माता की पूजा करने से दांपत्य जीवन मधुर बना रहता है। इसे गौरी तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। यह व्रत मुख्य तौर पर राजस्थान, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सीमा से लगने वाले शहरों में मनाया जाता है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

इंडिया ही विश्व चैंपियन

दरअसल क्रिकेट की टीम इंडिया ही विश्व चैंपियन है। चाहे टी-20 क्रिकेट हो या महिलाओं की एकदिनी क्रिकेट हो अथवा अंडर-19 की दोनों लैंगिक क्रिकेट हो या दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व खिताब हो और अंततः चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब हो, टीम इंडिया ही क्रिकेट की स्वाभाविक विश्व चैम्पियन है। ये तमाम वैश्विक खिताब टीम इंडिया की झोली में हैं। बेशक यह टीम करिश्माई और कमाल की है। टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप लगातार दूसरी बार जीता है। वह इकलौती टीम है। अपनी घरेलू जमीन पर, मेजबानी करते हुए, वह एकमात्र विश्व विजेता है। टी-20 के कुल तीन विश्व खिताब (2007, 2024, 2026) जीतने वाली टीम इंडिया ही इकलौती टीम है। विश्व चैम्पियन रही टीमों को धराशायी इसी टीम ने किया। विश्व कप फाइनल का अभी तक का सर्वोच्च स्कोर, 255/5 रन, भी टीम इंडिया के हिस्से दर्ज हो गया। 'प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट' संजू सैमसन रहे, जिन्होंने 321 रन बनाए। लगातार तीन अद्र्धशतक ठोंके। 'प्लेयर ऑफ दि मैच' बुमराह रहे, जिन्होंने टूर्नामेंट में कुल 14 विकेट उखाड़े। बुमराह ने फाइनल में सिर्फ 15 रन देकर न्यूजीलैंड के स्थापित 4 बल्लेबाजों को आउट किया और विरोधी टीम को घुटनों पर ला दिया। बुमराह वरुण चक्रवर्ती के साथ 'सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' रहे। यकीनन बुमराह ही बुमराह है, जो टीम इंडिया को ईश्वर का 'अप्रतिम तोहफा' हैं। उन्हें खेलने का मतलब है कि आप धुरंधर बल्लेबाज हैं। बहरहाल टी-20 का लगातार दूसरी बार विश्व चैम्पियन बनकर टीम इंडिया ने कई 'मील-पत्थर' पार किए हैं और स्थापित भी किए हैं। टी-20 विश्व कप में टीम इंडिया के बल्लेबाज इस तरह खेले मानो कोई वीडियो गेम खेल रहे हों! बल्लेबाजों ने टूर्नामेंट में कुल 106 छक्के उड़ाए, ऐसा करने वाली टीम इंडिया ही है। यकीनन अद्वितीय खेल, अतुलनीय हुनर, शानदार छक्के...! वाकई यह मुख्य कोच गौतम गंभीर समेत सभी कोचों की रणनीति और 'शांत' कप्तान सूर्यकुमार यादव के सटीक और सार्थक फैसलों की अद्भुत, अविस्मरणीय, अतुलनीय और बेशकीमती जीत है। देश जश्न में है, नाच रहा है, मिठाइयां खाई जा रही हैं और टीम के हुनर, जज्बे पर गर्व महसूस कर रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी समेत असंख्य हस्तियों ने बधाइयां दी हैं। यह विश्व चैम्पियन बनना इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह नई पीढ़ी की युवा टीम इंडिया है। इसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, रवींद्र जडेजा, श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल सरीखे विख्यात खिलाड़ी नहीं थे। संजू सैमसन, इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह आदि खिलाड़ी कई मैचों तक पेवेलियन की कुर्सियों पर बैठे रहे। उनका चयन अंतिम एकादश में नहीं किया जाता था। वे 'वैकल्पिक खिलाड़ी' थे। संजू को 4 मैच बैठे रहना पड़ा। अंततः विश्व कप में उन्हें मौका मिला, तो उन्होंने गेंद के धुएं उड़ा दिए। चौकों-छक्कों की बौछार से सजी पारियां खेलीं। अभिषेक टूर्नामेंट में लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन फाइनल में 18 गेंद पर अद्र्धशतक जड़ दिया। बेशक ये नौजवान खिलाड़ी टीम इंडिया के 'नगीने' हैं, लिहाजा इन्हें सजा कर रखना चाहिए। संजू ने 8 छक्कों की 89 रन की पारी फाइनल में खेली, जो विश्व कप क्रिकेट का सर्वोच्च, सर्वश्रेष्ठ निजी स्कोर है। उन्होंने महान विराट कोहली के 77 और 76 रनों के विश्व कप फाइनल के कीर्तिमानों को भी बेहतर किया। यहां सवाल कोच, चयनकर्ताओं और प्रबंधकों की निष्पक्षता, ईमानदारी, पूर्वाग्रही मानसिकता पर है। इस विश्व विजयी उपलब्धि के साथ ही यह सब कुछ बदलना, खत्म होना चाहिए, क्योंकि टीम इंडिया हमारी राष्ट्रीय पहचान भी है। आज टी-20 क्रिकेट में हम दुनिया की 'नंबर वन' टीम हैं। यह सर्वोच्चता बरकरार रहनी चाहिए। टीम इंडिया के ये विश्व चैम्पियन खिलाड़ी भी गली-मुहल्ले की क्रिकेट खेल कर इस स्तर तक पहुंचे हैं। आज क्रिकेट से 'अजेय' रहने की राष्ट्रीय अपेक्षाएं ऐसी हैं, जैसी ब्राजील वाले अपनी फुटबॉल टीम से करते थे कि उसे खेल में 'नंबर दो' भी नहीं होना है। बहरहाल यह ज्यादती और अतिशयोक्ति है, क्योंकि खेल में जीत और हार अपरिहार्य हैं। आज भारत ऐसा देश है, जिसमें क्रिकेट के विश्व चैम्पियनों की पूरी फौज है। उन्हें सलाम और शाबाश! टीम इंडिया को बधाइयों का तांता लग गया है। देशभर में इस जीत पर जश्न मनाए जा रहे हैं।

टी-20 क्रिकेट हो या महिलाओं की एकदिनी क्रिकेट हो अथवा अंडर-19 की दोनों लैंगिक क्रिकेट हो या दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व खिताब हो और अंतत: चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब हो, टीम इंडिया ही क्रिकेट की स्वाभाविक विश्व चैम्पियन है। ये तमाम वैश्विक खिताब टीम इंडिया की झोली में हैं। बेशक यह टीम करिश्माई और कमाल की है। टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप लगातार दूसरी बार जीता है। वह इकलौती टीम है। अपनी घरेलू जमीन पर, मेजबानी करते हुए, वह एकमात्र विश्व विजेता है। टी-20 के कुल तीन विश्व खिताब (2007, 2024, 2026) जीतने वाली टीम इंडिया ही इकलौती टीम है। विश्व चैम्पियन रही टीमों को धराशायी इसी टीम ने किया। विश्व कप फाइनल का अभी तक का सर्वोच्च स्कोर, 255/5 रन, भी टीम इंडिया के हिस्से दर्ज हो गया। 'प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट' संजू सैमसन रहे, जिन्होंने 321 रन बनाए। लगातार तीन अद्र्धशतक ठोंके। 'प्लेयर ऑफ दि मैच' बुमराह रहे, जिन्होंने टूर्नामेंट में कुल 14 विकेट उखाड़े। बुमराह ने फाइनल में सिर्फ 15 रन देकर न्यूजीलैंड के स्थापित 4 बल्लेबाजों को आउट किया और विरोधी टीम को घुटनों पर ला दिया।

कुछ अलग

मन शांत रहता है, रिश्ते मजबूत बनते हैं

जीवन में सुख, शांति और सफलता पाने के लिए परिवार में प्रेम आवश्यक है। ये बात पुराने समय की एक लोक कथा से हम सीख सकते हैं। कथा के अनुसार, तीन संत- धन, सफलता और प्रेम, एक साथ यात्रा करते थे और भिक्षा मांगकर जीवन यापन करते थे। एक दिन वे एक गांव में पहुंचे और वहां एक छोटी कुटिया बनाकर रहने लगे। संतों ने भिक्षा मांगते हुए गांव की एक महिला से भोजन मांगा। महिला ने बताया कि उसके पति खेत पर हैं। संतों ने कहा कि जब आपके पति लौटेंगे, तब ही हम भोजन के लिए आएंगे। शाम को पति और उनकी बच्ची घर लौट आए। महिला ने पति और बच्ची को संतों की बातें बताईं। पति ने भी संतों को भोजन देने के लिए हां कर दी। महिला संतों के पास पहुंची, तो संतों ने कहा कि वे कभी एक साथ किसी घर नहीं जाते। तीनों में से किसी एक को चुनना होगा- धन, सफलता या प्रेम। महिला घर लौटकर पति से पूछती है कि किसे बुलाना चाहिए। पति कहता है कि धन को बुलाओ ताकि हम धनवान बनें। महिला चाहती थी कि सफलता को बुलाया जाए। तभी उनकी बच्ची कहती है कि हमें प्रेम को बुलाना चाहिए, क्योंकि प्रेम से बढ़कर कुछ भी नहीं। माता-पिता ने बेटी की बात मान ली। महिला ने प्रेम नामक संत को घर बुलाया। आश्चर्य की बात यह हुई कि धन और सफलता भी उसके पीछे-पीछे आने लगे। महिला ने पूछा कि आपने कहा था कि केवल एक ही आएगा, अब तीनों क्यों आए? संतों ने उत्तर दिया कि यदि आप धन या सफलता को बुलातीं तो केवल वही आता, लेकिन प्रेम को बुलाने पर धन और सफलता अपने आप आपके घर आ जाते हैं।

धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही है स्वस्थ भविष्य की बुनियाद

नो स्मोकिंग डेः निकोटीन का जहर और समाज का मौन संकट

योगेश कुमार गोयल

भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।'

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है। धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है।

बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरुआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

देश दुनिया से

ब्रह्मपुत्र पर चीन का मेगा बांध विकास की परियोजना है या भारत पर रणनीतिक दबाव?

हिमालय से निकलने वाली नदियाँ केवल जलधाराएँ नहीं होतीं, वह राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के समीकरणों को भी प्रभावित करती हैं। इन्हीं नदियों में से एक है ब्रह्मपुत्र, जो तिब्बत से निकलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और फिर बांग्लादेश तक जीवनदायिनी धारा के रूप में बहती है। हाल के वर्षों में तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र पर चीन द्वारा बनाई जा रही विशाल जलविद्युत परियोजना ने दक्षिण एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन की जरूरत से प्रेरित है या इसके पीछे भारत पर रणनीतिक दबाव बनाने की योजना भी छिपी हुई है? उल्लेखनीय है कि चीन जिस परियोजना पर काम कर रहा है, उसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। इसकी अनुमानित उत्पादन क्षमता लगभग 60,000 मेगावाट बताई जाती है, जो वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत संयंत्र 'थ्री गॉर्जेस डैम' से भी कई गुना अधिक है। इस परियोजना पर करीब 1.2 ट्रिलियन युआन, यानी लगभग 140 से 170 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। योजना के अनुसार इसमें पाँच बड़े कैस्केड बांध बनाए जाएंगे और इससे हर साल लगभग 300 अरब यूनिट बिजली पैदा की जा सकेगी। यह बिजली उत्पादन कई देशों की कुल वार्षिक खपत के बराबर माना जाता है। यह परियोजना तिब्बत में उस स्थान के पास बनाई जा रही है जहाँ ब्रह्मपुत्र नदी नामचा बरवा पर्वत के आसपास एक विशाल मोड़ बनाकर भारत के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। भूगोल की दृष्टि से यह स्थान बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ नदी का प्रवाह बहुत तीव्र हो जाता है और गहरी घाटियाँ बनती हैं। इसी कारण इसे जलविद्युत उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। लेकिन यही भौगोलिक स्थिति भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता का कारण भी बन गई है। दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है। यह दुनिया की सबसे अधिक जलप्रवाह वाली नदियों में से एक है और मानसून के समय इसका औसत जल प्रवाह लगभग 19,800 घन मीटर प्रति सेकंड तक

पहुँच जाता है। असम और अरुणाचल प्रदेश की कृषि, मत्स्य पालन, जल परिवहन और पारिस्थितिकी इस नदी पर काफी हद तक निर्भर हैं। हालाँकि एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि ब्रह्मपुत्र का अधिकांश जल भारत में ही बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार नदी के कुल प्रवाह का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में उत्पन्न होता है, जो मुख्यतः मानसूनी वर्षा और सहायक नदियों से आता है। चीन के हिस्से से आने वाला जल लगभग 22 से 35 प्रतिशत के बीच माना जाता है। इसका अर्थ यह है कि चीन भले ही नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित हो, लेकिन पूरे नदी तंत्र के जल पर उसका पूर्ण नियंत्रण संभव नहीं है। इसके बावजूद भारत की चिंताएँ पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकतीं। यदि चीन नदी के ऊपरी हिस्से में बड़े पैमाने पर जल संरचनाएँ बनाता है, तो उसे पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने की एक हद तक क्षमता मिल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह नियंत्रण कई प्रकार की परिस्थितियाँ पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि गैर-मानसून के समय पानी रोक लिया जाए तो नीचे के क्षेत्रों में जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। वहीं यदि अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाए तो असम और बांग्लादेश में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण पहलू डेटा नियंत्रण का है। अंतरराष्ट्रीय नदियों के मामले में जल प्रवाह और मौसम से जुड़ा हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। अतीत में भारत और चीन के बीच ऐसे समझौते हुए हैं जिनके तहत चीन मानसून के समय ब्रह्मपुत्र के जल स्तर की जानकारी भारत को देता है। लेकिन जब दोनों देशों के बीच सीमा तनाव बढ़ा, तब कुछ समय के लिए यह डेटा साझा करना भी बाधित हुआ। इससे यह आशंका मजबूत हुई कि जल संसाधन भी भविष्य में कूटनीतिक दबाव का साधन बन सकते हैं। इस परियोजना से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताएँ भी कम नहीं हैं। हिमालय का यह क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। यदि किसी बड़े भूकंप या प्राकृतिक आपदा के कारण बांध को नुकसान होता है तो उसके परिणाम नीचे के देशों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। इतनी बड़ी जलराशि का अचानक बहाव असम और बांग्लादेश में गंभीर तबाही ला सकता है। दूसरी ओर, चीन इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहता है कि यह परियोजना "रन-ऑफ-द-रिवर" तकनीक पर आधारित है, जिससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उसका तर्क है कि यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद करेगी। दूसरी ओर भारत भी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं है। ब्रह्मपुत्र बेसिन में भारत लगभग 76 गीगावाट जलविद्युत क्षमता विकसित करने की योजना बना रहा है, जिसमें से करीब 52 गीगावाट क्षमता केवल अरुणाचल प्रदेश में संभावित मानी जाती है।

आप का नज़रिया

बिरादरी से बाहर सरकारी होटल

कहीं तो शाम ढल गई, किसी सुबह के इंतजार में। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के आठ और होटल अपनी अस्थियां चुन रहे हैं। आखिर निजी हाथों में ही वो करामात है कि ढ़हते पेड़ भी, वसंत बुला लेते हैं। बस रूटों के बाद पर्यटन के रूट पर सरकार को अपने आठ होटल भी निजी क्षेत्र को सौंपने पड़ रहे हैं। बिलासपुर, कसौली, शिमला, परवाणू और चांशल वैली के होटल अगर निजी क्षेत्र को सौंपे जा रहे हैं, तो सैलानियों के महाकुंभ में यह योजनाओं की बर्बादी है। ऐसा नहीं है कि पर्यटन निगम ने अपनी इकाइयों में बढ़ोतरी रोक दी है या असफलता से कुछ सीख लिया है। इससे पहले भी नूरपुर में दो बार पर्यटन के नाम पर सीमेंट-सरिया जाया हुआ, तो कई महत्त्वपूर्ण स्थानों में पूरी कैफे श्रृंखला उजड़ गई। सरकारी संपत्तियां जगह-जगह लावारिस हुईं, तो ऐसे अपव्यय से सीख क्यों न ली गई। आश्चर्य यह कि पर्यटन के प्रबंधन में नई दृष्टि विकसित नहीं हुई। इन सालों में टूरिज्म पूरी तरह बदला है, सैलानी का चरित्र, आचरण, अनुभव और जिज्ञासा पूरी तरह बदल गए। आखिर पर्यटक को होटल तक लाने की प्रक्रिया में एचपीटीडीसी क्यों पिछड़ गया। अब पैकेज का अर्थ यह नहीं कि कितने दिन और रातें इसके साथ नत्थी हैं, बल्कि यह होना चाहिए कि वह अपने साथ कितने सुनहरे क्षण, सुकून और आनंद बटोर कर जा रहा है। पिछले दो दशक के फासलों में पर्यटक ने मंजिलें बदलीं, तो वह एक श्रृंखला का हिस्सा बन गया। इस दौरान होम स्टे और एकल सैलानी को टूरिस्ट हॉस्टल की दरकार बढ़ गई। जब हिमाचल होम स्टे को प्रोमोट कर रहा था, उस समय सरकारी होटलों की अलग-अलग कैटेगिरी नहीं बनी। घाटे के सरकारी होटलों को होम स्टे के मुकाबले खड़ा किया होता, तो कमाई के रूप में बदल जाते। दूसरा यह कि अगर ऐसी इकाइयों को मनोरंजन, वेलनेस, प्राकृतिक चिकित्सा या विभिन्न पर्यटन गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करते तो पर्यटकों के पड़ाव बदल जाते। हिमाचल अपनी साइट्स की वजह से कई संपत्तियों का सदुपयोग कर सकता है, लेकिन प्रबंधन और योजनाओं ने ऐसा सोचा ही नहीं। पर्यटन निगम के निर्माण विंग के डिजाइन न वास्तुकला के नमूने बने और न ही प्राकृतिक नजारों से समृद्ध हुए। देखा जाए तो किसी रेस्ट हाउस व सरकारी होटल के बीच सिर्फ विभाग और पर्यटन निगम का अंतर है, वरना एक ही वास्तुशैली में दो धाराएं दौड़ रही हैं। होना तो यह चाहिए था कि पर्यटन विकास निगम को पर्यटन एवं रेस्ट हाउस निर्माण कारपोरेशन बना कर, इसके तहत तमाम डाक बंगलों का भी उत्तम संचालन होता। पर्यटन निगम में प्रोफेशनलिजम बढ़ाते हुए व्यावसायिक ढांचा बदलने की जरूरत है। भले ही आठ सरकारी होटल अपनी बिरादरी से बाहर हो रहे हैं, लेकिन आगे चलकर हाई-वे टूरिज्म से नए परिसरों की जरूरत बढ़ेगी। खास तौर पर फोरलेन विकास के साथ ट्रैवलिंग अनुभव बदलेगा और इस तरह, एक ही परिसर में नया संसार बसाना होगा। परवाणू-शिमला फोरलेन के किनारे निजी निवेश ने पर्यटकों की जरूरत बदली है, तो क्या हिमाचल पर्यटन निगम इस संभावना के फूल नहीं तोड़ सकता था। एक अच्छा प्रयास मनाली-चंडीगढ़ फोरलेन मार्ग पर ओहर परिसर निर्माण से संभावित है, लेकिन ऊना-धर्मशाला, पठानकोट-मंडी व पठानकोट-चंबा मार्गों पर पर्यटन निगम को हाई-वे टूरिज्म के चिन्ह बदलने होंगे। सैलानियों के हिमाचल आने का उद्देश्य और आने वालों की कैटेगिरी बदलने के लिए निगम को अपनी इकाइयों का हुलिया और परिचय बदलना होगा। वैडिंग जोन, कानवेंशन सेंटर, फूड जोन तथा युवा पर्यटक के हिसाब से संपत्तियों का नया ढांचा सामने आना चाहिए।

बस रूटों के बाद पर्यटन के रूट पर सरकार को अपने आठ होटल भी निजी क्षेत्र को सौंपने पड़ रहे हैं। बिलासपुर, कसौली, शिमला, परवाणू और चांशल वैली के होटल अगर निजी क्षेत्र को सौंपे जा रहे हैं, तो सैलानियों के महाकुंभ में यह योजनाओं की बर्बादी है। ऐसा नहीं है कि पर्यटन निगम ने अपनी इकाइयों में बढ़ोतरी रोक दी है या असफलता से कुछ सीख लिया है। इससे पहले भी नूरपुर में दो बार पर्यटन के नाम पर सीमेंट-सरिया जाया हुआ, तो कई महत्त्वपूर्ण स्थानों में पूरी कैफे श्रृंखला उजड़ गई। सरकारी संपत्तियां जगह-जगह लावारिस हुईं, तो ऐसे अपव्यय से सीख क्यों न ली गई। आश्चर्य यह कि पर्यटन के प्रबंधन में नई दृष्टि विकसित नहीं हुई। इन सालों में टूरिज्म पूरी तरह बदला है, सैलानी का चरित्र, आचरण, अनुभव और जिज्ञासा पूरी तरह बदल गए। आखिर पर्यटक को होटल तक लाने की प्रक्रिया में एचपीटीडीसी क्यों पिछड़ गया। अब पैकेज का अर्थ यह नहीं कि कितने दिन और रातें इसके साथ नत्थी हैं, बल्कि यह होना चाहिए कि वह अपने साथ कितने सुनहरे क्षण, सुकून और आनंद बटोर कर जा रहा है। पिछले दो दशक के फासलों में पर्यटक ने मंजिलें बदलीं, तो वह एक श्रृंखला का हिस्सा बन गया। इस दौरान होम स्टे और एकल सैलानी को टूरिस्ट हॉस्टल की दरकार बढ़ गई। जब हिमाचल होम स्टे को प्रोमोट कर रहा था, उस समय सरकारी होटलों की अलग-अलग कैटेगिरी नहीं बनी।

संचार का सबसे अच्छा माध्यम मुस्कान

साइकोलॉजिस्ट कहते हैं, चेहरा दिमाग का दर्पण है और आँखें आत्मा की खिड़कियाँ हैं। इसलिए मुस्कान सबसे प्रभावी संचार का माध्यम है और इसे विकसित करना चाहिए। यह दिखावटी नहीं, बल्कि दिल से निकली सच्ची मुस्कान होनी चाहिए। नकली मुस्कान क्षणिक होती है, जबकि सच्ची मुस्कान व्यक्ति के चरित्र, ईमानदारी और पवित्रता को दर्शाती है। किसी के चेहरे को देखकर अक्सर यह समझा जा सकता है कि वह व्यक्ति या संस्था अपने कार्य और मूल्यों के प्रति कितनी सच्ची है।

कहा जाता है कि जो सबसे अच्छी सेवा करता है, वही सबसे अधिक लाभ प्राप्त करता है। यह व्यवसाय जगत का प्रसिद्ध सिद्धांत है, लेकिन यह जीवन की सफलता का भी एक महत्वपूर्ण आधार है। सबसे अच्छी सेवा का अर्थ केवल अपेक्षित या सामान्य सेवा देना नहीं है, बल्कि उससे आगे बढ़कर दूसरों की मदद करना और बिना तत्काल लाभ की चिंता किए निरंतर सेवा करते रहना है।

सफलता के लिए माइंड पावर (दिमागी शक्ति) और विल पावर (इच्छाशक्ति) भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इच्छाशक्ति वह ताकत है जो व्यक्ति को अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए निरंतर प्रयास करने और हर प्रकार का त्याग करने के लिए तैयार करती हैचाहे वह समय हो, मेहनत हो या धन। इतिहास इस बात का गवाह है कि अधिकांश सफल और धनी लोगों के पास शुरुआत में संसाधन कम थे, लेकिन उनके पास लगातार प्रयास करने की मजबूत इच्छाशक्ति थी।

जिज्ञासा भी ज्ञान का महत्वपूर्ण स्रोत है। एक प्रसिद्ध कथन हैउत्सुकता ने बिल्ली को मार दिया, लेकिन मनुष्यों के संदर्भ में स्वस्थ जिज्ञासा केवल अज्ञानता को समाप्त करती है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था, जब आप सीखना बंद कर देते हैं, तब आप मरना शुरू कर देते हैं। इसलिए सीखने की प्रक्रिया जीवनभर चलती रहनी चाहिए।

जीवन में ऊर्जावान बने रहना भी अत्यंत आवश्यक है। केवल दर्शक बनकर या भीड़ का हिस्सा बनकर जीवन नहीं जिया जा सकता। व्यक्ति को कुछ विशेष बनने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप चाहते हैं कि लोग आपकी ओर ध्यान दें, तो आपको अपने व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह और रचनात्मकता लानी होगी। इतिहास में अधिकांश सफल लोगों की एक समान विशेषता रही हैअसीम ऊर्जा। वे मानो ऊर्जा के मानव डायनेमो होते हैं।

अक्सर लोग पूछते हैं कि लोग बूढ़े क्यों लगते हैं? शारीरिक रूप से उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मानसिक रूप से बूढ़ा होना एक मनः स्थिति है। कई बार युवा भी स्वयं को बूढ़ा समझने लगते हैं क्योंकि वे नई चीज़ों को सीखने या नए विचारों को अपनाने के लिए तैयार नहीं होते। प्रसिद्ध दार्शनिक इमैनुअल कांट ने अपनी कुछ महत्वपूर्ण दार्शनिक रचनाएँ सत्तर वर्ष की आयु के बाद लिखीं।

वास्तव में व्यक्ति तब बूढ़ा होता है जब वह अपने दिमाग को विकसित करना और आगे बढ़ने की इच्छा रखना छोड़ देता है। जो लोग नई तकनीक और नए विचारों को अपनाने से कतराते हैं, वे जल्दी मानसिक रूप से बूढ़े हो जाते हैं।

युवा बने रहने का सबसे अच्छा तरीका हैनई चीज़ों के प्रति जिज्ञासा बनाए रखना, रचनात्मक सोच विकसित करना और समय के साथ बदलते ट्रेंड व तकनीक को अपनाना। जीवन का आनंद लेने के लिए बदलाव को स्वीकार करना जरूरी है।

आखिरकार, यह हमारी सोच और व्यवहार ही तय करते हैं कि हम जीवन को किस तरह जीते हैं। उम्र से ज्यादा महत्व इस बात का है कि हम अपने विचारों को कितना खुला रखते हैं और दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। यदि हम सीखते रहें, बदलाव को अपनाते रहें और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें, तो हम उतने ही युवा बने रह सकते हैं जितना हम रहना चाहते हैं।

-डॉ. अजय कुमार अग्रवाल
नेशनल प्रेसिडेंट, इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ पब्लिक रिलेशंस
गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्राप्तकर्ता
दुबई में ग्लोबल आइकन अवॉर्ड और ब्रिटिश पार्लियामेंट लंदन में भारत गौरव अवॉर्ड प्राप्तकर्ता

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको कामकाम के मोर्चे पर धक्का लग सकता है, क्योंकि आपकी सेहत आपके साथ नहीं है और इसके चलते आपको कोई ज़रूरी काम अधर में ही छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात में धैर्य और होशियारी से काम लें। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा।धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ। यह बात याद रखें कि धन मिल सकता है लेकिन रिश्ते नहीं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है । जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता मज़बूत होगा। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अतः सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। जीवनसाथी के साथ हँसते–खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता–पिता का चैन छीन सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आपको ख़ुश रखने के लिए आपके बच्चे जो कुछ बन पड़ेगा, वह करेंगे। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी ज़रूरी दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। माता के साथ आज आप अच्छा समय बिता सकते हैं, आज वो आपसे आपकी बचपन की बातें शेयर कर सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आप–को बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। कोई आपको दिल से सराहेगा। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से चीज़ें काफ़ी अच्छी रहेंगी। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। परोप–कार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दोस्त आपके काम नहीं आते यह शिकायत आज आपको हो सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 मार्च 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 04:22 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 10:00 तक
योग : वज्र प्रातः 09:10 तक
करण : बालव दोपहर 03:11 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 10:00 तक
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 06:25 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शीतला अष्टमी, बुधाष्टमी सिद्धि योग , कालाष्टमी , बासोड़ा

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जनसुझावों को समाहित करते हुए तैयार होंगे गांव–वार्डों के मास्टर प्लान : भजनलाल

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान – 2047 के लक्ष्य के क्रम में राज्य के प्रत्येक ग्राम और वार्ड का मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। इन मास्टर प्लान्स में भविष्य की आवश्यकताएं और महिला, युवा, गरीब, किसान सहित सभी आयु वर्ग के सुझाव शामिल किए जाएंगे ताकि यह जन आकांक्षाओं का प्रतिबिंब बन सके। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ग्राम पंचायतों एवं शहरी वार्डों के मास्टर प्लान की बजट घो–षणा के क्रम में प्रस्तावित अभियान से संबंधित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंचायत एवं वार्डों के मास्टर प्लान को लघु, मध्यम एवं दीर्घ अवधि की श्रेणियों में विभाजित करते हुए तैयार करें ताकि बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप उनकी जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मास्टर प्लान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुनियोजित विकास करना है जिससे ग्रामीणों का पलायन रूके और शहरों पर भार ना पड़े। उन्होंने साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण से मास्टर प्लान्स में शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी, सड़क, स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं की योजनाएं बनाने के विशेष दिशा–निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि विकास के साथ–साथ विरासत के मूल मंत्र को केन्द्र में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों की परंपराएं, शिल्प कलाएं, धार्मिक–ऐतिहासिक महत्व के अनुरूप योजनाएं बनाई जाए। इन योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करने के साथ–साथ ग्रामीणों के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश को संरक्षित और संवर्धित करना हो।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि प्रस्तावित अभियान में ग्राम सभाओं के माध्यम से मास्टर प्लान्स को अनुमोदित किया जाएगा। इसके पश्चात संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी योजना, नीति और कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जा सकेगी। इन मास्टर प्लान्स में रोजगार के प्रमुख स्रोत, कृषि उत्पादन बढ़ाने के उपाय, स्वरोजगार के अवसर आदि पर विशेष फोकस किया जाए। साथ ही, पात्र व्यक्तियों की पहचान कर उनका सरकारी योजनाओं में समावेशन सुनिश्चित भी किया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नीतिका शर्मा ज्योतिष एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय पत्रिका समस्त भारत नई दिल्ली की ओर से आयोजित समस्त भारत एस्ट्रोलॉजर एक्सीलेंस अवॉर्ड सम्मान समारोह में श्री लक्ष्मी नारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा को ज्योतिष एक्सीलेंस अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय पत्रिका समस्त भारत की ओर से नई दिल्ली के चिन्मयानंद मिशन भवन में एस्ट्रोलॉजर एक्सीलेंस अवार्ड 2026 आयोजित किया गया। जिसमें महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री भारत सरकार सावित्री ठाकुर और राज्यसभा सांसद प्रमोद बोरो ने वैदिक, सनातन, धर्म, संस्कृति और ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्री लक्ष्मी नारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा को ज्योतिष एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया।

एक दिवसीय आयोजित एस्ट्रोलॉजर एक्सीलेंस अवार्ड 2026 में विभिन्न क्षेत्रों के 76 से अधिक विद्वानों को सम्मानित किया गया। इसमें शिवानी गौतम अभिमन्यु पाराशर आदित्य शास्त्री सहित अन्य विद्वानों को भी सम्मानित किया गया। टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा का ज्योतिष ज्ञान बहुत ही अद्भुत है और इनका ज्योतिष आंकलन हमेशा सटीक जाता है। नीतिका शर्मा ने ज्योतिष पर अब तक सैकड़ों लेख लिखे हैं। ज्योतिष के लेख विभिन्न समाचार पत्रों एवं टीवी चैनल में नियमित प्रकाशित होते रहते हैं। प्रतिदिन टैरो राशिफल भी प्रकाशित होते हैं।

गर्मी में बिजली का हो समुचित प्रबंध ऊर्जा मंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने अधिकारियों को आगामी गर्मी सीजन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष गर्मी की तीव्रता अधिक रहने के आसार हैं। ऐसे में विद्युत मांग में संभावित बढ़ोतरी का आंकलन करते हुए अधिकारी बिजली की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। नागर मंगलवार को विद्युत भवन में ऊर्जा विभाग एवं विद्युत निगमों के अधिकारियों के साथ आगामी गर्मियों में विद्युत मांग एवं उपलब्धता की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय विद्युत गृहों के कॉमन पूल से बिजली का आवंटन प्राप्त करने के लिए प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष में भारत सरकार ने गर्मी के सीजन में 750 मेगावाट तक का कोटा आवंटित किया था, जिससे आपूर्ति प्रबंधन में मदद मिली थी। ऊर्जा मंत्री ने लघु अवधि आधार पर एक्सचेंज से बिजली खरीद के लिए भी निविदा प्रक्रिया अभी से सम्पादित करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव, ऊर्जा अजिताभ शर्मा ने निर्देश दिए कि उत्पादन निगम द्वारा थर्मल यूनिटों का बेहतर रख–रखाव सुनिश्चित किया जाए जिससे कि यूनिटों के अनावश्यक ट्रिप होने की सम्भावनाओं को कम किया जा सके। साथ ही अधिकतम उत्पादन हासिल किया जा सके। उन्होंने उत्पादन निगम को बैटरी ऊर्जा भण्डारण प्रणाली के कार्य की प्रगति में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

विधानसभा क्षेत्र राजगढ़–लक्ष्मणगढ़ में सड़क निर्माण के प्रगतिरत कार्य जून माह तक पूर्ण होंगे : दिया कुमारी

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि विधानसभा क्षेत्र राजगढ़ – लक्ष्मणगढ़ में दो वर्षों में 96 करोड़ रुपए की लागत से कुल 115 कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 64 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं व 50 कार्य प्रक्रियाधीन है तथा शेष एक कार्य का निरस्तीकरण प्रक्रियाधीन है। उन्होंने आश्वस्त किया कि 19 जून 2026 तक सड़कों के सभी 50 प्रक्रियाधीन कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री प्रश्नकाल में सदस्य मांगेलाल मीना द्वारा इस संबंध में पूरक प्रश्न का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि बजट 2026–27 में विधानसभा क्षेत्र राजगढ़ – लक्ष्मणगढ़ में 10 करोड़ रुपए के सड़क कार्यों की घोषणा की गई है।

इससे पहले सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए मूल प्रश्नों का जवाब देते हुए उप मुख्यमंत्री ने बताया कि सड़कों के नवीनीकरण के मापदण्ड राज्य सड़क नीति 2013 के अनुसार निर्धारित हैं। उन्होंने इसका विवरण सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र राजगढ़–लक्ष्मणगढ़ में 67 क्षतिग्रस्त एवं नॉन पेचेबल सड़कें थी। जिनमें से 26 सड़कों के कार्यों की स्वीकृति जारी की जा चुकी हैं एवं कार्य प्रगतिरत है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा।उन्होंने बताया कि बजट घोषणा वर्ष 2026–27 में वर्तमान में प्रदेश की सड़कों के नवीनीकरण व सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता को देखते हुए नॉन पेचेबल व क्षतिग्रस्त सड़कों के लिए 1400 करोड़ रुपए की घोषणा की गई है। घोषणानुसार कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता के आधार पर सड़कों का चयन कर नवीनीकरण करवाया जाना प्रस्तावित है।

हरियाणा के कर्मचारियों और पेंशनरों को पंजाब के चार बड़े अस्पतालों में मिलेगा इलाज: आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार के कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके आश्रितों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उनके प्रयासों से अब हरियाणा सरकार के कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके परिवारजनों को पंजाब के चार प्रमुख अस्पतालों में उपचार की सुविधा मिल सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि हरियाणा सरकार ने पंजाब के चार प्रतिष्ठित अस्पतालों को उपचार के लिए सूचीबद्ध (एम्पैनल) किया है। इनमें होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मुल्लांपुर, पंजाब (यह टाटा मेमोरियल सेंटर मुंबई की यूनिट है), होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल, संगरूर, पंजाब (यह भी टाटा मेमोरियल सेंटर मुंबई की यूनिट है), रीजनल स्पाइनल इंजरीज सेंटर, सेक्टर 70 मोहाली तथा पंजाब इंस्टिट्यूट ऑफ़ लिवर एंड बिलियरी साइंस, फेज 3 बी 1, सेक्टर 60 मोहाली शामिल हैं। इन अस्पतालों में कैंसर, रीढ़ की चोट और लिवर से संबंधित गंभीर बीमारियों का उन्नत उपचार उपलब्ध है।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि यह निर्णय राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को बेहतर और विशेष चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लिया गया है। उन्होंने कहा कि कई बार गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए विशेष अस्पतालों की आवश्यकता होती है और इन अस्पतालों को सूचीबद्ध किए जाने से मरीजों को समय पर और बेहतर इलाज मिल सकेगा।

स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने आगे जानकारी दी कि सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार किसी भी आपात स्थिति, आपदा, महामारी या सरकारी अस्पतालों में मरीजों की अधिक संख्या होने की स्थिति में ये सूचीबद्ध अस्पताल एंबुलेंस, आईसीयू/सीसीयू, बर्न यूनिट, वार्ड, बेड तथा मोर्चरी जैसी सुविधाएं भी आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध करवाएंगे। यह निर्देश पत्र जारी होने की तिथि से प्रभावी हो गए हैं। विस्तृत जानकारी हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग की आधिकारिक वेबसाइट से भी प्राप्त की जा सकती है।स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के कर्मचारियों, पेंशनरों और आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और भविष्य में भी ऐसे कदम उठाए जाते रहेंगे।

गुरुग्राम में कंस्ट्रक्शन साइट पर सात श्रमिकों की मौत के बाद सिग्नेचर ग्लोबल को मिला नोटिस

गुरुग्राम, 10 मार्च (एजेंसियां)। कंस्ट्रक्शन साइट पर सात श्रमिकों की मौत के बाद रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल को पुलिस ने नोटिस जारी किया है। गुरुग्राम के असिस्टेंट कमिश्नर अनिल शर्मा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि सिधरावली स्थित सिग्नेचर ग्लोबल निर्माण स्थल पर हुई घटना के बाद कंपनी को नोटिस जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा, अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कंपनी से मुआवजे के चेक प्राप्त किए जाएं और मृतक श्रमिकों के परिवारों को सौंप दिए जाएं।

शर्मा ने आईएएनएस को बताया,प्रशासन की पहली प्राथमिकता शवों को परिजनों को सौंपना और आर्थिक सहायता प्रदान करना है, जबकि कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। यह दुर्घटना सोमवार शाम करीब 7 बजे दिल्ली–जयपुर राजमार्ग पर सिधरावली क्षेत्र में होटल राव के पास कपरियावास स्थित सिग्नेचर ग्लोबल बिल्डर सोसाइटी में हुई।

अधिकारियों के अनुसार, निर्माण स्थल पर खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई, जिससे कई मजदूर दब गए।

इस घटना में सात मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। घायलों को तुरंत भिवाड़ी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि घायल मजदूरों में से तीन नेपाल के निवासी हैं।

पुलिस ने बताया कि मरने वाले सात श्रमिकों में से छह झारखंड के थे, जबकि एक राजस्थान का था।

सांसद सैलजा ने सिरसा–फतेहाबाद में आईआईटी खोलने की मांग संसद में उठाई

सिरसा, 10 मार्च (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में सिरसा और फतेहाबाद जैसे शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) स्थापित करने की मांग जोरदार ढंग से उठाई। लोकसभा में पूछे गए अपने प्रश्न में सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से पूछा कि क्या देश में नए आईआईटी स्थापित करने का प्रस्ताव है और क्या सिरसा, फतेहाबाद, हिसार और जींद जैसे शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े जिलों में ऐसे संस्थानों की स्थापना को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इन जिलों में पर्याप्त मात्रा में भूमि उपलब्ध है, इसलिए यहां आईआईटी स्थापित करना क्षेत्र के विकास और युवाओं के लिए बेहतर अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। इस प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने बताया कि वर्तमान में देश में 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) स्थापित और संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में पहले से ही राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कुरुक्षेत्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) सोनीपत तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित किए जा चुके हैं, जो राष्ट्रीय महत्व के संस्थान हैं। राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि आईआईटी दिल्ली का एक विस्तार परिसर हरियाणा के सोनीपत में राजीव गांधी एजुकेशन सिटी में स्थापित किया गया है, जो उन्नत शोध, नवाचार और उद्योग सहयोग का केंद्र है।

गुजरात के उप मुख्यमंत्री ने हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी से की मुलाकात, राज्यसभा चुनाव पर की चर्चा

चंडीगढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने मंगलवार को हरियाणा दौरे के दौरान रोहतक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं के साथ आगामी राज्यसभा चुनावों से पहले संगठनात्मक तैयारियों पर चर्चा की। गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हरियाणा के दौरे और रोहतक में भाजपा के राज्य कार्यालय में कई पार्टी नेताओं से मुलाकात की फोटो साझा की है। इस बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्य भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली, वरिष्ठ पार्टी नेता और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ ही राज्य सरकार के मंत्री व पार्टी पदाधिकारी भी उपस्थित थे। संघवी के अनुसार, चर्चा आगामी राज्यसभा चुनावों से संबंधित संगठनात्मक मामलों पर केंद्रित थी। पार्टी नेताओं ने बताया, बैठक में पार्टी के भीतर समन्वय और चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई।

इस बैठक ने नेताओं को चुनाव से संबंधित रणनीति का आदान–प्रदान करने का अवसर भी प्रदान किया। यह दौरा भाजपा की ओर से हरियाणा में राज्यसभा चुनावों के लिए हर्ष संघवी को पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त करने के कुछ ही समय बाद हुआ है। सांघवी की नियुक्ति के साथ–साथ, भाजपा ने उन अन्य राज्यों के लिए भी पर्यवेक्षकों के नाम घोषित किए हैं जहां राज्यसभा चुनाव होने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को बिहार के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। ओडिशा में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को यही जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस व्यवस्था के तहत, पर्यवेक्षकों को संबंधित राज्य में चुनाव प्रक्रिया से जुड़े समन्वय और संगठनात्मक कार्यों की देखरेख का जिम्मा सौंपा जाता है।

टीएसयूटीएफ का राज्य सरकार के खिलाफ संघर्ष शुरू

आसिफाबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना स्टेट यूनाइटेड टीचर्स फेडरेशन (टीएसयूटीएफ) ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और शहरी गुरुकुलों के समग्र शिक्षा कर्मचारियों के मुद्दों को हल करने में राज्य सरकार की उदासीनता के विरोध में संघर्ष प्रारंभ करने का निर्णय लिया है।

कर्मचारियों के मुद्दे लंबे समय से अनसुलझे हैं, और दो दशकों के बाद भी उनकी सैलरी बहुत कम है। संघ ने कहा कि पिछले साल डिप्टी चीफ मिनिस्टर के साथ हुई बातचीत में जो वादे किए गए थे, उन्हें लागू नहीं किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सरकार समस्या का समाधान नहीं करती है, तो संघर्ष को जारी रखा जाएगा।

टीएसयूटीएफ की मांगे हैं:

कर्मचारियों को मिनिमम बेसिक वेतन प्रदान किया जाए।

हेल्थ सिक्योरिटी के लिए हेल्थ कार्ड जारी किए जाएँ।

नाइट गार्ड की ड्यूटी से कर्मचारियों को मुक्त किया जाए।

नॉन-टीचिंग स्टाफ को लेबर एक्सप्लॉइटेशन से मुक्त किया जाए।

सभी कर्मचारियों की दूसरी पोस्ट मंजूर की जाए।

इस मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करने के लिए, उन्होंने 9 मार्च को लंच ब्रेक के दौरान काले बैज पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। 6 मार्च को ज़िले के विभिन्न सेंटर्स पर भी विरोध किया गया।

टीएसयूटीएफ के ज़िला सेक्रेटरी महिपाल और मंडल प्रेसिडेंट बालकृष्ण ने बताया कि अगर सरकार ने तब तक कोई पहल नहीं की, तो संघ ने 20 मार्च को असेंबली के बजट सेशन के दौरान चलो असेंबली आंदोलन करने का निर्णय लिया है।

संघ ने सरकार से अपील की है कि वे इस बजट सेशन में मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय लें और संबंधित फंड के प्रपोज़ल भेजें। संघर्ष में प्रवीण, रमादेवी, निर्मला, और अन्य सदस्यों ने हिस्सा लिया।

आदिलाबाद में गांजा की खेती और बिक्री के आरोप में चार गिरफ्तार

आदिलाबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को गांजा की खेती करने और उसे बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से 420 गांजे के पौधे जब्त किए हैं, जिनकी कीमत 42 लाख आंकी गई है। आदिलाबाद जिले के पुलिस अधीक्षक (डझ) अखिल महाजन ने आदिलाबाद शहर में मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि सिरीकोंडा मंडल के सोनपल्ली गांव के रहने वाले पवार माधव, इचोडा मंडल केंद्र के आत्रम दत्तात्री और शेख आरिफ, तथा आदिलाबाद शहर के इंद्रनगर निवासी शेख मुजाहिद को गांजे की फसल उगाने और खरीदारों को गांजा बेचने के आरोप में पकड़ा गया है।

माधव और अन्य तीन को माधव के उसी खेत से हिरासत में लिया गया जहाँ उसने इन पौधों की खेती की थी। पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर खेत में छापेमारी की, जिसके बाद ये गिरफ्तारियां हुईं।पूछताछ के दौरान, माधव ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उसने जल्दी पैसा कमाने के लिए अपने गांव की नौ एकड़ जमीन पर गांजे की फसल उगाई थी। उसने बाकी तीन लोगों को नशीले पदार्थ का सेवन करने का लालच दिया और उन्हें हैदराबाद और नागपुर को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 44 (छक-44) पर चलने वाले लॉरी चालकों को गांजा बेचने के लिए मजबूर किया। इस छापेमारी दल में उटनूर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रुत्विक साई कोट्टे, इचोडा के निरीक्षक बंडारी राजू और अन्य अधिकारी शामिल थे।

डोंगली सहकार सोसायती की बैठक में आईटी डिफॉल्टरों को सलाह

डोंगली, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। डोंगली सहकारी समिति की बैठक में एनडीसीसीबी जीएम अनुपमा मैडम, सुमामाला मैडम, एजीएम श्रीधर, क्लस्टर ऑफिसर टी मुरलीधर गौड़, पीआईसी लक्ष्मीनारायण, जूनियर इंस्पेक्टर अब्दुल अलीम सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान, सभी ने डोंगली सहकारी समिति के आईटी डिफॉल्टरों को राशि का भुगतान करने और ओटीएस (वन टाइम सेटलमेंट) लाभ प्राप्त करने की सलाह दी। सभी बैंक अधिकारियों ने लेफ्टिनेंट रिकवरी के लिए फील्ड में सक्रिय रहने का आश्वासन दिया।इस बैठक का उद्देश्य किसानों और सदस्यों में जागरूकता बढ़ाना और वित्तीय सहायता सुनिश्चित करना है, जिससे सभी सदस्य अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकें।

सभी अधिकारियों ने एक साथ मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया, जिससे सहकारी समिति की गतिविधियों में सुधार हो सके।

गर्मियों में बिजली सप्लाई के लिए तैयारियां पूरी

आसिफाबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी गर्मियों में पीक डिमांड को ध्यान में रखकर बिना रुकावट बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं।

शहरी क्षेत्रों में लोड बढ़ने के अनुमान के चलते ओवरलोडेड डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफ़ॉर्मर की क्षमता को बढ़ाया जा रहा है। इसके साथ ही, कई नए डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफ़ॉर्मर स्थापित किए गए हैं और आवश्यक स्थलों पर पावर ट्रांसफ़ॉर्मर भी लगाए गए हैं।

बिजली सप्लाई की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए चार 33 केवी इंटरलिंकिंग लाइनें भी लगाई जा रही हैं।सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर ने स्पष्ट किया कि अधिकारी और कर्मचारी बिना किसी रुकावट के बिजली सप्लाई जारी रखने के लिए तालमेल से काम कर रहे हैं।

ताड़ी की खेती पर जागरूकता सेमिनार आयोजित

मदनूर, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के सोमुर गांव में मंगलवार को कृषि अधिकारियों द्वारा ताड़ी की खेती के लिए जागरूकता सेमिनार और फील्ड विजिट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को ताड़ के तेल की खेती के लाभ और सरकारी प्रोत्साहनों के बारे में जानकारी देना था।

किसान लक्ष्मण पटेल के 3 एकड़ में फैले ताड़ के तेल के बाग का दौरा करते हुए बागवानी अधिकारी रामकृष्ण ने किसानों को बताया कि सरकार ताड़ की खेती के लिए प्रति एकड़ 52,000 रुपये तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है। कृषि अधिकारी राजू ने किसानों की समझदारी की सराहना की और उन्हें नई फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। हिंदुस्तान यूनिलीवर के एरिया मैनेजर मोहन ने जानकारी दी कि कंपनी ने ताड़ के पौधों की खरीद शुरू कर दी है और किसानों को ड्रिप सिंचाई में भी सहायता प्रदान की जा रही है। किसान लक्ष्मण पटेल ने अन्य किसानों से अपील की कि वे ताड़ के पेड़ की खेती करने में संकोच न करें, क्योंकि उनके बगीचे में ताड़ के पेड़ अब कटाई के लिए तैयार हैं।

इस कार्यक्रम ने ग्रामीणों में ताड़ी की खेती के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे किसानों को बेहतर आय के अवसर मिलेंगे।

ग्राम पंचायतों के सरपंचों और नगर पार्षदों के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम 12 को

आसिफाबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार के चीफ सेक्रेटरी रामकृष्ण राव ने घोषणा की है कि इस महीने की 12 तारीख को पूरे राज्य की ग्राम पंचायतों के सरपंचों और नगर पार्षदों के लिए पब्लिक गवर्नेंस - प्रोग्रेस प्लान के तहत एक ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा।

मंगलवार को हैदराबाद में एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान, राज्य पंचायत राज सेक्रेटरी संजीव कुमार, नगर विभाग की सेक्रेटरी श्रीदेवी और अन्य अधिकारियों ने सभी ज़िलों के कलेक्टरों और अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम की समीक्षा की।चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि 99 दिनों के इस पब्लिक गवर्नेंस - प्रोग्रेस प्लान प्रोग्राम के दौरान सरपंचों और नगर पार्षदों के लिए ट्रेनिंग सिस्टमैटिक तरीके से आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ट्रेनिंग में आने वालों को पीने का पानी और खाना भी मुहैया कराया जाए। साथ ही, पार्लियामेंट और लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्यों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के. हरिथा ने बताया कि सभी आवश्यक इंतज़ाम किए जाएंगे, और ट्रेनिंग के दौरान सरकारी वेलफेयर स्कीम की जानकारी दी जाएगी। उपस्थित लोगों को आइडेंटिटी कार्ड प्रदान किए जाएंगे और खाने-पीने की व्यवस्था की जाएगी।

इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में डिस्ट्रिक्ट पंचायत ऑफिसर बिक्षापति, डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलपमेंट ऑफिसर दत्ता राव, डिस्ट्रिक्ट परिषद के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर लक्ष्मीनारायण, और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल होंगे।

प्राइमरी हेल्थ सेंटर में बेहतर मेडिकल सेवाओं की आवश्यकता : हरिता

आसिफाबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने सभी प्राइमरी हेल्थ सेंटरों में आने वाले मरीज़ों को बेहतर मेडिकल सेवाएँ देने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंगलवार को कौटाला मंडल सेंटर के विभिन्न कार्यालयों का सरप्राइज़ इंस्पेक्शन करते हुए उन्होंने यह बात कही।

इंस्पेक्शन के दौरान प्राइमरी हेल्थ सेंटर में केवल डॉक्टर या स्टाफ मौजूद थे। कलेक्टर ने रजिस्टर चेक किया और देखा कि कई स्टाफ ड्यूटी पर अनुपस्थित थे, जबकि अटेंडेंस लिस्ट भी खाली थी। इस पर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई और आयुष डॉक्टर से पूछा कि ऐसा क्यों हो रहा है। आयुष अटेंडेंट भी ड्यूटी पर नहीं था।

उन्होंने डेटा एंट्री रूम का भी निरीक्षण किया, जहां धूल जमी हुई थी।

उन्होंने स्टाफ को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि यह उनके काम करने का तरीका नहीं है।

इसके बाद, कलेक्टर ने ज़िला परिषद के सेकेंडरी हॉस्टल का भी इंस्पेक्शन किया, जहाँ उन्होंने दसवीं क्लास के स्टूडेंट्स से बात की। उन्होंने स्टूडेंट्स को बिना डरे पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और 100% पास रेट का लक्ष्य रखने की सलाह दी।कलेक्टर ने प्राणहिता नदी का भी निरीक्षण किया, जहाँ MPDO प्रसाद ने महाराष्ट्र और तेलंगाना नदियों के संगम की महत्ता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बारिश के मौसम में पानी की उपलब्धता और बाढ़ की स्थिति पर सवाल उठाए।

इस कार्यक्रम में मंडल डेवलपमेंट ऑफिसर, तहसीलदार, और अन्य अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने जिला कलेक्टर के निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया।

सिंगरेनी मंदामरी डिवीजन में 67.5 मेगा वॉट सोलर प्लांट का ट्रायल रन शुरू

बेल्लमपल्ली, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ईपीसी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड ने सिंगरेनी कोलियरीज मंदामरी डिवीजन में 67.5 मेगा वॉट क्षमता वाले चार सोलर पावर प्लांट्स का ट्रायल रन शुरू कर दिया है। इन प्लांट्स से जुड़ी 33 केवी ट्रांसमिशन लाइनें भी चालू कर दी गई हैं।

ट्रायल रन तब तक जारी रहेगा, जब तक सोलर पैनल पूरी तरह चार्ज नहीं हो जाते। यह लाइन बेल्लमपल्ली शांतिखनी माइन एरिया, मैगज़ीन साइट, रडागम्बाला बस्ती और सोमागुडेम से मंदामरी केके-5 सबस्टेशन तक सक्रिय रहेगी।

प्रोजेक्ट मैनेजर शशिधर ने लोगों से अपील की है कि खतरे के इस क्षेत्र में टावरों के आसपास न जाएं, उन पर न चढ़ें और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें।

अटेंडेंट ने आत्महत्या की कोशिश की, एग्रीकल्चर ऑफिसर पर प्रताडना का आरोप

बेल्लमपल्ली, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट ऑफिस में अटेंडेंट बोल्ली श्रीनिवास ने आरोप लगाया है कि एग्रीकल्चर ऑफिसर सुरेखा के लगातार मानसिक उत्पीड़न के बाद उसने आत्महत्या करने की कोशिश की। यह घटना सोमवार को हुई।

बोल्ली श्रीनिवास ने बताया कि वह ऑफिस में आत्महत्या का प्रयास कर रहा था, जब उसके साथी मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत सरकारी हॉस्पिटल ले गए, जहाँ उसका इलाज चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस हॉस्पिटल पहुंची और परिस्थितियों की जांच की। इसके अलावा, डिस्ट्रिक्ट जज ने भी हॉस्पिटल जाकर पीड़ित का बयान दर्ज किया।

बोल्ली श्रीनिवास के परिवार ने इस घटना से गहरा सदमा सहा है, और उसकी पत्नी वहां रो रही थी। पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं और एग्रीकल्चर ऑफिसर के खिलाफ उचित कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

मेदक के तूपरान पुलिस स्टेशन में पति-पत्नी का विवाद हिंसक हुआ

मेदक, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को तूपरान पुलिस स्टेशन में उस समय तनाव फैल गया जब एक व्यक्ति और उसकी पत्नी के रिश्तेदार थाने के परिसर में ही आपस में भिड़ गए। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा।

पुलिस के अनुसार, तूपरान मंडल के अल्लापुर की रहने वाली ज्योति की शादी कुछ महीने पहले चेगुन्टा मंडल के रामपुर निवासी उदयकिरण से हुई थी। हालांकि, बाद में ज्योति ने अपने पति पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए तूपरान पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

मंगलवार को जब दोनों परिवारों के सदस्य इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए थाने पहुंचे, तो उनके बीच बहस जल्द ही हिंसक हो गई और दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर हमला करना शुरू कर दिया। पुलिस कर्मियों को शुरुआत में स्थिति को नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी क्योंकि थाने के परिसर में हो रही इस झड़प में लगभग 100 लोग शामिल थे। अंततः पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। इस संघर्ष में दूल्हा-दुल्हन समेत कई लोग घायल हो गए।

इस बीच, पुलिस हमले में शामिल लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने की तैयारी कर रही है। इस घटना को तूपरान पुलिस की ओर से एक चूक के रूप में भी देखा जा रहा है, क्योंकि उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में लोगों को पुलिस स्टेशन के परिसर में जमा होने की अनुमति दी।

शीतला माता पर्व पर मारवाड़ी समाज के परिवारों ने की विशेष पूजा

चेन्नूर, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर नगर के प्रसिद्ध मदन पोचम्मा मंदिर में शीतला माता के पावन पर्व के अवसर पर मारवाड़ी समाज के परिवारों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया।

इस दिन महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने एकत्र होकर माता की विधि-विधान से पूजा की और परिवार की सुख-समृद्धि तथा अच्छे स्वास्थ्य के लिएक्ता की।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शीतला माता को रोगों से रक्षा करने वाली देवी माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि माता की पूजा से घर-परिवार को बीमारियों से सुरक्षा और जीवन में सुख-शांति प्राप्त होती है।

पूजा के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा, और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पर्व ने समुदाय में एकता और श्रद्धा का संचार किया।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए आस्ट्रेलियाई महिला टीम घोषित, सोफी मोलिन्यूक्स को कप्तानी

मेलबर्न, 10मार्च (एजेंसियां)।

आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी व्हाइट-बाल सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान आलराउंडर सोफी मोलिन्यूक्स को सौंपी गई है, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ताहलिया विल्सन को पहली बार टीम में जगह मिली है।

टीम में लूसी हैमिल्टन और निकोला कैरी को भी बरकरार रखा गया है, जो हाल ही में भारत के खिलाफ खेली गई सीरीज का हिस्सा थीं। वहीं भारत के खिलाफ टी20 टीम में शामिल रहीं ग्रेस हैरिस को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा आलराउंडर एनेबेल सदरलैंड इस दौरे से बाहर रहेंगी। चयनकर्ताओं के अनुसार पिछले 12 महीनों में अधिक क्रिकेट खेलने के कारण उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम दिया गया है।

राष्ट्रीय चयनकर्ता शान फ्लेगलर ने कहा कि भारत के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में मोलिन्यूक्स ने शानदार कप्तानी की थी और यह दौरा उनके नेतृत्व को और मजबूती देगा। उन्होंने बताया कि मोलिन्यूक्स पीठ की चोट से उबर रही हैं और उनके खेलने की संभावना है, हालांकि मैचों के दौरान उनकी फिटनेस का आकलन किया जाता रहेगा।

19 मार्च से शुरू होगा दौरा

आस्ट्रेलिया का यह दौरा 19 मार्च से 2 अप्रैल तक खेला जाएगा, जिसमें तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। मुकाबले सेंट विंसेंट और सेंट किट्स में होंगे। वनडे सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा होगी। चयनकर्ताओं के अनुसार यह सीरीज आगामी महिला टी20 विश्व कप से पहले टीम के लिए अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने का अच्छा मौका होगी।

आस्ट्रेलिया महिला टीम (स्क्वाड): डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैक्ग्रा, सोफी मोलिन्यूक्स (कप्तान), बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट, जार्जिया वोल, जार्जिया वेयरहैम, ताहलिया विल्सन।

न्यूज ब्रीफ

मध्यपूर्व संघर्ष के करण अफगानिस्तान और श्रीलंका सीरीज स्थगित

शारजाह। मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से अब खेल भी प्रभावित होने लगे हैं। इससे श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच 13 मार्च से यहां खेली जाने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को भी स्थगित कर दिया है। इसका कारण है कि अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद से ही यूएई में खतरे को देखते हुए उड़ानें बंद हैं। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड या अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान इस सीरीज को स्थगित किये जाने को लेकर बयान जारी नहीं किया है पर एक रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ही बोर्ड के बीच इस बात पर सहमति बन गई है कि सीरीज आगे नहीं बढ़ सकती। ईरान ने यूएई सहित खाड़ी के कई देशों पर अमेरिकी ठिकानो को निशाना बनाया है। इसके बाद से ही उड़ानें बाधित हुई है। इसी कारण कई टीमें अभी भी यहां फंसी हुई हैं। इससे पहले यूएई और ओमान आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट के मैचों के लिए नेपाल नहीं जा पाए थे। वहीं पाकिस्तान और इंग्लैंड की जूनियर टीमों के बीच भी यूएई में जारी सीरीज को रोक दिया गया। इसके अलावा पाक महिला टीम भी यूएई नहीं पहुंच सकी।

टी20 विश्वकप इतिहास में पांड्या सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने, युवराज दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के आलराराउंडर हार्दिक पांड्या ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पांड्या टी20 विश्वकप इतिहास में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। पांड्या ने अब तक विश्वकप में कुल 34 छक्के लगाये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह के नाम था। युवराज ने कुछ 3 छक्के लगाये थे। अब पांड्या टी20 विश्वकप में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं युवराज दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। पांड्या ने इस बार विश्वकप में कुल 15 छक्के लगाये है। इससे पहले खेले गये टी20 विश्व कप में पांड्या ने कुल 19 छक्के लगाये थे। ये छक्के उन्होंने नंबर 4 से नंबर 7 तक बल्लेबाजी करते हुए लगाये थे। इस तरह कुल 34 छक्के उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए लगाये हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के नंबर 4 से लेकर नंबर 7 के बीच सबसे ज्यादा छक्के हैं। इस सूची में 33 छक्कों के साथ युवराज दूसरे स्थान पर हैं।

पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा पर पत्नी ने लगाये दहेज उत्पीड़न, मारपीट सहित कई गंभीर आरोप

कानपुर। पूर्व आईपीएल क्रिकेटर अमित मिश्रा की मुश्कलें बढ़ गयी हैं। अमित की पत्नी गरिमा तिवारी ने इस क्रिकेटर पर शराब पीकर मारपीट करने के अलावा कई अन्य गंभीर आरोप भी लगाये हैं। गरिमा ने कानपुर की अदालत में अमित और उनके परिवार के सदस्यों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगये हैं। इसी को लेकर गरिमा ने अपर सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) की अदालत में शिकायत की है। गरिमा ने अपनी शिकायत में कहा है कि शादी के बाद से वह पति और परिवार के सदस्यों से शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का शिकार हुई हैं। इस शिकायत में क्रिकेटर के अलावा उनकी मां बीना मिश्रा, पिता शशिकांत मिश्रा, भाई अमर मिश्रा, भाभी रितु मिश्रा और बहन स्वाति मिश्रा पर भी आरोप लगाये हैं। गरिम ने अपनी शिकाय में कहा कि उनकी अमित से मुलाकात साल 2019 में इंस्टाग्राम के जरिये हुई थी। उनकी 26 अप्रैल, 2021 को कानपुर क्लब में शादी हुई थी। इसके बाद से ही पति और ससुराल वालों ने उन्हें दहेज में एक होंडा सिटी कार और 10 लाख रुपये देने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। गरिमा ने दावा किया कि उनके परिवार ने विवाह के बाद उनकी विदाई के समय 2.5 लाख रुपये दिये थे पर ससुराल से पैसे की मांग बढ़ती रही। साथ ही आरोप लगाया कि अमित अधिकतर शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था। इसके अलावा ये भी कहा कि इस क्रिकेटर ने माडलिंग से कमाये उनके पैसे भी छीन लिये। इससे वह अवसाद में आ गईं और उन्हें अपना माडलिंग करियर छोड़ना पड़ा।

गंभीर नहीं मानते सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम का युग आया

मुम्बई, 10 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्व कप खिताब जीत के बाद भी ये माना जा रहा है कि इससे सीमित ओवरों प्रारुप में भारतीय टीम का युग शुरु हो गया है हालांकि टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर इससे सहमत नहीं है। गंभीर ने कहा कि टीम ने लगातार आईसीसी खिताब जीतककर अपना प्रभाव दिखाया है पर अब भी काफी कुछ किया जाना शेष है। गंभीर के अनुसार इससे सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम इंडिया का युग नहीं माना जा सकता है।

उन्होंने इसके कारण भी बताये और कहा कि हमें हाल में एक दिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अगर ये हमारा युग होता तो हम नहीं हारते। लगातार तीन साल में तीन आईसीसी खिताब भारतीय टीम ने जीते हैं जिसमें साल 2024 टी20 विश्व कप, 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 विश्व कप। ये ऐसा ही जैसे साल 1999 से 2007 के बीच ऑस्ट्रेलियाई टीम लगातार आईसीसी ट्राफी में जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाने में सफल रही थी। गंभीर ने कहा, 'मैं सफेद गेंद के क्रिकेट के बारे में बात नहीं करूंगा क्योंकि सफेद गेंद के क्रिकेट में एकदिवसीय प्रारूप में हम पिछली तीन में से दो सीरीज हारे हैं। अगर यह हमारा युग होता तो हम दो सीरी नहीं हारते। उन्होंने हालांकि माना है कि आईसीसी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। गंभीर ने कहा, 'मैं युग जैसी बातों पर विश्वास नहीं करता। आपको हर दिन मैदान उतरना होगा, चाहे आप कोई भी मैच खेल रहे हों। जब आप अपने देश के लिए खेल रहे होते हैं तो आप हर मैच जीतना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि यह द्विपक्षीय श्रृंखला है या आईसीसी ट्रॉफी है या विश्व कप है। मैं द्विपक्षीय और आईसीसी टूर्नामेंट में फर्क नहीं कर सकता क्योंकि ये एक ही हैं। सब कुछ बिल्कुल वैसा ही रहता है। गंभीर ने यह भी कहा कि उनके कोच रहते तक निजी उपलब्धियों का जश्न नहीं मनाया जाएगा। उन्होंने कहा, 'कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ हमेशा ही मेरी यही बात होती रही है कि कि निजी उपलब्धियां मायने नहीं रखती केवल ट्रॉफी मायने रखती हैं।

इरफान पठान ने भारतीय टीम सफलता का श्रेय कोच और कप्तान को दिया

अहमदाबाद। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि भारतीय टीम अभी विश्व की सीमित ओवरों के प्रारुप की सबसे अच्छी टीम है। पठान ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन दोनो ने ही टीम को यहां तक पहुंचाया है। पठान के अनुसार भारतीय टीम की लगातार सफलता के का मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम बेहद आत्मविश्वास के साथ खेल रही है। वहीं गंभीर ने खिलाड़ियों को सही भूमिका देकर टीम को संतुलित बनाया है। पठान ने यह भी कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी खासियत उनकी विनम्रता है। वे टीम की सफलता का श्रेय हमेशा खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को देते हैं, जिससे टीम का माहौल सकारात्मक बना रहता है और खिलाड़ी खुलकर प्रदर्शन करते हैं। पठान के अनुसार टीम निडर होकर खेलती है, कोच और कप्तान अपने खिलाड़ियों का समर्थन भी करते हैं। टीम कठिन फैसले भी लेती है। खिलाड़ियों को आक्रामक अंदाज में खेलने को कहा गया है जिससे भी टीम को लाभ हुआ है। इस दौरान एक खिलाड़ी असफल भी होता है तो दूसरा बेहतर बल्लेबाजी कर कमी पूरी कर देता है। टीम के सभी खिलाड़ियों ने एक जुट होकर एक इकाई के तौर पर खेला है। इस जीत के साथ भारत ने कई बड़े रिकार्ड अपने नाम कर लिए। टीम अपनी धरती पर टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनी है। वह लगातार दो बार ट्राफी जीतने वाली पहली टीम भी बनी है। इसके अलावा भारत ने तीसरी बार आईसीसी टी20 खिताब अपने नाम किया है।

सदर्न ब्रेव ने हेमांग बदानी को बनाया मुख्य कोच इयान बेल होंगे सहायक

लंदन, 10 मार्च (एजेंसियां)।

सदर्न ब्रेव ने आगामी सत्र के लिए अपनी पुरुष टीम का मुख्य कोच पूर्व भारतीय क्रिकेटर हेमांग बदानी को नियुक्त किया है, जबकि इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज इयान बेल को उनका सहायक कोच बनाया गया है। यह नियुक्ति द हंड्रेड टूर्नामेंट के अगले सीजन को ध्यान में रखते हुए की गई है।

दिलचस्प बात यह है कि हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स ने भी इंडियन प्रीमियर लीग में इयान बेल को हेमांग बदानी का सहायक कोच बनाया था। दिल्ली कैपिटल्स के मालिक जीएमआर समूह ने पिछले साल जुलाई में सदर्न ब्रेव में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी।

हेमांग बदानी ने पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच का पद संभाला था। उनके मार्गदर्शन में टीम ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन प्लेआफ में जगह बनाने से चूक गई। बदानी को फ्रेंचाइजी क्रिकेट में कोचिंग का व्यापक अनुभव है। वह जीएमआर समूह की अन्य टीमों के साथ भी जुड़े रहे हैं, जिनमें सिएटल आर्कास (मेजर लीग क्रिकेट) और दुबई कैपिटल्स (इंटरनेशनल लीग टी20) शामिल हैं।

वहीं इयान बेल को इंग्लैंड की परिस्थितियों का अच्छा अनुभव है। वह पहले इंग्लैंड अंडर-19 और इंग्लैंड लायंस टीम के साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा 2024 में इंग्लैंड दौरे के दौरान उन्होंने श्रीलंका टेस्ट टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई थी। सदर्न ब्रेव ने 2021 में पुरुष वर्ग के पहले द हंड्रेड टूर्नामेंट का खिताब जीता था और 2024 में उपविजेता रही थी। हालांकि पिछले सीजन में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और आधे मुकाबले हारने के कारण वह नाकआउट चरण में जगह नहीं बना सकी।

स्विस ओपन में भाग नहीं लेंगी सिंधु

बासेल। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगी। सिंधु के नहीं होने से इस टूर्नामेंट में एच एस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत से ही भारत को पदकों की उम्मीद रहेगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, सिंधु स्विस ओपन नहीं खेलेगी। हाल में आल इंग्लैंड टूर्नामेंट के लिए रवाना होने के बाद वह दुबई में फंस गयीं थी। इस तनाव से वह अब तक नहीं उबरी हैं। इसी कारण अभी वह आराम कर रही हैं। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा। सिंधु का कहना है कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में हैं। अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के जरिए ही वापसी करेंगी। स्विस ओपन के पुरूष एकल में श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा। श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे। वहीं प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वातानाबे से खेलेंगे। तरूण मन्नेपल्ली का मुकाबला जापान के केंता निशिमोतो से जबकि आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। वहीं किरण जार्ज सिंगापुर के लोह कीन यू से खेलेंगे। पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का मुकाबला सिंगापुर के एंग कीट वेसले को और जुंसुके कुबो से होगा जबकि हरिहरन ए और एम आर अर्जुन चीनी ताइपै के चेन झि रे और लिन यू चियेह से खेलेंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर बीसीसीआई ने टीम इंडिया को दी 131 करोड़ इनामी राशि

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली टीम इंडिया के लिए 131 करोड़ रुपये की रिकार्ड इनामी राशि का ऐलान किया है। यह राशि बीसीसीआई द्वारा किसी भी टी-20 विश्व कप जीत पर दी गई अब तक की सबसे बड़ी इनामी राशि है।

इससे पहले जब भारतीय टीम ने 2024 में बारबाडोस में रोहित शर्मा की कप्तानी में टी-20 वर्ल्ड कप जीता था, तब बीसीसीआई ने 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की थी। इस बार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने इतिहास रचते हुए खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड किया, जिसके बाद बोर्ड ने और बड़ी राशि देने का फैसला किया।

बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि भारतीय टीम को आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन और खिताबी जीत के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि दी जाएगी। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराकर ट्राफी अपने नाम की।

इस जीत के साथ भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार टी-20 विश्व कप का खिताब जीतने का कारनामा किया और टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई। साथ ही भारत तीन बार टी-20 विश्व कप जीतने वाली भी पहली टीम बन गई है, जिससे सीमित ओवरों के इस प्रारूप में उसकी मजबूत स्थिति और भी पुख्ता हो गई है। बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन की कामना की।

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले, बांग्लादेश दौरे पर इस कारण युवाओं को दिये अधिक अवसर

कराची, 10 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच कोच माइक हेसन ने कहा है अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्कप को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए ही बांग्लादेश दौरे पर अधिक से अधिक युवाओं को शामिल किया गया है पर इसका मतलब ये नहीं निकाला जाना चाहिये कि अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया। हेसन के अनुसार बाबर आजम, साइम अयूब, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को इस दौरे से बाहर रखने को टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन से नहीं जोड़ा जाना चाहिये।

वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा था कि पाकिस्तान के विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज अनुभवी खिलाड़ियों पर गिरी है। हेसन ने कहा कि पाक टीम को युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने के बहुत कम अवसर मिले हैं, इसलिए हमें लगा कि बांग्लादेश दौरे में युवाओं को उतारना चाहिये। हेसन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि किसी को बाहर किया गया। हम केवल इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अपने को साबित करने का अवसर दे रहे हैं। हेसन ने कहा कि अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए वे उभरते हुए खिलाड़ियों की तलाश में हैं। कोच ने कहा, जिस प्रकार साहिबजादा फरहान ने टी20 विश्वकप में अपने शानदार प्रदर्शन को दिखाया है, वैसे ही खिलाड़ी हमें चाहिये।

वहीं इससे पहले विश्वकप के लिए टीम चयन में हेसन पर मनमानी के आरोप लगे थे। पूर्व टेस्ट गेंदबाज सिकंदर बख्त ने कहा था कि विश्व कप टीम में हर खिलाड़ी हेसन की पसंद का था। कुछ खिलाड़ियों के चयन को लेकर कोच पर सवाल भी उठे थे पर उन्होंने किसी की भी सलाह नहीं मानी थी।

पूर्व क्रिकेट शहजाद बोले, कमजोर खेल प्रणाली से पिछड़ती जा रही पाकिस्तान

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अहमद शहजाद ने कहा है कि भारतीय टीम जहां लगातार आगे बढ़ रही है। वहीं पाकिस्तानी टीम पिछड़ती जा रही है। शहजाद ने कहा कि इसका कारण पाक टीम की मानसिकता और कमजोर खेल प्रणाली है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिलते जा रहे हैं और इसका कारण उनको बेहतर क्रिकेट ढ़ांचा है। वहीं हमारी टीम कमजोर को हराकर ही खुश हो जाती है। शहजाद ने भारतीय टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे बड़ी टीमों के खिलाफ खेलते हैं। जिसका भी लाभ उन्हें अधिक मिलता है। शहजाद ने कहा कि भारतीय टीम ने जिस प्रकार फाइनल में 250 से अधिक रन बनाये। उसकी जगह पाक टीम होती तो 180 रनों पर ही संतुष्ट होकर बैठ शहजाद ने कहा कि भारतीय टीम में संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों को तब अवसर मिला जब इन दोनो ने ही घरेलू क्रिकेट में अपन को साबित किया। ईशान को अनुशासन तोड़ने के कारण लंबे समय तक बाहर भी रहना पड़ा। इसके बाद भी वापसी कर ये मैच विजेता बनकर उभरे। शहजाद ने कहा कि पाक में भी प्रतिभा कम नहीं है पर हमारी प्रणाली में ही कमी है। वहीं भारत में प्रतिभा के साथ ही प्रणाली भी है। इसी से उनके पास बेहतर खिलाड़ी तैयार हो रहे हैं। शहजाद ने आगे कहा कि अभिषेक शर्मा पर बहुत दबाव था। उन्होंने फाइनल में 21 गेंदों में 52 रन बनाए।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला इनोविजन का आईपीओ, 12 मार्च तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)।

टोल मैनेजमेंट और मैनपावर सर्विस देने वाली कंपनी इनोविजन का 322.84 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 12 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 13 मार्च को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 मार्च को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 521 रुपये से लेकर 548 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 27 शेयर का है। इनोविजन के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 27 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,796 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,348 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट यानी 351 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 58,91,284 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 255 करोड़ रुपये के 46,53,284 नए शेयर और 68 करोड़ रुपये के 12,38,000 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ एक प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 65 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 34 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 8.88 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 10.27 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 29.02 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया, एआई एक्सप्रेस पश्चिम एशिया के लिए 60 उड़ान करेंगी संचालित

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन और एयर इंडिया एक्सप्रेस मंगलवार को पश्चिम एशिया के शहरों के लिए कुल 60 उड़ान संचालित करेंगी। इनमें संयुक्त अरब अमीरात के लिए 32 उड़ान शामिल हैं। एयर इंडिया ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस मिलकर जेद्दा से आने-जाने के लिए 14 उड़ान संचालित करेंगी, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट से आने-जाने के लिए 14 उड़ान संचालित करेंगी। इस तरह ये दोनों एयरलाइन कुल 28 उड़ानों को संचालित करेंगी। इससे पहले जारी एक बयान में सोमवार को कहा गया, निर्धारित सेवाओं के अलावा, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस 10 मार्च को भारतीय शहरों और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच कुल 32 उड़ान संचालित करेंगी। ये 32 उड़ानें भारत के विभिन्न शहरों से दुबई, अबू धाबी, शारजाह और रास अल-खैमाह आने-जाने के लिए होंगी। एयर इंडिया ने कहा कि हम पश्चिम एशिया डेवलपमेंट पर करीब से नज़र रख रहे हैं और हालात के बदलने पर आगे अपडेट देंगे।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर बुकिंग नियम बदले, अब 25 दिन बाद ही होगा रीफिल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की री-फिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब उपभोक्ता एक सिलेंडर की डिलीवरी के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन की बजाय कम से कम 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि यह कदम सिलेंडरों की जमाखोरी और अनावश्यक बुकिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार पहले अधिकांश उपभोक्ता लगभग 50 से 55 दिनों में एक सिलेंडर बुक करते थे, लेकिन हाल के दिनों में कुछ लोग 15 से 20 दिन के भीतर ही दोबारा बुकिंग करने लगे थे। इससे अचानक मांग बढ़ने लगी थी और सप्लाई व्यवस्था पर दबाव पड़ रहा था। इधर मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान, इजरायल तथा अमेरिका के बीच जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंता बढ़ी है। इसी बीच देश की प्रमुख गैस कंपनियों ने कई जगहों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई सीमित या अस्थायी रूप से रोक दी है। 5, 19 और 425 किलोग्राम के जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल, रेस्टोरेंट और कई औद्योगिक इकाइयों में भी संकट की आशंका जताई जा रही है। हालांकि सरकार ने भरोसा दिलाया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर जारी रहेगी।

नई सुपरकार फेरारी 849 टेस्टरोसा जल्द होगी लांच

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता कंपनी फेरारी अपनी नई सुपरकार फेरारी 849 टेस्टरोसा को 14 मार्च को भारत में लान्च करने जा रही है। शानदार डिजाइन और दमदार क्षमता के कारण यह कार लग्जरी स्पोर्ट्स कार सेगमेंट में खास पहचान बना सकती है। इस कार की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग 10.37 करोड़ रुपये बताई जा रही है। नई फेरारी 849 टेस्टरोसा में उन्नत हाइब्रिड तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसमें 4 लीटर का ट्विन-टर्बो वी 8 पेट्रोल इंजन दिया गया है, जिसके साथ तीन इलेक्ट्रिक मोटर जोड़ी गई हैं। पेट्रोल इंजन अकेले लगभग 830 हार्सपावर की ताकत पैदा करता है, जबकि तीनों इलेक्ट्रिक मोटरों के साथ इसकी कुल शक्ति करीब 1050 हार्सपावर तक पहुंच जाती है। इसमें 8-स्पीड ड्यूल-क्लच आटोमैटिक गियरबाक्स दिया गया है। कंपनी के अनुसार यह कार सिर्फ 2.3 सेकेंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी अधिकतम रफ्तार लगभग 330 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसमें वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्राएड आटो जैसी कनेक्टिविटी सुविधाएं भी दी गई हैं, जिससे यह कार तकनीक और प्रदर्शन दोनों के मामले में बेहद खास बन जाती है। कार में 7.45 केडब्ल्यूएच की बैटरी भी दी गई है, जिसकी मदद से यह लगभग 16 से 25 किलोमीटर तक केवल इलेक्ट्रिक मोड में चल सकती है।

कच्चे तेल की कीमत में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट, भारत जैसे तेल आयातकों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ युद्ध जल्द खत्म होने की बात कहे जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड आयल (कच्चे तेल) की कीमत में भी जोरदार गिरावट दर्ज की गई। क्रूड आयल की कीमत में लगभग छह प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण ब्रेंट क्रूड 93 डालर प्रति बैरल और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 88 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। इसके पहले सोमवार को कच्चे तेल की कीमत 119 डालर के स्तर को भी पार कर गई थी। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध खत्म होने की बात कहे जाने के बाद कल ही ब्रेंट क्रूड गिरकर 98.96 डालर प्रति बैरल के स्तर पर बंद हुआ था। इसके बाद ब्रेंट क्रूड ने 91.49 डालर प्रति बैरल के भाव पर कारोबार की शुरुआत की। कारोबार शुरू होते ही ब्रेंट क्रूड टूट कर 88.22 प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। हालांकि इसके बाद एक बार फिर इसकी कीमत में तेजी का रुख बना। दोपहर 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेड क्रूड 6.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 92.91 प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी सोमवार को 119 डालर प्रति बैरल का स्तर पर करने के बाद 94.77 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार का अंत किया था। इसने भी 87.81 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। कारोबार शुरू होने के बाद डब्ल्यूटीआई क्रूड लुढ़क कर 84.43 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। इसके बाद इसकी चाल में सुधार हुआ। दोपहर 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद डब्ल्यूटीआई क्रूड 6.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 88.38 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 6.51 डालर प्रति बैरल यानी 6.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ फिलहाल 92.45 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर्स 6.12 डालर प्रति बैरल यानी 6.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 88.65 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

आपको बता दे की पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव की वजह से सोमवार को कच्चे तेल की कीमत जबरदस्त उछाल के साथ 119 डालर का स्तर पार कर 120 डालर प्रति बैरल के काफी करीब पहुंच गई थी। हालांकि बाद में डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्ध के जल्द खत्म होने की बात कह कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर बनी चिंता को काफी हद तक काम कर दिया। इस वजह से कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का रुख बनने लगा।

बताया जा रहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी सोमवार को डोनाल्ड ट्रंप से ईरान युद्ध को जल्द खत्म करने के संबंध में बातचीत की। कहा जा रहा है कि इस बातचीत में पुतिन ने अपनी ओर से शांति प्रस्ताव भी पेश किया। इस बातचीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी मीडिया को दिए इंटरव्यू में ईरान युद्ध जल्द खत्म होने के संकेत दिए। हालांकि ईरान के रिवाल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने ट्रंप की बात को नकारते हुए कहा कि युद्ध का अंत ईरान तय करेगा और अगर अमेरिका और इजरायल के हमले जारी रहे तो पश्चिम एशिया से एक लीटर तेल का भी एक्सपोर्ट नहीं होने दिया जाएगा।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि पिछले 24 घंटे के दौरान ईरान युद्ध को लेकर जिस तरह से अलग-अलग बयान आ रहे हैं, उससे आने वाले कुछ दिन तक कच्चे तेल की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव होते रहने की उम्मीद है। इसके बावजूद कच्चे तेल की कीमत में अभी आई गिरावट भारत जैसे कच्चे तेल के आयात पर निर्भर करने वाले देश के लिए काफी राहत वाली बात है।

स्कूटर नाइट प्लस रानी एडिशन का विशेष लिमिटेड एडिशन माडल पेश

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)।

जेलो इलेक्ट्रिक ने अपने फ्लैगशिप स्कूटर नाइट प्लस रानी एडिशन का विशेष लिमिटेड एडिशन माडल पेश किया है। कंपनी ने इस स्कूटर की कुल 999 यूनिट ही बाजार में उतारने का फैसला किया है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 69,990 रुपये रखी गई है और इसकी बुकिंग कंपनी के अधिकृत डीलर नेटवर्क के माध्यम से शुरू हो चुकी है। यह स्कूटर बेबी पिंक रंग में उपलब्ध कराया गया है, जो इसे अन्य माडलों से अलग पहचान देता है। तकनीकी रूप से नाइट+ रानी एडिशन उसी प्लेटफार्म पर आधारित है जिस पर अगस्त 2025 में लान्च हुआ नाइट+ माडल तैयार किया गया था। इसमें 1.8 केडब्ल्यूएच क्षमता की पोर्टेबल लिथियम आयरन फास्फेट बैटरी दी गई है।

कंपनी के अनुसार एक बार पूरी तरह चार्ज होने पर यह स्कूटर लगभग 100 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसमें 1.5 केडब्ल्यू की इलेक्ट्रिक मोटर लगाई गई है, जो संतुलित प्रदर्शन देने में सक्षम है। स्कूटर की अधिकतम रफ्तार करीब 55 किलोमीटर प्रति घंटा बताई गई है। इसकी खासियत यह है कि इसमें हटाने योग्य बैटरी दी गई है, जिसे उपयोगकर्ता आसानी से निकालकर घर या किसी अन्य स्थान पर चार्ज कर सकते हैं। फीचर्स की बात करें तो इसमें हिल होल्ड कंट्रोल दिया गया है, जो ढलान या चढ़ाई पर स्कूटर को स्थिर बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा क्रूज कंट्रोल फीचर लंबी दूरी तय करते समय रफ्तार को स्थिर रखने में सहायक होता है। स्कूटर में फालो-मी-होम हेडलैंप भी दिया गया है, जिससे अंधेरे में वाहन पार्क करने या घर तक पहुंचने में अतिरिक्त रोशनी मिलती है। साथ ही मोबाइल चार्जिंग के लिए यूएसबी पोर्ट भी उपलब्ध कराया गया है।

कंपनी के मुताबिक इस स्कूटर के रंग और डिजाइन को भारतीय संस्कृति में रानी शब्द के प्रतीकात्मक महत्व को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जो आत्मविश्वास और स्वतंत्र पहचान का संदेश देता है। कंपनी का कहना है कि इस माडल का उद्देश्य इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना भी है, हालांकि यह सभी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध रहेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तेल-गैस...

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नेचुरल गैस सप्लाई रेगुलेशन ऑर्डर 2026 को अधिसूचित किया है।

इसके तहत घरेलू रसोई गैस की सप्लाई को प्राथमिकता दी जाएगी। यानी पहले घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी और उसके बाद कमर्शियल गैस की सप्लाई की जाएगी। इस निर्णय के कारण हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कुछ हद तक चिंता का माहौल बना हुआ है।

मिडिल ईस्ट से एलएनजी शिपमेंट प्रभावित होने की आशंका के बीच सरकार ने तेल कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है। कई सप्लायरों ने फोर्स मेज्योर क्लॉज भी लागू किया है।

भारत के अधिकांश एलपीजी आयात होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते होते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार के निर्देश के बाद एलपीजी उत्पादन में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

बुकिंग के नियमों में बदलाव

सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए एलपीजी बुकिंग नियमों में भी बदलाव किया है। जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए अब 25 दिन का एलपीजी सिलेंडर बुकिंग पीरियड लागू किया गया है।

सरकार ने एक विशेष समिति का गठन किया है, जो एलपीजी की गैर-घरेलू सप्लाई को अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे आवश्यक क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने का काम करेगी। साथ ही होटल, रेस्टोरेंट और अन्य उद्योगों को गैस सप्लाई के मामलों की समीक्षा भी करेगी और जमाखोरी पर रोक लगाएगी।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारत अब 40 से अधिक देशों से तेल और गैस आयात के विकल्प तैयार कर रहा है, ताकि मिडिल ईस्ट पर निर्भरता कम की जा सके और ऊर्जा आपूर्ति बनी रहे।

भारत के पास फिलहाल करीब आठ सप्ताह का तेल भंडार उपलब्ध है। देश दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है और अपनी कुल जरूरत का लगभग 85-90 प्रतिशत तेल विदेशों से आयात करता है।

भारत के तेल आयात का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है और इसका एक महत्वपूर्ण भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते गुजरता है, जिसके कारण वैश्विक संकट का असर दिखाई देता है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रूस, अमेरिका और अफ्रीकी देशों से भी कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई है।

अगर वैश्विक स्तर पर लंबे समय तक तेल संकट बना रहता है तो इससे पेट्रोल-डीजल की कीमतों, महंगाई और देश के आयात बिल पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि राहत की बात यह है कि कच्चे तेल की कीमतों में हाल के दिनों में गिरावट देखने को मिली है। ब्रेंट क्रूड की कीमत सोमवार के उच्च स्तर 120 डॉलर प्रति बैरल से घटकर करीब 90 डॉलर प्रति बैरल तक आ गई है।

इंडिगो के...

उन्होंने कंपनी से अपना नोटिस पीरियड खत्म करने की भी अपील की ताकि वे तत्काल प्रभाव से पद मुक्त हो सकें।

पीटर एलबर्स ने सितंबर 2022 में इंडिगो की कमान संभाली थी। पिछले साल दिसंबर में एयरलाइन को अपने इतिहास के सबसे खराब ऑपरेशनल संकट का सामना करना पड़ा था। सैकड़ों उड़ानें रद्द होने और देरी की वजह से एयरलाइन की साख पर बुरा असर पड़ा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस संकट की वजह से कंपनी को करीब 2,000 करोड़ का नुकसान भी हुआ था। तभी से एलबर्स पर इस्तीफे का दबाव था।

बापू के नाम पर...

मुख्यमंत्री ने तर्क दिया था कि यदि अपार्टमेंट को अभी नहीं गिराया गया, तो भी भविष्य में इसका मूल्य शून्य हो जाएगा, क्योंकि बफर जोन में होने के कारण इसके फ्लैटों की खरीद-बिक्री संभव नहीं होगी।

जब से कांग्रेस सरकार ने गांधी सरोवर परियोजना विकसित करने की योजना की घोषणा की है, तुषार गांधी लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। पिछले महीने उन्होंने पोस्ट किया था: गांधी प्रतिमा के लिए जगह बनाने हेतु निवासियों को विस्थापित करना सबसे अ-गांधीवादी कार्य है। बापू होते तो ये कहा होता मेरे नाम पर ऐसा न करें। इसे रोकें'।

ऐतिहासिक संदर्भ और वर्तमान विवाद

यह विवाद तब और जटिल हो गया है जब एक तरफ सरकार नियमों और सौंदर्यीकरण का हवाला दे रही है, वहीं दूसरी तरफ गांधीवादी विचारधारा के पैरोकार इसे गांधी जी के सिद्धांतों के विपरीत बता रहे हैं। निवासियों का विस्थापन इस समय तेलंगाना की राजनीति में एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है।

होगा सबसे...

इस संघर्ष का असर क्षेत्र के अन्य देशों पर भी पड़ने लगा है। कतर ने अपने क्षेत्र में दागी गई एक ईरानी मिसाइल को इंटरसेप्ट करने की जानकारी दी है। उधर, इराक के किर्कुक शहर में ईरान समर्थित पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज के ठिकाने पर हुए हवाई हमले में कम से कम पांच लड़ाकों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि हमला किसने किया।

रूस की मध्यस्थता की पेशकश

इस बीच, रूस ने इस संकट के समाधान के लिए मध्यस्थता की पेशकश दोहराई है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में हुई बातचीत के बाद भी रूस की मध्यस्थता की पेशकश कायम है।

युद्ध की तीव्रता के बावजूद वैश्विक बाजारों में निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही इस संघर्ष को खत्म कराने की कोशिश करेंगे। इसी उम्मीद के चलते तेज उछाल के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में कुछ गिरावट आई और एशियाई व यूरोपीय शेयर बाजारों में भी सुधार देखने को मिला।

हालांकि, जमीनी हालात अब भी बेहद तनावपूर्ण हैं और तेहरान के निवासियों के अनुसार राजधानी में अमेरिका-इजरायल की बमबारी युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे भीषण रही है।

तेल बाजार पर विध्वंसक असर: सऊदी अरामको

सऊदी अरब की तेल कंपनी सऊदी अरामको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमीन नासिर ने चेतावनी दी है कि अमेरिका-इजरायल-ईरान के बीच चल रहा युद्ध अगर लंबा खिंचता है तो इससे वैश्विक तेल बाजार पर विनाशकारी असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनी ग्राहकों की मांग पूरी करने की कोशिश कर रही है, लेकिन युद्ध और उससे पैदा हुई सप्लाई की दिक्कतों की वजह से दुनिया भर में तेल का भंडार पिछले पांच साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।

नासिर के मुताबिक मौजूदा भू-राजनीतिक संकट के बीच अगर तेल सप्लाई में रुकावट लंबे समय तक जारी रहती है तो भंडार और तेजी से घटेगा। उनका कहना है कि ऐसा होने पर न सिर्फ ग्लोबल ऑयल मार्केट पर गंभीर असर पड़ेगा, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान हो सकता है।

अरामको ने घटाया उत्पादन, सप्लाई के नए रास्ते तलाशे

दुनिया का सबसे बड़ा तेल निर्यातक सऊदी अरब की तेल कंपनी सऊदी अरामको अपने दो प्रमुख तेल क्षेत्रों में उत्पादन पहले ही कम करना शुरू कर चुकी है। हालांकि कटौती कितनी है और किन क्षेत्रों में की गई है, इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

होर्मुज की खाड़ी बंद होने से अरामको का तेल निर्यात काफी प्रभावित हुआ है, क्योंकि इसी रास्ते के जरिए तेल भारत जैसे एशियाई देशों तक पहुंचता है। कंपनी अपने कुछ कच्चे तेल के जहाजों को यान्बू बंदरगाह की ओर मोड़ रही है, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि होर्मुज के जरिए जितना तेल सप्लाई होता है, उसकी पूरी भरपाई इस रास्ते से संभव है।

तेल की कीमतों में तेज उछाल

स्थिति को देखते हुए कतर की तेल और गैस कंपनी कतर एनर्जी ने अपने रास लफ्फान सेंटर पर एलएनजी उत्पादन रोक दिया है। वहीं इराक का तेल उत्पादन लगभग 70 प्रतिशत तक गिर गया है। बहरीन की पेट्रोलियम कंपनी बापको ने भी अपने तेल शिपमेंट पर फोर्स मेज्योर घोषित कर दिया है।

इन घटनाओं के चलते तेल की कीमतें 2022 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं। इस हफ्ते ग्लोबल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का भाव लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि बाद में कीमतों में कुछ नरमी आई है, लेकिन क्षेत्र में जारी संघर्ष ने ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर दबाव बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा हालात के चलते ईंधन की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 11 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बंडरू दत्तात्रेय ने की प्रधानमंत्री मोदी से शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली/हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री बंदारू दत्तात्रेय ने आज नई दिल्ली में संसद भवन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। हरियाणा राज्य के राज्यपाल पद से सेवानिवृत्त होने के बाद यह पहली बार था जब दत्तात्रेय प्रधानमंत्री से मिले।

इस अवसर पर श्री दत्तात्रेय ने प्रधानमंत्री मोदी को हृदय से धन्यवाद दिया कि उन्हें मोदी जी के पहले कार्यकाल में केंद्रीय श्रम मंत्री के रूप में, तथा बाद में हिमाचल प्रदेश और हरियाणा राज्य के राज्यपाल के रूप में जिम्मेदारियां निभाने का अवसर दिया गया।इसी अवसर पर श्री दत्तात्रेय ने अपनी आत्मकथा प्रजल कथे ना आत्मकथा पुस्तक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को भेंट की। श्री दत्तात्रेय ने बताया कि मोदी जी ने इस पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह किताब कई लोगों के लिए प्रेरणादायक है।सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दत्तात्रेय जी से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की।जवाब देते हुए श्री बंदारू दत्तात्रेय ने बताया कि वह स्वस्थ हैं और लगभग सभी कार्यक्रमों में उपस्थित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह जानकर बहुत खुशी हुई, और इसी उत्साह के साथ जनजीवन में आगे बढ़ते रहना चाहिए। श्री दत्तात्रेय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने उन्हें यह सुझाव दिया।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में केबीआर पार्क, इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सेवा कार्य के दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा और रणधीर सहित अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग किया। सभी ने सेवा और परोपकार की भावना के साथ अन्नदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना मानवता की सच्ची सेवा है और राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ नियमित रूप से अन्नदान कार्यक्रम आयोजित करता है।

तेलंगाना के शहरी सहकारी बैंकों के महासंघ ने रजिस्ट्रार से की मुलाकात -राज्य के बैंकिंग परिदृश्य पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स फेडरेशन के पदाधिकारियों ने हाल ही में सहकारिता के विशेष आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार, पी. एस. राहुल राज तथा जिला सहकारी अधिकारी श्रीमती रामा देवी से नम्पल्ली, हैदराबाद स्थित गृहकल्प भवन में मुलाकात की।इस प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन के अध्यक्ष वी. नरसिम्हा रेड्डी, कार्यकारी अध्यक्ष जी. मदन गोपाला स्वामी, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया और अग्रसेन बैंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल शामिल थे।

नियामक अनुपालन में फेडरेशन की भूमिका

बैठक के दौरान, पदाधिकारियों ने रजिस्ट्रार को तेलंगाना राज्य में सहकारी शहरी बैंकों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने आरबीआई और सहकारी विभाग द्वारा निर्धारित विभिन्न दिशानिर्देशों और विनियमों का पालन करने में यूसीबी की मदद करने में फेडरेशन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। फेडरेशन संबंधित नियामकों के साथ मध्यस्थता करके यूसीबी की समस्याओं और प्रश्नों को हल करने में भी सहायता प्रदान करता है।

19,246 करोड़ रुपये का कुल कारोबार

राज्य के सहकारी बैंकिंग क्षेत्र की मजबूती को दर्शाते हुए आंकड़े साझा किए गए। 31 दिसंबर 2025 तक की स्थिति के अनुसार, राज्य के 48 यूसीबी का कुल व्यवसाय आकार 19,246 करोड़ रुपये है। इसमें 11,323 करोड़ रुपये की जमा राशि और 7,923 करोड़ रुपये के अग्रिम (ऋण) शामिल हैं।

बैठक में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति

इस महत्वपूर्ण बैठक में पदाधिकारियों के साथ तेलंगाना फेडरेशन के सीईओ कृष्ण मूर्ति और अग्रसेन बैंक के डीजीएम श्री आनंद अग्रवाल भी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य सहकारिता विभाग और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था।

'साइंस ऑफ मेडिटेशन' पर जानकारी देकर वरिष्ठ नागरिकों को किया जागरूक

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सद्गुरु के 'मिरेकल ऑफ माइंड' ध्यान ऐप के अंतर्गत 'साइंस ऑफ मेडिटेशन' का परिचय वैगलौ हैं क्षेत्र में दिव्या चंद्रा द्वारा कासा सीनियर सिटिज़न्स क्लब के सदस्यों को दिया गया।

इस अवसर पर ध्यान और मेडिटेशन के वैज्ञानिक महत्व तथा मानसिक शांति में इसकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता सपना गुप्ता ने दिव्या चंद्रा का स्वागत किया और उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों का भी अभिवादन किया। कार्यक्रम में कंचन गुप्ता, जनक गुप्ता, इंदु, रामदेव, अंजू, भाजपा नेता सपना गुप्ता, सरिता, रेखा, सुनीता, राजेश, अनीता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने मेडिटेशन के महत्व को समझते हुए इसे दैनिक जीवन में अपनाने पर बल दिया।

रानी सती दादी महिला शाखा का होली-गणगौर उत्सव आज

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज रानी सती दादी महिला शाखा, घासी बाजार द्वारा होली-गणगौर उत्सव का आयोजन आज बुधवार को किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 12:15 बजे से होगा, जबकि लकी ड्रॉ का समय 12:45 बजे निर्धारित किया गया है।

इस अवसर पर पिचकारी डेकोरेशन, ईश्वर गौर डेकोरेशन तथा गणगौर पूजा थाल सजावट जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी रिंकू गर्ग और सीमा अग्रवाल से संपर्क कर सकते हैं।

कार्यक्रम में राजस्थानी ढोल के साथ फूलों की होली, स्पेशल तंबोला तथा कई आकर्षक उपहारों की भी व्यवस्था की गई है। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही सभी उपस्थित महिलाओं के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था भी रहेगी।

महिला शाखा की ओर से सभी अध्यक्षों एवं सदस्यों को सादर आमंत्रण दिया गया है। यह कार्यक्रम सभी के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के आयोजन में अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, मंत्री मोनिका अग्रवाल, सह मंत्री सुशील केडिया, कोषाध्यक्ष सविता अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य कविता संघी, कविता गोयल तथा कार्यकारिणी सदस्य पूनम अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, चित्रा अग्रवाल, ममता अग्रवाल आदि सक्रिय रूप से सहयोग कर रही हैं।

तीन दिवसीय हाईलाइफ फैशन एवं वेडिंग सीजन प्रदर्शनी 21 से

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ की फैशन एवं वेडिंग सीजन प्रदर्शनी आगामी 21 से 23 मार्च, 2026 तक हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी नोवोटेल में आयोजित की जाएगी। मंगलवार को एक कार्यक्रम में अभिनेत्री श्रावंती, अभिनेत्री यशु, अभिनेत्री श्रीलेखा रवि, अभिनेत्री प्रीति, फैशन लवर्स और अन्य हाईलाइफ प्रदर्शनी की प्रचार सामग्री का लोकार्पण किया।

आयोजकों के अनुसार, हैदराबाद में फैशन, ग्लैमर, स्टाइल और लग्जरी के रोमांचक प्रदर्शन के साथ उत्सव और शादियों के मौसम के लिए यह विशेष प्रदर्शनी फैशनप्रेमियों के आकर्षण का केंद्र होगी। प्रदर्शनी में देशभर से मशहूर डिजाइनर अपने रचनात्मक फैशन परिधान, लाइफस्टाइल से जुड़ी विभिन्न प्रकार की सामग्री, दुल्हनों के लिए बनाये गये विशेष कलेक्शन, आभूषण एवं साज सज्जा की सामग्री प्रस्तुत करेंगे। अभिनेत्री विनाली ने बताया कि हाईलाइफ प्रदर्शनी देश की अपनी तरह की सबसे बड़ी फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी है। इसमें प्रदर्शित शीर्ष फैशन लेबल, शीर्ष डिजाइनर और कलात्मक संग्रह खरीददारों में चर्चा का विषय बने रहते हैं। इस बार 21, 22 एवं 23 मार्च को भी ऐसा ही आयोजन होगा। कार्यक्रम में अभिनेत्रियों के साथ शहर की प्रमुख मॉडलों ने फैशन परिधानों एवं आभूषणों का प्रदर्शन किया।

'परीलोक' महिला मंच की मासिक सभा में महिला सशक्तिकरण पर चर्चा

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। परीलोक – आधुनिक विचारों का सशक्त महिला मंच की मासिक सभा ऋचा अग्रवाल के संयोजन में मसालेदार होटल, हिमायत नगर हैदराबाद में आयोजित की गई।

सभा में डॉ. नवनीत कौर ने होली महोत्सव एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी महिला सदस्यों को शुभकामनाएँ देते हुए वर्तमान में महिलाओं के साथ दोयम दर्जे के व्यवहार विषय पर आयोजित गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बाहरी तौर पर महिलाओं को सशक्त और सक्षम दिखाया जाता है, लेकिन वास्तविकता में कई स्थानों पर घर और समाज में उन्हें अब भी दोयम दर्जे का व्यवहार झेलना पड़ता है।

सभा के दौरान सभी महिला सदस्यों से अपील की गई कि वे अपने जीवन और समाज में होने वाले भेदभाव के अनुभवों को साझा करें, ताकि इस विषय पर जागरूकता बढ़ाई जा सके।

इस अवसर पर संस्था की सदस्य लवली, सिमरन, टीना, नीना, नवनीत, जोत, मुक्ता, प्रीती और नीता ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अंत में ऋचा अग्रवाल को सभा के सफल संचालन के लिए सभी सदस्यों द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

हिन्दी महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी महाविद्यालय में दिनांक 9 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

इस अवसर पर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, संयुक्त सचिव श्री प्रदीप दत्त, प्राचार्य डॉ. बाला कुमार एवं डॉ. मदनमोहन, पूर्व एडेड स्टाफ में श्रीमती लाजवंती, श्रीमती रीबा जायसवाल, श्रीमती प्रेमलता नैथानी, समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र उपस्थित थे। उस्मानिया विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में विजेता हिन्दी महाविद्यालय की टीम के खिलाड़ियों को प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया।

नारी शक्ति के सम्मान पर दिया गया बल

कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्थाध्यक्ष ने सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की सहायता से हम जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्यों को सरल बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सहयोग से राष्ट्र, समाज और परिवार व्यवस्थित ढंग से संचालित हो सकते हैं, इसलिए नारी शक्ति, योग्यता और संवेदना का सम्मान किया जाना चाहिए।

उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा ने भी सभी को महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि महिला और पुरुष दोनों ही समाज के महत्वपूर्ण पहिए हैं। इनके सहयोग से ही समाज में गति, विकास, सृजन और निर्माण संभव होता है। नारी के बिना समाज बिना पहिए की गाड़ी के समान है। प्राचार्य ने भी सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नारी सुबह से शाम तक निरंतर सक्रिय रहती है और पत्नी, बहन, माँ तथा बेटी के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को प्रतिदिन एक घंटा स्वयं के लिए अवश्य निकालना चाहिए, जिसमें वह अपनी पसंद का कार्य कर सके।

स्त्री–पुरुष समानता और सहयोग का संदेश

हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रजनीधारी ने सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए स्त्री शक्ति को नमन किया और 'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः' श्लोक का उल्लेख करते हुए अर्धनारीश्वर की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज में स्त्री और पुरुष की समान भूमिका होती है और दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं।

उन्होंने स्त्री के छह गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह समयानुसार दासी, मंत्री, माता, रम्भा, लक्ष्मी और क्षमा करने वाली बन जाती है। उन्होंने कहा कि पुरुषों को स्त्री के जीवन संघर्ष, शारीरिक परिवर्तनों और भावनात्मक स्थितियों को समझते हुए सहयोगात्मक व्यवहार करना चाहिए।

पूर्व उपप्राचार्य डॉ. सुरभि दत्त (राजनीतिशास्त्र विभाग) ने नारी की महत्ता को अर्धनारीश्वर के रूप में बताते हुए सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएँ दीं। श्रीमती प्रेमलता नैथानी ने कहा कि सृष्टि के आरंभ में प्रकृति में सभी समान थे, लेकिन क्षमा और त्याग के गुणों के कारण नारी की विशिष्ट पहचान बनी।

परीक्षा नियंत्रक श्री सत्यनारायण राव ने अपने वक्तव्य में कहा, यत्र नारी पूज्यते रमन्ते तत्र देवता, अर्थात जहाँ नारी का सम्मान होता है वहाँ सुख और समृद्धि स्वतः आती है।

खेल प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार

कार्यक्रम के दौरान महिला प्राध्यापकों के मनोरंजन के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन भी किया गया। पिरामिड एंड बैलून में मिस मानसा (कंप्यूटर साइंस), पिरामिड गेम में श्रीमती रेखा, टारगेट रिंग गेम में श्रीमती स्वाती (कर्मचारीगण), पानीपुरी चैलेंज में श्रीमती अर्चना सिंह (इतिहास विभागाध्यक्ष), लेमन ईटिंग विदाउट चेंजिंग फेस एक्सप्रेशन में मिस मुस्कान (एनसीसी हेड) तथा पूजा (कर्मचारी वर्ग) विजेता रहीं।

खेलों का संयोजन एचआर बी. सौजन्या ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीता कुलकर्णी ने किया। इस आयोजन में एनएसएस विभाग ने सहयोग प्रदान किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ बेगम बाजार पीठाधीश्वर अमृत दास खाकी जी के सानिध्य में रंग पंचमी विजय महोत्सव और विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ का होली मिलन समारोह बहुत ही धूमधाम से मनाया गया।

बेगम बाजार में राधे–राधे ग्रुप का अन्नदान

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

राधे–राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज में सेवा और मानवता का संदेश दे रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने सेवा भाव से अन्न वितरण में सहयोग किया।

इस अवसर पर अनिल अग्रवाल , गोविंद राम पचेरिया, विनोद तोशनीवाल, अरुण विजयवर्गी, नीलम विजयवर्गी, मीना अग्रवाल, लता गोयल, अर्चना शास्त्री, रेनु गुप्ता, पूजा सांघी, अनीता सुगंधा और शर्मिला अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

जीडिमेटला स्थित सुभाष नगर शीतला सप्तमी माता जी की पूजा–अर्चना में भाग लेती हुईं– इन्द्ररा देवी काग, तारा देवी काग, देवी बाई व अन्य ।

भारतीय मृदा एवं भू–उपयोग सर्वेक्षण के हैदराबाद केंद्र में

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय मृदा एवं भू – उपयोग सर्वेक्षण के हैदराबाद केंद्र मे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को विश्वभर में महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और उनके योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का विषय अधिकार, न्याय, कार्रवाई, सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए एवं गिव टु गेन रहा जो महिलाओं के सशक्तिकरण और योगदान पर केंद्रित है। कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे डॉ एम. जया देवी, उप निदेशक (रसायन विज्ञान) राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), राजेन्द्रनगर, हैदराबाद रही। इसके बाद अध्यक्ष महोदय द्वारा मुख्य अतिथि को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती सुरमा नियोगी, सहायक क्षेत्र अधिकारी द्वारा दिए गए स्वागत भाषण से हुई, तत्पश्चात कार्यालय अध्यक्ष श्री संजय अ. ढाले, मृदा सर्वेक्षण अधिकारी द्वारा महिला दिवस से संबंधित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया जिसमें महिलाओं की भूमिका और महत्व पर प्रकाश डाला गया। एनआईपीएचएम से पधारे हुए मुख्य अतिथि डॉ एम. जया देवी ने महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों को सम्मान देने के साथ–साथ लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता के बारे में बताया। कार्यक्रम के माध्यम से सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा यह संदेश दिया गया कि महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और निर्णय–निर्माण में समान अवसर मिलना चाहिए। समाज और संगठन दोनों के विकास के लिए महिलाओं का सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का यह आयोजन अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रहा। इस कार्यक्रम ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को महिलाओं के अधिकारों और समानता के महत्व के प्रति जागरूक किया तथा संगठन में सकारात्मक और सम्मानजनक वातावरण को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में आयोजन से संबंधित प्रबंधन डॉ एस. के. कुमावत द्वारा किया गया तथा श्री कर्मवीर, डॉ. अमोल लक्ष्मण शिंदे, डॉ. दरावत राजा, सुरोमा नियोगी, रोहित ए. पी., डॉ. चेतना बांसोड़े, किरण कुमारा, डॉ श्रीनिवास प्रसाद एल., सहायक क्षेत्र अधिकारी, नगेन्द्र वी. सहायक तकनीकी अधिकारी, पी. श्रीकान्थ, विकास गुसाई, जी. पवन, एन आर पी रेड्डी, नितिन लोंदे, मनप्रीत सिंह, दिलीप कुमार, और नागमनी आदि मौजूद रहे । कार्यक्रम अंत में महिला कर्मचारियों/सदस्यों को सम्मानित किया गया और उनके कार्यों की सराहना की गई। समस्त कर्मचारियों की सहभागिता से कार्यक्रम सुव्यवस्थित, सुचारु रूप से एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान परिचर्चा और कवि सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कवियों की लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी, हैदराबाद के महिला विभाग के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सभागार में सम्मान समारोह, परिचर्चा और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की भूमिका, उनके अधिकारों, उपलब्धियों तथा चुनौतियों पर विचार–विमर्श करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ कवयित्री एवं गायिका आशा ठाकुर और विजयलक्ष्मी बस्वा द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। परिचर्चा सत्र में आशा ठाकुर, ममता मिश्रा, डॉ. रेखा देवी वर्मा, डॉ. मुखविंदर सिन्हा, आरती कुमारी और विजयलक्ष्मी बस्वा ने आधुनिक युग में नारी की स्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने की, जबकि संचालन गोविंद अक्षय ने किया।

वक्ताओं ने कहा कि आज की नारी चूल्हे से लेकर अंतरिक्ष तक अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही है और हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है।

कार्यक्रम में शहर की कई गणमान्य महिलाएँ और साहित्यकार उपस्थित रहे, जिनमें सुनीता बिरादर, सुमित्रा बंसल, काजल कुशवाह, सपना गुप्ता, अरुणा लक्ष्मीकांत शिंदे सहित अनेक अतिथि शामिल थे।

द्वितीय सत्र में आयोजित कवि सम्मेलन का संचालन पुष्पा वर्मा ने किया, जिसमें शहर के कवियों और कवयित्रियों ने गीत, ग़ज़ल, हास्य और व्यंग्य रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों और अतिथियों को शॉल, पुष्पमाला और स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों और साहित्यप्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

गुरु दर्शन यात्रा के दौरान गोलेछा बंधुओं का सम्मान

हुब्बल्ली, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, गढ़ सिवाना के तत्वावधान में आचार्य भगवंत श्री विजयराजजी महाराज साहब आदि ठाणा के पावन, मंगलमय एवं दिव्य सानिध्य में आयोजित होली चातुर्मास भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरा परिसर धर्मभावना, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत दिखाई दिया।आचार्य भगवंत श्री विजयराजजी महाराज के श्रीमुख से हुए धर्मोपदेश को सुनकर श्रद्धालुओं ने अपने जीवन को धर्म मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। साथ ही आचार्य भगवंत द्वारा वर्ष 2026 के चातुर्मासों की घोषणा भी की गई, जिसे सुनकर देश के विभिन्न कोनों से आए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

गुरु दर्शन यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता ने पूरे आयोजन को भव्य, गरिमामय और अविस्मरणीय बना दिया। इस अवसर पर हुब्बल्ली से स्थानकवासी समाज के गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंघी, कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, उपाध्यक्ष शांतिलाल खिवेंसरा, महामंत्री प्रकाश कटारिया, कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा, पूर्व सहमंत्री मदन तातेड़, अनिल भुरट, शांतिलाल बोहरा, कांतिलाल पालगोता, जितेंद्र छाजेड़, महावीर कोठारी, अभय बेताला, कल्पेश शाह, सुभाष डंक सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।इस पावन अवसर पर गुरु दर्शन यात्रा के सफल आयोजन में विशेष योगदान देने के लिए हुब्बल्ली श्री संघ के सदस्यों द्वारा गोलेछा परिवार के गौतम गोलेछा एवं जयंतीलाल गोलेछा बंधुओं का सम्मान किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनके समर्पण, सेवा भावना और धर्म के प्रति निष्ठा की सराहना करते हुए उनका अभिनंदन किया।

एसीएलबी ने बेल्लमपल्ली में सफाई अभियान का निरीक्षण किया

बेल्लमपल्ली, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रजापालना–प्रगति प्लान के 99 दिन के कार्यक्रम और 10 दिन के स्पेशल एक्शन प्लान के तहत मंगलवार को वार्ड नंबर 2, 24 एवं 31 में सैनिटेशन स्पेशल ड्राइव आयोजित की गई।

सफाई कार्य को गति दी गई। इस अवसर पर ए.सी.एल.बी. पी. चंद्रया ने आचूक निरीक्षण किया।

नगर पालिका चेयरमैन दावा स्वाति, नगर आयुक्त जे. संपत रेड्डी, वाइस चेयरमैन रागमशेट्टी सतीश, नगर पार्षद, नगर पालिका कर्मचारी एवं सैनिटेशन स्टाफ ने भाग लिया।

राजमार्गों को सुरक्षित बनाने वाले 10 ट्रक चालकों को अनुकरणीय ड्राइविंग व्यवहार के लिए सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और अनुकरणीय ड्राइविंग व्यवहार प्रदर्शित करने वाले वाणिज्यिक वाहन चालकों को मान्यता देने के लिए, मंगलवार को शहर के बाहरी इलाके मुथंगी ट्रक पार्किंग सुविधा में आयोजित एक समारोह में विशिष्ट सारथी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।●इस कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, इंडियन हाईवेज मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) के प्रबंध निदेशक विशाल चौहान और खक्त्चउङ के सीईओ मुदित अग्रवाल नई दिल्ली से वर्चुअली शामिल हुए, क्योंकि यह कार्यक्रम भारत के पांच शहरों में एक साथ आयोजित किया गया था।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एक सरकारी एजेंसी है जो भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विकास, रखरखाव और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। इंडियन हाईवेज मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) एक सरकारी कंपनी है जो भारत के राष्ट्रीय राजमार्गों पर डिजिटल टोल संग्रह और इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम को लागू करने और प्रबंधित करने के लिए जिम्मेदार है।

हैदराबाद स्थित लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म 'लोडसोर' के संस्थापक अजीत भंडारी ने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और इंडियन हाईवेज मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा लॉजिस्टिक्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म 'ट्रकसुविधा' और 'लोडसोर' के सहयोग से किया गया था, जो जिम्मेदार और सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए देश भर में चालक समुदायों के साथ सक्रिय रूप से काम करते हैं।

विशिष्ट सारथी एक चालक कल्याण और मान्यता पहल है जिसका उद्देश्य भारत में ट्रक चालकों और परिवहन श्रमिकों को सहायता प्रदान करना और उन्हें सशक्त बनाना है। यह कार्यक्रम चालकों के कौशल में सुधार, सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने, बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण प्रथाओं को बढ़ावा देने और उन चालकों को पहचानने पर केंद्रित है जो राजमार्गों पर पेशेवर और जिम्मेदार व्यवहार प्रदर्शित करते हैं।यह पहल सड़क सुरक्षा और उनके काम करने की स्थिति में सुधार के लिए पेशेवर ट्रक ड्राइवरों को प्रशिक्षित करती है, सहायता देती है और सम्मानित करती है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में शुरू किया गया यह कार्यक्रम सुरक्षित और कुशल ड्राइविंग प्रथाओं को प्रोत्साहित करने, ड्राइवरों को प्रभावित करने वाले स्वास्थ्य और कल्याण के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उन लोगों को पहचानने का प्रयास करता है जो लगातार सुरक्षा मानकों और यातायात मानदंडों का पालन करते हैं।

देश के लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में ट्रक ड्राइवरों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व में (इसके राष्ट्रीय शुभारंभ के समय) ड्राइवरों को सारथी (अर्थात मार्गदर्शक या चालक) के रूप में वर्णित किया था, और भारत की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखलाओं को चालू रखने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया था।

देश भर में विशिष्ट सारथी कार्यक्रम को लागू करने के लिए, मंत्रालय ने हैदराबाद स्थित 'लोडसोर' और नई दिल्ली स्थित 'ट्रकसुविधा' सहित पांच डिजिटल लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म के साथ भागीदारी की। हैदराबाद कार्यक्रम ट्रकसुविधा और लोडसोर के सहयोग से आयोजित किया गया था, जो चालक प्रशिक्षण सत्र, जागरूकता कार्यक्रम और कल्याण पहल आयोजित करने में मदद करते हैं।

इन प्लेटफार्मों का चयन इसलिए किया गया क्योंकि वे व्यापक डिजिटल फ्रेट नेटवर्क संचालित करते हैं जो पूरे भारत में ट्रक ड्राइवरों, फ्लीट मालिकों और शिपर्स को जोड़ते हैं। इन नेटवर्कों के माध्यम से, वे चालक प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करने, सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने, चालक कल्याण और मान्यता पहल का समर्थन करने और देश भर के हजारों ड्राइवरों तक पहुंचने में मदद करते हैं।

मुथंगी में आयोजित एक कार्यक्रम में दस ट्रक ड्राइवरों को सम्मानित किया गया, जो लगातार यातायात नियमों का पालन करते हैं, लेन अनुशासन बनाए रखते हैं और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए राजमार्गों को सुरक्षित बनाने में योगदान देते हैं। उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राजमार्ग सुरक्षा मानदंडों के पालन के लिए विशिष्ट सारथी मान्यता प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में ड्राइवरों के लिए एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें महत्वपूर्ण सड़क सुरक्षा प्रथाओं और राष्ट्रीय राजमार्गों पर ड्राइवरों को उपलब्ध आपातकालीन सहायता के बारे में जानकारी दी गई।

इस पहल के माध्यम से, आयोजकों ने देश भर में सुरक्षित और कुशल परिवहन सुनिश्चित करने में ट्रक ड्राइवरों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, साथ ही व्यापक चालक समुदाय को राष्ट्रीय राजमार्गों पर जिम्मेदार और अनुशासित ड्राइविंग प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। भारत में लाखों ट्रक ड्राइवर लंबी कार्य अवधि, स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और सीमित औपचारिक प्रशिक्षण अवसरों जैसी चुनौतियों का सामना करते हैं, ऐसे में विशिष्ट सारथी जैसे कार्यक्रम ट्रकिंग उद्योग को पेशेवर बनाने और राजमार्गों पर सुरक्षा बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

शेफ विकास खन्ना को 'सूर्यदत्त नेशनल अवॉर्ड' से नवाजा

शून्य से विश्व का निर्माण करने वाले शेफ विकास खन्ना भारतीय संस्कृति के वैश्विक दूत हैं : प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया

पुणे, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकप्रिय टेलीविजन शो 'मास्टरशेफ इंडिया' सीजन 9 के जज और इस शो के माध्यम से लाखों लोगों के जीवन को प्रेरित करने वाले विश्वप्रसिद्ध शेफ विकास खन्ना को सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स की ओर से प्रतिष्ठित सूर्यदत्त नेशनल अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। सूर्यदत्त की उपाध्यक्ष सुषमा चोरडिया के हाथों उन्हें विशेष सम्मानचिन्ह, मानपत्र, पुणेरी पगड़ी, सूर्यदत्त गोल्ड मेडल और सूर्यदत्त का पारंपरिक स्कार्फ प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. रसिका गुमास्ते और ज्योतिमा श्रीवास्तव उपस्थित थीं। वैश्विक स्तर पर भारतीय पाककला और आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी) क्षेत्र का तिरंगा गर्व से फहराने वाले अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सेलिब्रिटी शेफ, लेखक और मानवतावादी व्यक्तित्व शेफ विकास खन्ना के ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी और क्यूलिनरी आर्ट्स क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य तथा भारतीय पाक संस्कृति को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए यह पुरस्कार प्रदान किया गया। 'सूर्यदत्त' संस्था की ओर से प्राप्त यह पुरस्कार मेरे अब तक के सफर और मेहनत की एक मान्यता है, ऐसा भाव व्यक्त करते हुए विकास खन्ना ने कहा, सूर्यदत्त जैसी प्रतिष्ठित और सेवाभावी संस्था से यह राष्ट्रीय पुरस्कार स्वीकार करते हुए मुझे अत्यंत खुशी और संतोष का अनुभव हो रहा है। क्यूलिनरी आर्ट्स और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने की इच्छा रखने वाले महाराष्ट्र तथा देश के युवा विद्यार्थियों के लिए पुणे जैसे 'विद्या के मायके' से ऐसा सम्मान प्राप्त होना गर्व की बात है। गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उपक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सूर्यदत्त संस्था का शैक्षणिक और सामाजिक कार्य सराहनीय है। होटल मैनेजमेंट केवल एक करियर नहीं, बल्कि एक सेवा है। सूर्यदत्त संस्था जिस प्रकार केवल डिग्री नहीं बल्कि कौशल और मूल्य आधारित शिक्षा विद्यार्थियों में विकसित कर रही है, वह वास्तव में प्रशंसनीय है और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसी संस्थाओं की अत्यंत आवश्यकता है। सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने कहा,

अमृतसर की संकरी गलियों से लेकर न्यूयॉर्क के मिशेलिन स्टार रेस्टोरेंट तक का विकास खन्ना का सफर केवल पाककला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दृढ़ संकल्प, मेहनत और वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति की पहचान बनाने की प्रेरणादायी यात्रा है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय भोजन परंपरा का गौरव बढ़ाते हुए उन्होंने हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं। उनके इस अतुलनीय योगदान को ध्यान में रखते हुए सूर्यदत्त संस्था ने उनका उचित सम्मान किया है। उन्होंने केवल उत्कृष्ट और नवाचारी व्यंजन ही प्रस्तुत नहीं किए, बल्कि क्यूलिनरी आर्ट्स क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा भी दिलाई है। वहीं सुषमा चोरडिया ने भी विकास खन्ना की वैश्विक यात्रा का गौरवपूर्ण उल्लेख करते हुए कहा, शेफ विकास खन्ना की सफलता की कहानी हर उस युवा के लिए प्रेरणा है जो बड़े सपने देखता है। मन में दृढ़ इच्छाशक्ति और अपनी कला के प्रति समर्पण हो तो 'अमृतसर से अमेरिका' तक का संघर्षपूर्ण सफर भी असंभव नहीं है। विश्व स्तर पर खन्ना द्वारा भारतीय पाककला को मिली पहचान हमारे हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट के विद्यार्थियों के लिए सफलता का आदर्श उदाहरण है।

भारतीय राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम दम्माम से भारत के लिए रवाना

दम्माम (सऊदी अरब) 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले आठ दिनों से कतर में फंसी भारतीय राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम आखिरकार भारत वापसी की राह पर है। आज तड़के, मुख्य कोच प्रसाद जी, खिलाड़ी अरविंद और टीम के अन्य सदस्यों सहित पूरी टीम सुरक्षित रूप से दम्माम पहुंची और रियाद स्थित भारतीय दूतावास के मार्गदर्शन में उन्हें किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर छोड़ा गया।

सऊदी अरब की यात्रा करने और वहां से स्वदेश वापसी की व्यवस्था होने से पहले टीम को कतर में आठ दिनों के अप्रत्याशित विलंब का सामना करना पड़ा था।

चूंकि 'फ्लाईनास' पिछले गुरुवार से दम्माम से भारत के लिए दैनिक उड़ानें संचालित कर रहा है, खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ अब अपनी आगे की यात्रा जारी रखने में सक्षम हैं।

इस कठिन समय के दौरान स्थानीय भारतीय समुदाय के सदस्यों ने भी अपना सहयोग दिया। सऊदी अरब तेलुगु एसोसिएशन (साटा) के पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष तेजा, श्याम मोहन और जीआईएसए के अध्यक्ष श्री अनिल मलपानी ने दम्माम में ट्रांजिट के दौरान टीम की सहायता की।

यह राहत की बात है कि अप्रत्याशित देरी के बाद टीम अब सुरक्षित रूप से भारत के लिए अपने घर की ओर बढ़ रही है। भारतीय दूतावास रियाद की सलाह के अनुसार, हमने अभी भारतीय राष्ट्रीय बास्केटबॉल कोच श्री प्रसाद जी, खिलाड़ी अरविंद और बाकी टीम को किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर छोड़ा है। वे पिछले 8 दिनों से कतर में फंसे हुए थे और आज सुबह सुरक्षित दम्माम पहुंचे। वर्तमान में, फ्लाईनास गुरुवार से दम्माम से भारत के लिए दैनिक उड़ानें संचालित कर रहा है, जिससे उन्हें अपनी आगे की यात्रा जारी रखने में मदद मिलेगी। साटा रियाद के अध्यक्ष श्रीनिवास माचा और साटा के संस्थापक मल्लेशन ने उनके प्रयासों की सराहना की है।

माथुर वैश्य इन्टर नेशनल द्वारा गोशामहल जोशीवाड़ी में सुंदरकाण्ड का आयोजन सपना गुप्ता की अध्यक्षता में भावना गुप्ता के नेतृत्व में किया। अवसर पर प्रथम पुरस्कार ज्योति, शिवलिंग बनाने में प्रथम पुरस्कार साक्षी का रहा। चाय नाश्ता का आयोजन भी किया गया।

सम्पूर्ण भारत में एकमात्र बीकानेर में नवरात्रि के आकर्षण बनेंगे मंदिर

बीकानेर बनेगा विराट चैत्र नवरात्रि महोत्सव का साक्षी

बीकानेर, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तमिलनाडू राज्य में विश्व विख्यात श्री पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ तीर्थ धाम कृष्णगिरी के पीठाधीश्वर, जगद्गुरु पूज्यपाद 1008 वसंत विजयानंद गिरीजी महाराज की प्रेरणा एवं पावन सान्निध्य में संभाग मुख्यालय बीकानेर चैत्र नवरात्रि में विराट महोत्सव का साक्षी बनेगा। मौका होगा चैत्र नवरात्रि विराट कथा यज्ञ महोत्सव के 19 मार्च, गुरुवार से 29 मार्च, रविवार तक के आयोजन का। गुरुभक्त संकेश जैन ने बताया कि छोटीकाशी कहे जाने वाले बीकानेर के गंगाशहर रोड़ स्थित अग्रवाल भवन परिसर में पूज्यपाद महाराजश्री के सान्निध्य में 19 मार्च से 29 मार्च तक प्रतिदिन 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक पायरेट कुबेर लक्ष्मी यंत्र एवं 1008 जीबू कॉइन का दिव्य साधना शिविर आयोजित होगा। वहीं दोपहर 3 बजे से संध्या 6 बजे तक काशी के विद्वान विप्र पंडितों द्वारा मंत्रोच्चारण कर हजारों किलो मेवा, हजारों किलो देशी घी एवं हजारों किलो शुद्ध चन्दन की लकड़ियों से 9 कुंडीय अति विराट दिव्य यज्ञ होगा। साथ ही साथ जगद्गुरु श्री वसंत विजयानंद गिरीजी महाराज के श्रीमुख से रात्रि 8 बजे से 11 दिवसीय भव्य एवं दिव्य सर्व कष्ट निवारक देवी भागवत कथा की अमृत वर्षा होगी। साथ ही जगद्गुरु श्री वसंत विजयानंद गिरीजी महाराज की अतिदिव्य निश्रा में हस्त निर्मित 500 दिव्य समृद्धि कलश जिसमें 351 दिव्य दुर्लभ वस्तुएं सम्मिलित है यज्ञ पूजा द्वारा सिद्धि विधान होगा। इसके अलावा प्रतिदिन सांय 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक समस्त श्रद्धालूओं के लिए विशाल नि:शुल्क भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी होगी और प्रतिदिन रात्रि साढ़े दस बजे से अनेक विश्वविख्यात संगीतकार कलाकारों द्वारा भजन संध्या आयोजित होगी। कार्यक्रम में प्रवेश नि:शुल्क है।

बनेंगे 35 से 45 फीट ऊंचे विशाल मंदिर

गुरुभक्त संकेश जैन ने यह भी बताया कि अग्रवाल भवन परिसर में गणपति मंदिर, भैरव मंदिर, शिव पार्वती मंदिर, लक्ष्मीनारायण मंदिर, कृष्णगिरी पदम्मावती मंदिर, धनदेश्वरी मंदिर, दुर्गा मंदिर, सिद्धिदात्री मंदिर, महागौरी मंदिर, करणी माता मंदिर, ललिता महात्रिपुर सुंदरी मंदिर, सरस्वती मंदिर, श्रीराम परिवार मंदिर, हनुमान मंदिर का निर्माण किया जाएगा जो विशाल 35 से 45 फीट ऊंचे बनाए जाएंगे। ये मंदिर सम्पूर्ण भारत में एकमात्र छोटीकाशी बीकानेर नवरात्रि के आकर्षण बनेंगे।

राधे-राधे ग्रुप समाज सेवा में अग्रणी : सुशील गुप्ता

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अंतर्गत शीतला सप्तमी के अवसर पर अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर सुशील गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। ग्रुप के सदस्य सेवा भावना के साथ जरूरतमंदों की मदद कर समाज में जागरूकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा दे रहे हैं।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा और जगन इलाकुर्ती सहित कई सदस्य उपस्थित रहकर सेवा कार्य में सहयोग किया।

सीएसआईआर-आईआईसीटी और लघु उद्योग भारती के बीच उद्योग संपर्क बैठक 13 को

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की प्रमुख प्रयोगशाला, सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी), आगामी 13 मार्च को लघु उद्योग भारती के साथ एक महत्वपूर्ण उद्योग संपर्क बैठक आयोजित करने जा रही है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उद्योग-अनुसंधान साझेदारी को मजबूत करना और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के अवसरों को बढ़ावा देना है।

इस बैठक में सीएसआईआर-आईआईसीटी की स्वदेशी तकनीकों और व्यावहारिक अनुसंधान नवाचारों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम में रसायन, एपीआई, पॉलिमर, खाद्य, ऊर्जा और पर्यावरण प्रौद्योगिकियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 60 एमएसएमई उद्योग सदस्य भाग लेंगे। यह मंच वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के नेताओं के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के लिए तैयार किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान उन तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा जिनमें भविष्य की मजबूत औद्योगिक क्षमता है। यह पहल चडचएी को नई तकनीकों को अपनाने और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेगी।

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. JC 333335W Sub Maj SURESH KUMAR PILLALAMARRI, Residing at H.No.5-9-300/154, CBR Krishnaveni Estates, Yapral, Secunderabad, Medchal Malkajgiri District, Telangana-500087 hereby declare that my father name & DOB is changed from SAMBAIAH, DOB:01-07-1956 to PILLALAMARRI SAMBAIAH, DOB:05-02-1952 and mother name & DOB is changed from SUJATHA, DOB:01-07-1961 to PILLALAMARRI SUJATHA, DOB:04-06-1958 vide affidavit dt:10-3-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

शिव प्रताप शुक्ला आज लेंगे तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में शपथ

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हवाई अड्डे पर किया स्वागत

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): मनोनीत राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला मंगलवार को हैदराबाद पहुँच गए। शमशाबाद हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने उनकी अगवानी की।

तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अपरेश कुमार बुधवार को लोक भवन में आयोजित एक समारोह में श्री शुक्ला को पद की शपथ दिलाएंगे। इसके पश्चात, 16 मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र के दौरान शुक्ला तेलंगाना विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे।

हिमाचल से तेलंगाना तक का सफर और नई नियुक्ति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को शिव प्रताप शुक्ला को तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया था। इससे पहले वह हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में सेवाएं दे रहे थे। वह जिष्णु देव वर्मा का स्थान लेंगे, जिन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी और कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

छात्र राजनीति से केंद्रीय मंत्री तक का राजनीतिक जीवन

शिव प्रताप शुक्ला का जन्म 1 अप्रैल 1952 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के रुद्रपुर गांव में हुआ था। अपने छात्र जीवन के दौरान वे एबीवीपी से जुड़े रहे और 1983 में भाजपा में शामिल हुए।

वे 1989 में पहली बार गोरखपुर नगर निर्वाचन क्षेत्र से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए थे।

1991 में फिर से निर्वाचित होने के बाद, उन्होंने कल्याण सिंह के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश की पहली भाजपा सरकार में बेसिक शिक्षा, वयस्क शिक्षा और भाषा विभाग के राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया।

विविध मंत्रालयों का अनुभव और संसदीय कार्यकाल

वर्षों के दौरान, उन्होंने बागवानी, खेल, युवा कल्याण और खाद्य प्रसंस्करण जैसे विभागों को संभाला। 1996 में चौथी बार विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद, शुक्ला ने कल्याण सिंह, राम प्रकाश गुप्ता और राजनाथ सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकारों में कारागार, कानून और न्याय, तथा ग्रामीण विकास मंत्री के रूप में कार्य किया।

2016 में वे उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए चुने गए और 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में उन्हें वित्त राज्य मंत्री नियुक्त किया गया। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल 4 जुलाई 2022 को समाप्त हुआ था।

तेलंगाना के नए डीजीपी की दौड़ में सी.वी. आनंद सबसे आगे

यूपीएससी जल्द शॉर्टलिस्ट करेगा तीन नामों का पैनल

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के सबसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सी.वी. आनंद तेलंगाना के अगले पुलिस महानिदेशक पद के लिए सबसे प्रबल दावेदार बनकर उभरे हैं। संघ लोक सेवा आयोग बुधवार को नई दिल्ली में तीन आईपीएस अधिकारियों के एक पैनल की सिफारिश करने के लिए बैठक करेगा, जिनमें से एक को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी डीजीपी (पुलिस बल के प्रमुख) के रूप में चुनेंगे।

वर्तमान प्रभारी डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी अगले महीने सेवानिवृत्त होने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ मामले में निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए यूपीएससी को राज्य सरकार को तीन नामों की सिफारिश करने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए चार सप्ताह की समय सीमा दी थी।

पैनल में शामिल पांच प्रमुख नाम

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सरकार ने यूप-ीएससी को पांच नाम भेजे थे- सी.वी. आनंद, विनय प्रभाकर आप्टे, सौम्या मिश्रा, शिखा गोयल और अभिलाषा बिष्ट। चूंकि आईबी के संयुक्त निदेशक विनय प्रभाकर आप्टे अपनी अधिकांश सेवा अवधि के दौरान तेलंगाना से बाहर रहे हैं, इसलिए राज्य सरकार यूपीएससी से उनके नाम को पैनल से बाहर रखने का आग्रह कर सकती है। ऐसे में अंतिम दौड़ में आनंद, सौम्या मिश्रा और शिखा गोयल के रहने की संभावना है।

सी.वी. आनंद का अनुभव और सामाजिक समीकरण

सी.वी. आनंद ने अपने पूरे करियर के दौरान राज्य में ही सेवाएं दी हैं। वे हैदराबाद में डीसीपी, संयुक्त पुलिस आयुक्त और दो बार पुलिस आयुक्त के साथ-साथ साइबराबाद पुलिस प्रमुख के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

क्षेत्रीय अनुभव: उन्हें उस क्षेत्र का गहरा कार्य अनुभव है जिसे तेलंगाना राइजिंग 2047 के तहत विकास इंजन माना जा रहा है।

सामाजिक और राजनीतिक संबंध: रेड्डी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले आनंद के सभी सामाजिक समूहों और राजनीतिक दलों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। विशेष रूप से कांग्रेस के सहयोगी दल एआईएमआईएमके साथ भी उनके संबंध बेहतर माने जाते हैं। कार्यकाल: उनकी सेवा मई 2028 तक है।

अन्य प्रमुख दावेदारों में सौम्या मिश्रा एक साल पहले सेवानिवृत्त होंगी, जबकि शिखा गोयल का कार्यकाल 2029 तक रहेगा। शिखा गोयल के पति और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी विजय कुमार वर्तमान में खुफिया विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक जैसे महत्वपूर्ण पद पर तैनात हैं और रेवंत रेड्डी सरकार के साथ उनके तालमेल को काफी सकारात्मक देखा जा रहा है।

मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव के स्थान पर रेजिडेंट कमिश्नर के यूपीएससी बैठक में शामिल होने की संभावना है, क्योंकि मुख्य सचिव नवनियुक्त राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला के शपथ ग्रहण समारोह में व्यस्त रहेंगे।

रेवंत रेड्डी नर्मेटा ऑयल पाम प्रोसेसिंग यूनिट का 22 मार्च को उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कृषि, विपणन, सहकारिता और हथकरघा व वस्त्र मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने मंगलवार को घोषणा की कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी आगामी 22 मार्च को सिद्दीपेट जिले के नंगुनूर मंडल के नर्मेटा गांव में एक आधुनिक ऑयल पाम प्रोसेसिंग यूनिट (तेल ताड़ प्रसंस्करण इकाई) का उद्घाटन करेंगे।

अधिकारियों के साथ कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने बताया कि इस प्रसंस्करण इकाई का निर्माण तेलंगाना ऑयल फेड द्वारा लगभग 300 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया गया है। यह संयंत्र शुरू में 30 टन प्रति घंटा (ढझक) की क्षमता के साथ काम करेगा, जिसे भविष्य में 120 टीपीएच तक बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

राव ने कहा कि यह नई सुविधा प्रसंस्करण, भंडारण और विपणन की सुविधाएं प्रदान करके ऑयल पाम किसानों को महत्वपूर्ण लाभ पहुँचाएगी। इससे किसान अपनी उपज सीधे संयंत्र में ला सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रसंस्करण में आधुनिक तकनीक के उपयोग से तेल की गुणवत्ता में सुधार होगा और किसानों को अपनी फसल का बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

मंत्री ने उल्लेख किया कि तेलंगाना ऑयल फेड के तहत भद्राद्री कोठागुडेम जिले में पहले से ही दो ऑयल पाम प्रसंस्करण मिलें संचालित हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 120 मीट्रिक टन प्रति घंटा है। ये मिलें किसानों को अपनी उपज को जल्दी संसाधित करने और बाजारों तक पहुँच बनाने में मदद कर रही हैं।

नर्मेटा इकाई के उद्घाटन के उपलक्ष्य में, कृषि और संबद्ध विभागों के तत्वावधान में 20 से 22 मार्च तक तीन दिवसीय 'रायथु मेला' (किसान मेला) आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में आधुनिक कृषि पद्धतियों, ऑयल पाम की खेती, नई कृषि मशीनरी, उत्पादन बढ़ाने के तरीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम शामिल होंगे।

मंत्री ने बताया कि किसानों को सीधी जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विभिन्न विभागों के स्टाल भी लगाए जाएंगे।

समीक्षा बैठक के दौरान, तुम्मला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उद्घाटन कार्यक्रम और किसान मेले के सुचारू और सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करें।

नए घरों को आवंटित किए जाएंगे अस्थायी नंबर

जनगणना 2027 की तैयारियां तेज

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने नगर आयुक्तों और मंडल परिषद विकास अधिकारियों को उन घरों को विशेष पहचान संख्या आवंटित करने का निर्देश दिया है जिनके पास आधिकारिक नंबर नहीं हैं। यह कवायद जनगणना 2027 के 'हाउस लिस्टिंग' (मकान सूचीकरण) चरण की तैयारियों के हिस्से के रूप में की जा रही है, जो 11 मई से 9 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि नए निर्माण, अस्थायी आवास और ग्रामीण घरों सहित सभी आवासीय संरचनाओं को सूची में शामिल किया जाए। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ये विशेष नंबर केवल जन-गणना के उद्देश्य से हैं और इनसे स्वामित्व या कोई कानूनी अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

केंद्र ने ठुकराया GHMC के त्रिविभाजन का प्रस्ताव

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने तेलंगाना सरकार के उस अनुरोध को खारिज कर दिया है जिसमें ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), साइबराबाद नगर निगम (सीएमसी) और मल्काजगिरी नगर निगम (एमएमसी) को अलग-अलग संस्थाओं के रूप में मानकर जन-गणना कराने की मांग की गई थी।

राज्य सरकार ने दिसंबर 2025 में GHMC की सीमाओं का विस्तार आउटर रिंग रोड तक किया था, जिससे वार्डों की संख्या 150 से बढ़कर 300 हो गई थी। हालांकि, केंद्र ने 31 दिसंबर 2025 को सभी जिलों और शहरों की राजस्व सीमाओं को फ्रीज (स्थिर) कर दिया था। इसके बाद फरवरी 2026 में राज्य द्वारा किए गए त्रिविभाजन को केंद्र ने जन-गणना नियमों की एकरूपता का हवाला देते हुए मान्यता देने से इनकार कर दिया। अब हैदराबाद की जनसंख्या गणना विस्तारित ऋल्लव्वउ सीमाओं के तहत ही होगी।

नंबरिंग की प्रक्रिया और उप-नंबरों का आवंटन

जनगणना नंबरिंग प्रणाली के तहत, बिना नंबर वाले घरों या मौजूदा नंबरों के बीच बने नए भवनों को 10/1 जैसे उप-नंबर दिए जाएंगे।

बहु-इकाई भवन: यदि एक इमारत में कई स्वतंत्र इकाइयाँ हैं, तो पूरी संरचना को एक भवन माना जाएगा, लेकिन प्रत्येक इकाई को 11(1) या 11(2) जैसा उप-नंबर दिया जाएगा।

अंकन: ये नंबर पेंट जैसे टिकाऊ माध्यम से घर के प्रवेश द्वार के पास स्पष्ट रूप से अंकित किए जाएंगे।

भारत की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना

आगामी जनगणना देश की पहली पूरी तरह से डिजिटल कवायद होगी।

सटीक मानचित्रण के लिए मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सभी भवनों को जियो-टैग किया जाएगा। तेलंगाना में हाउस-लिस्टिंग का चरण 11 मई से 9 जून 2026 तक चलेगा, जिसके बाद फरवरी 2027 में वास्तविक जनसंख्या गणना शुरू होगी।

अधिकारियों का कहना है कि चूंकि डेटा वार्ड-वार एकत्र किया जाएगा, इसलिए राज्य सरकार आधिकारिक आंकड़ों के आने के बाद साइबराबाद और मल्काजगिरी निगमों की जनसंख्या का स्वतंत्र रूप से अनुमान लगा सकेगी।

तेलंगाना शिक्षा आयोग की रिपोर्ट पर रामचंद्र राव का हमला

शहरी नक्सलियों के प्रभाव का लगाया आरोप

हैदराबाद (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कांग्रेस सरकार द्वारा गठित राज्य शिक्षा आयोग पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस आयोग में शहरी नक्सलियों और माओवादी विचारधारा से जुड़े व्यक्तियों का दबदबा है। राव ने तेलंगाना शिक्षा नीति-2026 की रिपोर्ट तैयार करने का जिम्मा ऐसे सदस्यों को सौंपने पर गहरी चिंता व्यक्त की और इसे छात्रों पर वामपंथी विचारधारा थोपने का प्रयास करार दिया।

शिक्षा प्रणाली की बदहाली और गिरता बुनियादी ढांचा

ओस्मानिया विश्वविद्यालय में फोरम फॉर नेशनलिस्ट थिंकर्स द्वारा आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए रामचंद्र राव ने कहा कि किसी भी नई नीति का मुख्य केंद्र साक्षरता में सुधार और छात्रों को उच्च शिक्षा की ओर ले जाना होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि: बंद होते स्कूल- ग्रामीण सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचा चरमरा रहा है। कई जिलों में दर्जनों स्कूलों में छात्रों की संख्या शून्य या 10 से भी कम है।

आंकड़ों में गिरावट: उन्होंने दावा किया कि सक्रिय सरकारी स्कूलों की संख्या 2024-25 में 5,021 थी, जो अब घटकर केवल 2,023 रह गई है।

गुरुकुलों की स्थिति: राव ने फूड पॉइजनिंग के कारण 44 गुरुकुल छात्रों की मौत के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा का बचाव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की कि नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा पर जोर दिया जाना चाहिए और इसमें भारतीय संस्कृति व मूल्यों को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने स्कूली पाठ्यक्रम से संस्कृत को हटाने के किसी भी प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह प्राचीन भाषा राष्ट्र की विरासत का केंद्र है। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार, दोनों पर शिक्षा प्रणाली की अनदेखी का आरोप लगाया।

जैन समुदाय ने महावीर जयंती पर सरकारी छुट्टी की मांग की

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन समुदाय के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अज-हरुद्दीन से मुलाकात कर समुदाय के कल्याण और विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने महावीर जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की अपनी पुरानी मांग को फिर से दोहराया।

राज्य सरकार के सहयोग के लिए जताया आभार

श्री जैन सेवा संघ (रामकोट) समिति के अध्यक्ष योगेश सिंघी जैन, महासचिव विमल मुथा जैन, पूर्व सचिव अशोक मुथा जैन और प्रचार संयोजक प्रवीण पांड्या जैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। नेताओं ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया कि उन्होंने जैन समुदाय के सदस्यों को जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में सक्षम बनाने वाली अधिसूचना जारी की। उन्होंने राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समुदाय तक पहुँचाने के लिए मंत्री के प्रयासों की भी सराहना की।

समाज में जैन समुदाय का योगदान सराहनीय: अजहरुद्दीन

प्रतिनिधिमंडल की बातों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री अज-हरुद्दीन ने समाज में जैन समुदाय के योगदान की प्रशंसा की और सरकार की ओर से निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार सभी अल्पसंख्यक समुदायों की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

औपचारिक अनुरोध पर मुख्यमंत्री से होगी चर्चा

सार्वजनिक अवकाश की मांग पर मंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि एक बार औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत होने के बाद, वह इस मामले को विचार के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सरकार समुदाय की भावनाओं का सम्मान करेगी।

गन पार्क में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना आंदोलन के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक 'मिलियन मार्च' की वर्षगांठ के अवसर पर आज प्रोफेसर कोदंडराम के नेतृत्व में गन पार्क स्थित शहीद स्मारक (अमरवीरुला स्तूपम) पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान 10 मार्च 2011 को आयोजित हुए ऐतिहासिक 'मिलियन मार्च' की स्मृतियों को याद किया गया, जिसने अलग तेलंगाना राज्य की मांग को निर्णायक मोड़ दिया था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर कोदंडराम और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एमएलसी ए. दयाकर ने शिरकत की। अपने संबोधन में नेताओं ने उस संघर्षपूर्ण दिन को याद किया जब तमाम बाधाओं और पुलिस पाबंदियों के बावजूद लाखों लोग टैंक बंड पर उमड़ पड़े थे। उन्होंने कहा कि मिलियन मार्च ने तत्कालीन केंद्र सरकार को तेलंगाना की जनता की अटूट इच्छाशक्ति का अहसास कराया था।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में तेलंगाना आंदोलनकारी, छात्र नेता और विभिन्न जन संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

छह गारंटियों को कानूनी दर्जा दिलाने के लिए बीआरएस लाएगी प्राइवेट मेंबर बिल : केटीआर

हैदराबाद, 10 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के. तारक रामा राव (केटीआर) ने घोषणा की है कि कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव से पहले दी गई छह गारंटियों को कानूनी जामा पहनाने के लिए पार्टी आगामी बजट सत्र में प्राइवेट मेंबर बि पेश करेगी। केटीम0च ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी सत्ता में आने के बाद जनता से किए गए वादों को भूल गई है और अब उन्हें बेनकाब करने का समय आ गया है।बीआराएस विधायकों और एमएलसी के संयुक्त ओरिएंटेशन कार्यक्रम के समापन के बाद मीडिया से बात करते हुए केटीआर ने सरकार की विफलताओं पर कड़ा प्रहार किया।

कैबिनेट की पहली बैठक का वादा भूली कांग्रेस

केटीआर ने कहा कि राहुल गांधी सहित कांग्रेस के बड़े नेताओं ने वादा किया था कि सत्ता में आने के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में छह गारंटियों को कानूनी दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''ढाई साल बीत जाने के बाद भी न तो कानून बना और न ही गारंटियां ठीक से लागू हुईं। कांग्रेस ने महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगों, छात्रों और किसानों को धोखा दिया है। इस बिल के माध्यम से हम सदन में कांग्रेस की ईमानदारी की परीक्षा लेंगे और उनके सदस्यों से भी समर्थन की मांग करेंगे।''

विधानसभा में बुलडोजर रणनीति का आरोप

सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए बीआ-रएस नेता ने कहा कि जिस तरह राज्य के विभिन्न हिस्सों में गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, उसी तरह विधानसभा में भी सरकार 'बुलडोजर रणनीति' अपनाकर विपक्ष की आवाज दबा रही है। उन्होंने कहा, ''विधानसभा में न तो कोई चयन समिति (Select Committee) है, न स्थायी समितियां और न ही डिप्टी स्पीकर का पद भरा गया है।

CBSE AFFILIATION NUMBER : 3600014 CBSE SCHOOL NUMBER : 59523

पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय गच्चीबौली

जी पी आर ऐ कैंपस,इंदिरा नगर गच्चीबौली,हैदराबाद-32

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA GACHIBOWLI

G.P.R.A CAMPUS,INDIRANAGAR GACHIBOWLI,HYDERABAD-32

PH:040-23000261, Email: kvgbhyd@gmail.com , Website : https://www.kvgachibali.kvs.ac.in/

నేరుగా ఇంటర్వ్యూ/ प्रत्यक्ष साक्षात्कार/ Walk-in-interview

పూర్తిగా పార్ట్-టైమ్ కాంట్రాక్టు ప్రాతిపదికన, 2026-27 సెషన్ కోసం కింది పోస్టుల కోసం ప్యానెల్ సిద్ధం చేయబడుతుంది. దీని కోసం, కింది షెడ్యూల్ ప్రకారం 16.03.2026 మరియు 18.03.2026 తేదీలలో ఉదయం 8:00 గంటలకు పాఠశాలలో వాక్-ఇన్-ఇంటర్వ్యూ నిర్వహించబడుతుంది. పూర్తి సమాచారం కోసం దయచేసి https://gachibawli.kvs.ac.in వెబ్‌సైట్‌ను సందర్శించండి.

अंशकालीन संविदा के आधार पर सत्र 2026-27 के लिए निम्नलिखित पदों हेतु पैनेल तैयार किया जाएगा | इसके लिए प्रत्यक्ष साक्षात्कार विद्यालय में दिनांक –16.03.2026 एवं 18.03.2026 को प्रातः 8:00 बजे निम्न समय-सारिणी के अनुसार संचालित किया जाएगा|पूर्ण जानकारी हेतु विद्यालय की वेबसाइट https://gachibawli.kvs.ac.in देखें।

On purely part-time contractual basis, the panel will be prepared for the following posts for the session 2026-27. For this, walk –in- interview will be conducted in the school on 16.03.2026 and 18.03.2026 at 8:00 am as per the following schedule. Please go through the website https://gachibawli.kvs.ac.in for complete information.

S.No.	Name of the Post	Date of Interview	Time
1	PRT, Computer Instructor, Staff Nurse, Doctor, Education Counsellor, Music / Dance Teacher, Special Educator (Secondary), Vocational Education Teacher, Balvatika Teacher	16.03.2026	08.00 A.M onwards
2	PGT (Physics), PGT (Chemistry), PGT (Biology), PGT (Economics), TGT (Social Science), TGT (Science), TGT (Mathematics), TGT (English) Sports Coach, Yoga Teacher, Art Coach, Telugu Teacher	18.03.2026	08.00 A.M onwards

The Candidates should submit duly filled forms (downloaded from website) with xerox copies of all relevant documents on the day of interview.

उपर्युक्त पदों के लिए पारिश्रमिक केन्द्रीय विद्यालय संगठन के नियमानुसार देय होगा।

Remuneration will be payable as per the KVS rules for the above posts.

प्राचार्य/PRINCIPAL

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.